Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**
**Marking Scheme – ECONOMICS**

HMJ/1

**SUBJECT CODE : 030 (PAPER CODE –58/1/1)**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| क्र.सं.. | अपेक्षिक उत्तर<br>खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न:**अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए, केन्द्रीय बैंक ---------- सकता है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ खरीद (B) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ बेच<br>(C) नक़द आरक्षित अनुपात कम कर (D) रेपो दर कम कर<br>**उत्तर** : दिए गए (A),(B),(C) अथवा(D) विकल्पों में से प्रत्येक को सही माना जाए तथा एक प्रदान कियेजाएं। | 1 |
| 2 | **प्रश्न:**उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: "सरकारी बजट मौद्रिक नीति का एक महत्त्वपूर्ण साधन है।"<br>**उत्तर:** असत्य<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** विनिवेश सरकार की एक_____ (पूँजीगत/राजस्व) प्राप्ति है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>**उत्तर :** पूंजीगत | 1<br><br>1 |
| 3 | **प्रश्न:** प्रभावी माँग को परिभाषित करते हैं _____। (उचित परिभाषा द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** रोजगार तथा उत्पादन का वह स्तर जहां पर समग्र मांग तथा समग्र पूर्ति बराबर होते हैं। | 1 |
| 4 | **प्रश्न:** _____ तथा _____मुद्रा आपूर्ति के दो घटक है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** (i) जनता के पास करेंसी (ii) वाणिज्यिक बैंकों के पास मांग जमाए | ½ +<br>½ |
| 5 | **प्रश्न**:उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: "अपेक्षित अप्रचलन को मूल्यह्रास में शामिल किया जाता है ।"<br>**उत्तर :** सत्य | 1 |
| 6 | **प्रश्न**:राजकोषीय घाटे का अनुमान _____ सूत्र से लगाया जा सकता है। (सही सूत्र द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** कुल व्यय - कुल प्राप्तियां (उधार को छोड़कर) (अन्य किसी सही सूत्र को भी अंक दिए जाएं) | 1 |
| 7 | **प्रश्न**: कीन्स के अर्थशास्त्र सिद्धांतों के अनुसार, औसत उपभोग प्रवृत्ति का मान _____ कभी नहीं हो सकता है।<br>(A) शून्य (B) इकाई (1) (C) एक से अधिक (D) एक से कम<br>**उत्तर:** (A) शून्य | 1 |
| 8 | **प्रश्न:**_____विदेशी मुद्रा की माँग के सबसे महत्त्वपूर्ण स्रोतों में से एक है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** वस्तुओं तथा सेवाओं का आयात **(अथवा अन्य किसी सही स्रोत्र को अंक दिए जाएं)** | 1 |
| 9 | **प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"कीन्स के सिद्धांतानुसार एक अर्थव्यवस्था में, पूर्ण रोजगार की स्थिति कभी मौजूद नहीं हो सकती ।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 10 | **प्रश्न:** 'व्यापार अधिशेष' को परिभाषित कीजिए ।<br>**उत्तर:** व्यापार अधिशेष से तात्पर्य वस्तुओं (दृश्य मदों) के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय की प्राप्तियों की वस्तुओं (दृश्य मदों) के आयात से होने वाली विदेशी विनिमय भुगतान पर अधिकता से है। | 1 |
| 11 | **प्रश्न** 11. "अंतिम वस्तुओं के अंतर्गत केवल वे वस्तुएँ शामिल होती हैं, जो कि गृहस्थों द्वारा उपभोग की जाती हैं।" दिए गए कथन का मान्य कारण द्वारा समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर:** दिए गए कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि, अंतिम वस्तुएं वे वस्तुएं होती हैं जिनका या तो गृहस्थों द्वारा उपभोग किया जाता है अथवा उत्पादकों द्वारा निवेश किया जाता है। **(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें**)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** "आय का वर्तुल प्रवाह सिद्धांत इस पूर्वधारणा पर आधारित है कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया व्यय दूसरे की आय बनती है ।" दिए गए कथन का वर्णन कीजिए।<br>**उत्तर :** दो क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में ग्रहस्थ क्षेत्र और फ़र्म का अस्तित्व ही अर्थव्यवस्था को चलाता है । ग्रहस्थ क्षेत्र फ़र्म को कारक सेवाएँ प्रदान करता है तथा परिणामस्वरूप कारक आय प्राप्त करता है जबकि फ़र्म वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती है तथा इन्हे गृहस्थ क्षेत्र को बेचती है और समान आय सृजित करती है जितनी की ग्रहस्थ क्षेत्र ने अर्जित की थी। अतः आय का वर्तुल प्रवाह इस सिद्धहांत को सिद्ध करता है कि किसी एक का व्यय दूसरे कि आय होता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं हैं (अन्य किसी** मान्य व्याख्या **को भी अंक** प्रदान कियें जायें) | 3<br><br>3 |
| 12 | **प्रश्न:** निम्नलिखित कथन का मान्य कारण द्वारा औचित्य सिद्ध कीजिए:"प्रत्याशित कुल माँग सदैव प्रत्याशित कुल पूर्ति के बराबर होती है"<br>**उत्तर:** दिया गया कथन असत्य है क्योंकि प्रत्याशित समग्र मांग तथा प्रत्याशित समग्र पूर्ति केवल अर्थव्यवस्था में संतुलन की स्तिथि में ही बराबर होती हैं। अल्पकालीन रोजगार संतुलन स्तर पर जब प्रत्याशित समग्र मांग, प्रत्याशित समग्र पूर्ति से कम होती है तो इससे माल सूची में वृद्धि हो सकती है। अतः उत्पादक रोजगार को कम करेंगे जिससे उत्पादन तथा आय में कमी आएगी और यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र मांग प्रत्याशित समग्र पूर्ति के बराबर न हो जाए।तथा इसके विपरीत भी।<br>**(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं हैं (अन्य किसी** मान्य व्याख्या **को भी अंक** प्रदान कियें जायें) | 3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

**13**

**प्रश्न:**एक काल्पनिक संख्यात्मक उदाहरण का प्रयोग करते हुए, वाणिज्यिक बैंक द्वारा साख निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

**उत्तर:** साख गुणक उस मुद्रा की राशि को मापता है जो बैंक अपने पास प्रारंभिक जमा की प्रत्येक मौद्रिक इकाई से जमाओं के रूप में सृजित करने में समर्थ होते हैं। साख निर्माण का वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR) से विलोम संबंध होता है। 1

वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण दो बातों पर निर्भर करता है :

1. आरंभिक जमा की राशि ½
2. वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR) ½

माना की: आरंभिक जमा ₹ 1000 है और LRR 10% है।

तब बैंक अपने पास जमा का 10% (₹100) रिजर्व के रूप में रखेंगे तथा शेष राशि (₹ 900) उधार दे देंगे। उधार लेने वाले इस राशि को भुगतान के रूप में व्यय करेंगे।

यह माना जाता है कि ₹ 900 की पूरी राशि नई जमाओं के रूप में बैंकिंग व्यवस्था में वापस आ जाती है। अब बैंक पुनः इस राशि ( ₹ 900) का 10% (₹90) अपने पास रिजर्व रखेंगे तथा शेष राशि (₹810) को उधार दे देंगे। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक कुल रिजर्व आरंभिक जमा के बराबर नहीं हो जाते। 2

कुल साख निर्माण = आरंभिक जमा × $(\frac{1}{LRR})$

$= 1000 \times (\frac{1}{10\%})$

= ₹ 10,000

₹1000 की आरंभिक जमा कुल मुद्रा पूर्ति को ₹10,000 में बढ़ा देती है। **( तालिका के रूप में व्याख्या को भी अंक दिये जाए)**

**अथवा**

**प्रश्न:** "केन्द्रीय बैंक सरकार के बैंकर का कार्य करता है ।" दिए गए कथन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

**उत्तर:** केंद्रीय बैंक सरकार के बैंकर के रूप में कार्य करता है। यह सरकार के खातों को बनाए रखता है उनकी प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उन्हे ऋण प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक सरकार की ओर से खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय तथा विक्रय करता है यह सरकार को नीतिगत मामलों में सलाह भी देता है। **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाएं)** 4

**14**

**प्रश्न:**"व्यापार सुगमता सूचकांक में भारत बड़ी छलाँग लगा रहा है, इसके फलस्वरूप कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ (MNC) अपने उत्पादन आधार को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं।" उपर्युक्त कथन के आलोक में, विदेशी मुद्रा के प्रवाह और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए ।

**उत्तर:**व्यापार सुगमता सूचकांक में भारत बड़ी छलांग लगा रहा है, जिसके फलस्वरूप बहुत से बहुराष्ट्रीय कंपनियां (MNCs) अपने उत्पादन आधार को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी विनिमय का अंतप्रवाह(Inflow) बढ़ रहा है। इसके कारण भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मे वृद्धि हो रही है । जिससे विदेशी विनिमय पूर्ति बढ़ जाएगी इसके कारण विदेशी विनिमय की दर में कमी आएगी। परिणाम स्वरूप भारतीय रुपए (₹) में मूल्य वृद्धि हो जाएगी। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से उत्पादन में वृद्धि होगी तथा इसके फलस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार अवसरों का सृजन होगा। 4

**(पूरा उत्तर एक साथ अंकित किया जाए)** **(अन्य किसी** मान्य व्याख्या **को भी अंक** प्रदान कियें जायें)

**15**

**प्रश्न:** (a) राजस्व व्यय' को परिभाषित कीजिए ।

**उत्तर** (a) राजस्व व्यय - राजस्व व्यय सरकार का वह व्यय है जिससे न तो सरकार की परिसंपत्तियों का निर्माण होता है तथा न ही सरकार की देयताओं में कमी आती है। 1

**प्रश्न:** (b) प्रत्यक्ष कर तथा अप्रत्यक्ष कर के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर(b): **प्रत्यक्ष कर -** वह कर जिसकी देयता तथा भार समान संस्था/ व्यक्ति पर पड़ता है। अतः इसका भार किसी अन्य संस्था/ व्यक्ति पर नहीं डाला जा सकता है।जैसे आयकर, जबकि; 1 ½

**अप्रत्यक्ष कर** - वह कर जिसकी देयता तथा भार विभिन्न संस्थाओं/ व्यक्तियों पर पड़ता है। अतः इसका भार अन्य संस्था/ व्यक्ति पर डाला जा सकता है जैसे जीएसटी(GST) 1 ½

**16**

**प्रश्न:** (a) निम्नलिखित आँकड़ों से 'स्टॉक में परिवर्तन के मूल्य की गणना कीजिए :

| क्र.सं. | मदें | राशि(₹ करोड़ में) |
|---|---|---|
| i. | बिक्री | 400 |
| ii | साधन लागत पर निवल मूल्य वृद्धि ($NVA_{FC}$) | 200 |
| iii | अनुदान | 10 |
| iv | स्टॉक में परिवर्तन | ? |
| v | मूल्यह्रास | 40 |
| vi | मध्यवर्ती उपभोग | 100 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **उत्तर:** स्टॉक में परिवर्तन = (ii) +(vi)+(v)-(iii)-(i)<br>= 200+100+40-10-400<br>= (-)₹70 करोड़ | 2<br>1½<br>½ |
| | **प्रश्न:** (b) वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद को परिभाषित कीजिए।<br>**उत्तर:** वास्तविक घरेलू उत्पाद - एक अर्थव्यवस्था में एक वर्ष में उत्पादित किए गए वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मौद्रिक मूल्य को जब दिए गए आधार वर्ष की कीमतों पर निर्धारित किया जाता है। | 2 |
| | **अथवा**<br>**प्रश्न:** (a) संपत्ति और उद्यमशीलता से आय' के तीन घटकों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** संपत्ति और उद्यमशीलता (परिचालन अधिशेष) से आय के घटक निम्न है -<br>(i) किराया/रॉयल्टी<br>(ii) ब्याज<br>(iii) लाभ | 1<br>1<br>1 |
| | **प्रश्न:** (b) 'बाह्यताएँ क्या होती हैं ? उपयुक्त उदाहरणों सहित इसके प्रकार लिखिए।<br>उत्तर: बह्यताओं से तात्पर्य फर्म / व्यक्ति द्वारा समाज में होने वाले लाभ / हानि से है। जिसके लिए न तो उन्हें पुरस्कार दिया जाता है और न हीं कोई दंड।<br>(i) धनात्मक बह्यताए - सामाजिक लाभ, उदाहरण के लिए बढ़ते हुए शैक्षिक मानको से समाज में आर्थिक उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है।<br>(ii) ऋणात्मक बह्यताए - सामाजिक हानि,उद्योगों से निकालने वाले धुएँ से वायु प्रदूषण। | 1<br>½ + ½<br>½ + ½ |
| 17 | **प्रश्न** 17. एक अर्थव्यवस्था में, यदि प्रारंभिक निवेश में ₹ 100 करोड़ की वृद्धि हुई है, यह मानते हुए कि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति 0.8 है, निवेश गुणक की कार्यपद्धति की चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर** : निवेश गुणक की कार्य पद्धति इस तथ्य पर आधारित है कि एक व्यक्ति का व्यय दूसरे व्यक्ति की आय है।<br>दिया गया प्रारंभिक निवेश = ₹ 100 करोड़ और MPC = 0.8 | |

| चक्र | निवेश में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | आय में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | उपभोग में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | बचत में परिवर्तन (₹ करोड़ में) |
|---|---|---|---|---|
| I | 100 | 100 | 80 | 20 |
| II | - | 80 | 64 | 16 |
| III | - | 64 | 51.2 | 12.8 |
| | - | - | - | - |
| | | 500 | 400 | 100 |

2

( तालिका की व्याख्या )

$K = \frac{1}{1-mpc}$ 1

$= \frac{1}{0.2} = 5$ 1

$\Delta Y = K \times \Delta I$ ½

$= 5 \times 100$ ½

= ₹ 500 करोड़ **(अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय )** 1

| | | |
|---|---|---|
| | **खण्ड ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास** | |
| 18 | **प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में भारत सरकार द्वारा_____नीति का अनुगमन घरेलू उद्योगों के संरक्षण के लिए किया गया था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** आयात प्रतिस्थापन (अथवा अन्य कोई प्रासंगिक पद) | 1 |
| 19 | **प्रश्न:**जैविक खेती के किसी एक लाभ का उल्लेख कीजिए।<br>**उत्तर:** सुरक्षित व स्वास्थ्यकर भोजन **(अथवा अन्य कोई लाभ)** | 1 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 20 | **प्रश्न:** बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"विगत कुछ दशकों में, भारत में प्राथमिक क्षेत्र ने सर्वाधिक रोज़गार के अवसर उत्पन्न किये हैं।"<br>**उत्तर :** असत्य | 1 |
| 21 | **प्रश्न:** _____ विश्व व्यापार संगठन (WTO) की पूर्ववर्ती संस्था थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए।)<br>(A) अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) (B) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)<br>(C) भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) (D) व्यापार और सीमा शुल्क महासंधि (GATT)<br>**उत्तर :** (D) व्यापार और सीमा शुल्क महासंधि (GATT) | 1 |
| 22 | **प्रश्न:** भारत निम्नलिखित में से किस क्षेत्रीय/वैश्विक आर्थिक समूह का सदस्य नहीं है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) यूरोपियन संघ (B) BRICS (ब्रिक्स) (C) G-20 (D) SAARC (सार्क)<br>**उत्तर :** (A) यूरोपियन संघ<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** पाकिस्तान ने वर्ष _____ में अपने आर्थिक सुधारों की शुरुआत की थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 1974 (B) 1976 (C) 1978 (D) 1988<br>**उत्तर :** (D) 1988 | 1<br><br>1 |
| 23 | **प्रश्न**: बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: "स्वयं सहायता समूह अतिलघु साख संगठन के उदाहरण हैं।"<br>**उत्तर :** सत्य | 1 |
| 24 | **प्रश्न: '**ग्रेट लीप फॉरवर्ड' का मुख्य उद्देश्य चीन में_____ (प्राथमिक/द्वितीयक/तृतीयक) क्षेत्र में तेज़ी से वृद्धि सुनिश्चित करना था।<br>**उत्तर:** द्वितीयक | 1 |
| 25 | **प्रश्न**: 1991 में भारत में आर्थिक सुधारों को कार्यान्वित करने के किसी एक परिणाम का उल्लेख कीजिए।<br>**उत्तर :** निवेश में अधिक अन्तर्वाह (Inflow) **(अथवा अन्य कोई प्रासंगिक परिणाम)** | 1 |
| 26 | **प्रश्न:**कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित घटनाओं को व्यवस्थित कीजिए तथा दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :<br>(i) चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना (ii) पाकिस्तान का निर्माण<br>(iii) भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना (iv) चीन की प्रथम पंचवर्षीय योजना<br>**विकल्प:**<br>(A) (i), (iv), (ii), (iii) (B) (iii), (ii), (i), (iv) (C) (ii), (i), (iii), (iv) (D) (iv), (iii), (ii), (i)<br>**उत्तर:** (C) (ii), (i), (iii), (iv) | 1 |
| 27 | **प्रश्न:** स्वतंत्र भारत का प्रथम औद्योगिक नीति प्रस्ताव वर्ष में घोषित किया गया था। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>(A) 1947 (B) 1948 (C) 1951 (D) 1956<br>**उत्तर :**(B) 1948 | 1 |
| 28 | **प्रश्न:** "मानव पूँजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।"<br>क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं ? मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।<br>**उत्तर :** हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनो की उत्पादकता को ही नही बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता हैं। शिक्षा में निवेश नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता,वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यतया नई तकनीकी तथा नवोत्थान को तेजी से सीखता तथा अपनाता है। **(किसी अन्य मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय) (पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** भारत में ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।<br>**उत्तर :** बैंकिंग व्यवस्था के त्वरित प्रसार का ग्रामीण कृषि और गैर कृषि उत्पादन, आय और रोजगार पर सकारात्मक प्रभाव रहा है लेकिन इसके बावजूद भी ग्रामीण बैंको को निम्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है<br>★ देश में ग्रामीण साख व्यवस्था इसकी पूर्ति की अपेक्षा अपर्याप्त है तथा औपचारिक साख व्यवस्था बहुसंख्यक ग्रामीण किसानों को अपने अंतर्गत लाने में विफल रही है<br>★ ऋण की आवश्यकता वाले छोटे व सीमांत किसानों पर कम ध्यान दिया गया तथा कृषि ऋणों की वसूली न होना भी एक समस्या बनी हुई है **(किसी अन्य मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय)** | 3<br><br>1 ½<br><br>1 ½ |
| 29 | **प्रश्न 29** वैध कारणों के साथ भारत और चीन के दिए गए आँकड़ों की तुलना व विश्लेषण कीजिए :<br>राष्ट्र \| जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) \| लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)<br>भारत \| 1.2% \| 929<br>चीन \| 0.5% \| 941 | |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर** (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन ने 1970 के दशक में "एक शिशु नीति" जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर जो 1.2% है, चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% , से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है वही चीन भी 941 महिला प्रति 1000 पुरुष के साथ बहुत दूर नही है। | 2<br><br>1 |
| 30 | **प्रश्न:**"भारत को प्रायः विश्व का 'बाह्य प्रापण गंतव्य' कहा जाता है ।" भारत को दिए गए इस नाम के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए ।<br>**उत्तर :** भारत को विश्व का "बाह्य प्रापण गंतव्य" कहने के मुख्य कारण हैं -<br>(1) कुशल मानव शक्ति की उपलब्धता - भारत में कुशल मानव शक्ति की बहुतायत है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विश्वास को बढ़ाता है।<br>(2) अनुकूल सरकारी नीतियां - भारतीय सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विभिन्न प्रकार के लाभ प्रद प्रस्ताव जैसे करो मे छूट, करो की निम्न दर आदि, देती है जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित होती है। **(या अन्य कोई उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** आयात प्रतिस्थापन का अर्थ लिखिए । स्पष्ट कीजिए कि आयात प्रतिस्थापन किस प्रकार घरेलू उद्योगों को संरक्षण प्रदान कर सकता है ।<br>**उत्तर :** आयात प्रतिस्थापन से तात्पर्य उस नीति से है जिसमें आयात का प्रतिस्थापन घरेलू उत्पादन द्वारा किया जाता है। भारत का घरेलू उद्योग विकसित देशों द्वारा उत्पादित वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं था। अतः आयात प्रतिस्थापन की नीति ने इनकी रक्षा दो प्रकार से की :<br>(i) आयातित वस्तुओं पर प्रशुल्क लगाकर<br>(ii) कोटा - कोटे में आयातित वस्तुओं की मात्रा निर्दिष्ट की जाती है। परिणाम स्वरूप घरेलू फ़र्में, विदेशी वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा से बिना डरे अधिक विकास कर पाएँगी । | 2<br>2<br><br>1<br><br>1 ½<br>1 ½ |
| 31 | **प्रश्न:** (a) अंग्रेज़ों द्वारा भारत में किए गए किसी एक सकारात्मक योगदान का उल्लेख कीजिए ।<br>**उत्तर** : रेलवे का आरंभ (अथवा अन्य कोई सकारात्मक योगदान )<br>**प्रश्न** :(b) स्वतंत्रता के समय भारत के विदेशी व्यापार के परिमाण और दिशा की जानकारी दीजिए।<br>(b) औपनिवेशिक सरकार द्वारा अपनाई गई वस्तु उत्पादन , व्यापार और सीमा शुल्क की प्रतिबंधकारी नीतियों का भारत के विदेशी व्यापार की दिशा तथा परिणाम पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा जैसे :<br>i. भारत के निर्यात और आयात व्यापार पर इंग्लैंड ने एकाधिकार जमाए रखा।<br>ii. भारत का आधे से अधिक व्यापार तो केवल इंग्लैंड तक सीमित रहा तथा शेष कुछ व्यापार चीन श्रीलंका और ईरान से भी होने दिया जाता था<br>iii. औपनिवेशिक काल में भारत में विशाल निर्यात अधिशेष था। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) | 1<br><br>1<br><br>1<br><br>1 |
| 32 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए :<br>(a) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता (b) पर्यावरण की धारण क्षमता (c) गरीबी रेखा (कैलोरी मानों के पदों में)<br>**उत्तर: (a) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता** - इसका अर्थ पर्यावरण की अपक्षय को सोखने की योग्यता से है।<br>(b) **पर्यावरण की धारण क्षमता-** इसका अर्थ है कि संसाधनों का निष्कर्षण इनके पुनर्जनन की दर से अधिक नहीं है और उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की समावेशन क्षमता के भीतर हैं।<br>(C ) **निर्धनता रेखा (गरीबी रेखा)** - निर्धनता रेखा न्यूनतम कैलोरी उपभोग के प्रति व्यय का निर्धारण करने की विधि है इसके अनुसार ग्रामीण व्यक्ति को प्रतिदिन औसतन 2400 कैलोरी तथा शहरी व्यक्ति को प्रतिदिन औसतन 2100 कैलोरी का न्यूनतम उपभोग मिलना चाहिए। (किन्ही दो मान्य उत्तरों को अंकित किया जाये) | 2+2 |
| 33 | **प्रश्न**: (a) नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों में महिलाएँ कम क्यों हैं ?<br>**उत्तर**: **(a)** (i) नियमित वेतन भोगी कर्मचारियों में महिलाओं की संख्या इसलिए कम है क्योंकि इस तरह के कार्य के लिए बौद्धिक कौशल तथा उच्च स्तर की शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता होती है<br>(ii) सामाजिक बंधनों के कारण महिलाओं में गतिशीलता की कमी होती है।<br>प्रश्न: b) भारत में कार्य बल के क्षेत्रीय वितरण में हाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए : **रोज़गार पद्धति की प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रक), 1993 - 2012 (प्रतिशत में)** | 1 ½<br>1 ½ |

| क्षेत्रक | 1993-94 | 1999-2000 | 2011-2012 |
|---|---|---|---|
| प्राथमिक | 64 | 60.4 | 48.9 |
| द्वितीयक | 16 | 15.8 | 24.3 |
| सेवा | 20 | 23.8 | 26.8 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **(b)** दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये**)** | 3 |
| 34 | **प्रश्न:(a)** "ग्रामीण भारत के लिए उज्ज्वला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है ।" ऐसे किन्हीं तीन पारंपरिक ईंधनों का उल्लेख कीजिए, जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में एल.पी.जी. सिलेंडर वितरण योजना (उज्ज्वला योजना) कार्य कर रही है ।<br>**उत्तर:(a)** ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर ( स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है। तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्ज्वला योजना के कारण कम हुआ है-<br>(i) कृषि अवशेष और सूखा गोबर ।<br>(ii) जलाऊ लकड़ी ।<br>(iii) कोयला । **(अन्य कोई उचित उदाहरण)**<br>प्रश्न: **(b)** "स्वयं को ठीक करने के लिए भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक की आवश्यकता है ।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>उत्तर: **(b)** इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से धीमी रही है। दूसरे कारणों के साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रहा है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक में की आवश्यकता है। **(एक साथ** मूल्यांकित **किया जाए) (अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये**)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारतीय स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के परिणामों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।<br>**उत्तर :** स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई है । कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं-<br>1.परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना।<br>2.भूमि और अन्य परिसंपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए।<br>3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे।<br>4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण।<br>अतः यह कहा जा सकता है की निर्धनता निर्वारण कार्यक्रम बहुत अच्छे कदम थे लेकिन सही तरह से क्रियान्वित न होने के कारण प्रत्याशित परिणाम प्राप्त न हो सके। **(एक साथ** मूल्यांकित **किया जाए) (अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये**)** | 1x3 = 3<br>3<br>6 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

**HMJ/1**

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/1/2**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| क्र.सं.. | अपेक्षिक उत्तर<br>खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न:**_____ तथा _____मुद्रा आपूर्ति के दो घटक है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** (i) जनता के पास करेंसी (ii) वाणिज्यिक बैंकों के पास मांग जमाए | ½ + ½ |
| 2 | **प्रश्न: प्राथमिक घाटे का अनुमान _____ सूत्र से लगाया जा सकता है**<br>**उत्तर:** राजकोषीय घाटा –ब्याज भुगतान | 1 |
| 3 | **प्रश्न:**_____विदेशी मुद्रा की माँग के सबसे महत्त्वपूर्ण स्रोतों में से एक है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** वस्तुओं तथा सेवाओं का आयात **(अथवा अन्य किसी सही स्रोत्र को अंक दिए जाएं)** | 1 |
| 4 | **प्रश्न:** व्यापार घाटे का अर्थ लिखिए।<br>**उत्तर:** व्यापार घाटे से तात्पर्य है जब दृश्य मदों के आयात का भुगतान दृश्य मदों के निर्यात की प्राप्तियों से कम होता है । | 1 |
| 5 | **प्रश्न:**उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: "सरकारी बजट मौद्रिक नीति का एक महत्त्वपूर्ण साधन है।"<br>**उत्तर:** असत्य<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** विनिवेश सरकार की एक_____ (पूँजीगत/राजस्व) प्राप्ति है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>**उत्तर :** पूंजीगत | 1<br><br>1 |
| 6 | **प्रश्न:**अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए, केन्द्रीय बैंक ---------- सकता है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ खरीद (B) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ बेच<br>(C) नक़द आरक्षित अनुपात कम कर (D) रेपो दर कम कर<br>**उत्तर** : दिए गए (A),(B),(C) अथवा(D) विकल्पों में से प्रत्येक को सही माना जाए तथा एक प्रदान कियेजाएं। | 1 |
| 7 | **प्रश्न:** प्रभावी माँग को परिभाषित करते हैं _____। (उचित परिभाषा द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** रोजगार तथा उत्पादन का वह स्तर जहां पर समग्र मांग तथा समग्र पूर्ति बराबर होते हैं। | 1 |
| 8 | **प्रश्न**:उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: "अपेक्षित अप्रचलन को मूल्यह्रास में शामिल किया जाता है ।"<br>**उत्तर :** सत्य | 1 |
| 9 | **प्रश्न**: कीन्स के अर्थशास्त्र सिद्धांतों के अनुसार, औसत उपभोग प्रवृत्ति का मान _____ कभी नहीं हो सकता है।<br>(A) शून्य (B) इकाई (1) (C) एक से अधिक (D) एक से कम<br>**उत्तर:** (A) शून्य | 1 |
| 10 | **प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"कीन्स के सिद्धांतानुसार एक अर्थव्यवस्था में, पूर्ण रोजगार की स्थिति कभी मौजूद नहीं हो सकती ।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 11 | प्रश्न: "प्रत्याशित बचत व प्रत्याशित निवेश सदैव बराबर होती है" । दिए गए कथन का मान्य तर्कों द्वारा समर्थन अथवा खंडन करें।<br>उत्तर: दिया गया कथन असत्य है क्योंकि प्रत्याशित बचत तथा प्रत्याशित निवेश केवल तब बराबर होतें हैं जब अर्थव्यवस्था संतुलन में होती है अल्पकालीन रोजगार संतुलन स्तर पर जब प्रत्याशित निवेश , प्रत्याशित बचत से कम होती है तो इससे माल सूची में वृद्धि हो जाएगी। अतः उत्पादक रोजगार को कम करेंगे जिससे उत्पादन तथा आय में कमी आएगी और यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित निवेश तथा प्रत्याशित बचत बराबर न हो जाए।तथा इसके विपरीत भी।<br>(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) ( रेखाचित्र आवश्यक नहीं है) | 3 |
| 12 | **प्रश्न:** "अंतिम वस्तुओं के अंतर्गत केवल वे वस्तुएँ शामिल होती हैं, जो कि गृहस्थों द्वारा उपभोग की जाती हैं।" दिए गए कथन का मान्य कारण द्वारा समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर:** दिए गए कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि, अंतिम वस्तुएं वे वस्तुएं होती हैं जिनका या तो गृहस्थों द्वारा उपभोग किया जाता है अथवा उत्पादकों द्वारा निवेश किया जाता है। **(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें**)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** "आय का वर्तुल प्रवाह सिद्धांत इस पूर्वधारणा पर आधारित है कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया व्यय दूसरे की आय बनती है ।" दिए गए कथन का वर्णन कीजिए।<br>**उत्तर:** दो क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में ग्रहस्थ क्षेत्र और फ़र्म का अस्तित्व ही अर्थव्यवस्था को चलाता है । ग्रहस्थ क्षेत्र फ़र्म को कारक सेवाएँ प्रदान करता है तथा परिणामस्वरूप कारक आय प्राप्त करता है जबकि फ़र्म वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती है तथा इन्हे गृहस्थ क्षेत्र को बेचती है और समान आय सृजित करती है जितनी की ग्रहस्थ क्षेत्र ने अर्जित की थी। अतः आय का वर्तुल प्रवाह इस सिद्धहांत को सिद्ध करता है कि किसी एक का व्यय दूसरे कि आय होता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं हैं (अन्य किसी** मान्य व्याख्या **को भी अंक** प्रदान कियें जायें) | 3<br><br>3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 13 | प्रश्न: (a) कर आगम और गैर कर आगम में अंतर स्पष्ट कीजिये।<br>उत्तर: (a) कर आगम से तात्पर्य सरकार द्वारा लगाए गए करों तथा अन्य शुल्कों से प्राप्तियों के कुल योग से है। उदाहरण के रूप मे सरकार द्वारा आयकर तथा GSTसे राजस्व प्राप्ति।<br>गैर –कर आगम से तात्पर्य सरकार की कर प्राप्तियों को छोडकर अन्य स्रोतों से हुई प्राप्तियों से है। उदाहरण के रूप मे सरकार द्वारा किए गए निवेश पर लाभ तथा लाभांश।<br>प्रश्न: (b) पूंजीगत व्यय के किसी एक उदाहरण का उल्लेख कीजिये।<br>उत्तर:(b) सरकार के सड़क निर्माण पर व्यय अथवा सरकार द्वारा ऋण का पुनर्भुगतान। (अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण) | 1 ½<br>1 ½<br>1 |
| 14 | **प्रश्न:**एक काल्पनिक संख्यात्मक उदाहरण का प्रयोग करते हुए, वाणिज्यिक बैंक द्वारा साख निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।<br>**उत्तर:** साख गुणक उस मुद्रा की राशि को मापता है जो बैंक अपने पास प्रारंभिक जमा की प्रत्येक मौद्रिक इकाई से जमाओं के रूप में सृजित करने में समर्थ होते हैं। साख निर्माण का वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR) से विलोम संबंध होता है।<br>वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण दो बातों पर निर्भर करता है :<br>1. आरंभिक जमा की राशि<br>2. वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR)<br>माना की: आरंभिक जमा ₹ 1000 है और LRR 10% है।<br>तब बैंक अपने पास जमा का 10% (₹100) रिजर्व के रूप में रखेंगे तथा शेष राशि (₹ 900) उधार दे देंगे। उधार लेने वाले इस राशि को भुगतान के रूप में व्यय करेंगे।<br>यह माना जाता है कि ₹ 900 की पूरी राशि नई जमाओं के रूप में बैंकिंग व्यवस्था में वापस आ जाती है। अब बैंक पुनः इस राशि (₹ 900) का 10% (₹90) अपने पास रिजर्व रखेंगे तथा शेष राशि (₹810) को उधार दे देंगे। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक कुल रिजर्व आरंभिक जमा के बराबर नहीं हो जाते।<br>कुल साख निर्माण = आरंभिक जमा × $(\frac{1}{\text{LRR}})$<br>$= 1000 \times (\frac{1}{10\%})$<br>= ₹ 10,000<br>₹1000 की आरंभिक जमा कुल मुद्रा पूर्ति को ₹10,000 में बढ़ा देती है। **(तालिका के रूप में व्याख्या को भी अंक दिये जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "केन्द्रीय बैंक सरकार के बैंकर का कार्य करता है।" दिए गए कथन का विस्तार से वर्णन कीजिए।<br>**उत्तर:** केंद्रीय बैंक सरकार के बैंकर के रूप में कार्य करता है। यह सरकार के खातों को बनाए रखता है उनकी प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उन्हे ऋण प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक सरकार की ओर से खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय तथा विक्रय करता है यह सरकार को नीतिगत मामलों में सलाह भी देता है। **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाएं)** | 1<br>½<br>½<br>2<br>4 |
| 15 | **प्रश्न:**"व्यापार सुगमता सूचकांक में भारत बड़ी छलाँग लगा रहा है, इसके फलस्वरूप कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ (MNC) अपने उत्पादन आधार को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं।" उपर्युक्त कथन के आलोक में, विदेशी मुद्रा के प्रवाह और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए।<br>**उत्तर:** व्यापार सुगमता सूचकांक में भारत बड़ी छलांग लगा रहा है, जिसके फलस्वरूप बहुत से बहुराष्ट्रीय कंपनियां (MNCs) अपने उत्पादन आधार को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी विनिमय का अंतप्रवाह(Inflow) बढ़ रहा है। इसके कारण भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ रहा है। जिससे विदेशी विनिमय पूर्ति बढ़ जाएगी इसके कारण विदेशी विनिमय की दर में कमी आएगी। परिणाम स्वरूप भारतीय रुपए (₹) में मूल्य वृद्धि हो जाएगी। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से उत्पादन में वृद्धि होगी तथा इसके फलस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार अवसरों का सृजन होगा।<br>**(पूरा उत्तर एक साथ अंकित किया जाए)** | 4 |
| 16 | प्रश्न: सुनामंकित आरेख का प्रयोग करते हुए, दर्शाइए की किस प्रकार उपभोग वक्र से बचतवक्र प्राप्त किया जा सकता है?<br>उत्तर: उपभोग वक्र से बचत वक्र प्राप्त करने के पद :<br>1.रेखाचित्र के ऊपरी भाग मे मूल बिन्दु से 45 डिग्री की रेखा खींचिए। जिस बिन्दु पर उपभोग फलन 45 डिग्री की रेखा को प्रतिछेद करें वहाँ पर अलाभबिंदु B का निर्धारण करे अलाभबिंदु से x अक्ष पर लंब डाले।<br>2. OS',OC के बराबर होना चाहिए जोकि बचत वक्र का प्रारम्भिक बिन्दु है तथा अबचत को दर्शाता है।<br>3.बिन्दु S' तथा B का मिलान कीजिए और एक सीधी रेखा खींचिए ,इस प्रकार SS' बचत रेखा प्राप्त होती है<br>उपयुक्त/मान्य **सुनामंकित आरेख**<br>**केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए:**<br>प्रश्न: a) यदि बचत फलन S = (-) 10 + 0.2 Y है, तो दिए गए बचत फलन से उपभोग फलन किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है?<br>उत्तर: a)हम जानते है Y=C+S | 3<br>3<br>½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | अतः C=Y-S<br>C=Y-(-10+0.2 Y)<br>C=10+0.8 Y | ½<br>1 ½<br>½ |
| | **प्रश्न:** (b)औसत बचत प्रवृत्ति तथा सीमान्त बचत प्रवृत्ति में अंतर स्पष्ट कीजिये | |
| | **उत्तर:** (b)औसत बचत प्रवृत्ति :अर्थव्यवस्था में कुल बचत तथा कुल आय के अनुपात को औसत बचत प्रवृत्ति कहते है ।<br>$APS = \frac{\text{कुल बचत}}{\text{कुल आय}} = \frac{S}{Y}$ | 1 ½ |
| | सीमांत बचत प्रवृत्ति :अर्थव्यवस्था में बचत में परिवर्तन तथा कुल आय में परिवर्तन के अनुपात को सीमांत बचत प्रवृत्ति कहते है ।<br>$MPS = \frac{\text{कुल बचत मे परिवर्तन}}{\text{कुल आय मे परिवर्तन}} = \frac{\Delta S}{\Delta Y}$ | 1 ½ |
| 17 | **प्रश्न:** (a) निम्नलिखित आँकड़ों से 'स्टॉक में परिवर्तन के मूल्य की गणना कीजिए : | |

| क्र.सं. | मदें | राशि(₹ करोड़ में) |
|---|---|---|
| i. | बिक्री | 400 |
| ii | साधन लागत पर निवल मूल्य वृद्धि ($NVA_{FC}$) | 200 |
| iii | अनुदान | 10 |
| iv | स्टॉक में परिवर्तन | ? |
| v | मूल्यह्रास | 40 |
| vi | मध्यवर्ती उपभोग | 100 |

| | | |
|---|---|---|
| | **उत्तर:** स्टॉक में परिवर्तन = (ii) +(vi)+(v)-(iii)-(i)<br>= 200+100+40-10-400<br>= (-)₹70 करोड़ | 2<br>1½<br>½ |
| | **प्रश्न:** (b) वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद को परिभाषित कीजिए ।<br>**उत्तर:** वास्तविक घरेलू उत्पाद - एक अर्थव्यवस्था में एक वर्ष में उत्पादित किए गए वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मौद्रिक मूल्य को जब दिए गए आधार वर्ष की कीमतों पर निर्धारित किया जाता है। | 2 |
| | **अथवा** | |
| | **प्रश्न:** (a) संपत्ति और उद्यमशीलता से आय' के तीन घटकों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए ।<br>**उत्तर:** संपत्ति और उद्यमशीलता (परिचालन अधिशेष) से आय के घटक निम्न है -<br>(i) किराया/रॉयल्टी<br>(ii) ब्याज<br>(iii) लाभ | <br><br><br>1<br>1<br>1 |
| | **प्रश्न:** (b) 'बाह्यताएँ क्या होती हैं ? उपयुक्त उदाहरणों सहित इसके प्रकार लिखिए ।<br>उत्तर: बह्यताओं से तात्पर्य फर्म / व्यक्ति द्वारा समाज में होने वाले लाभ / हानि से है। जिसके लिए न तो उन्हें पुरस्कार दिया जाता है और न हीं कोई दंड। | 1 |
| | (i) धनात्मक बह्यताए - सामाजिक लाभ, उदाहरण के लिए बढ़ते हुए शैक्षिक मानको से समाज में आर्थिक उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है। | ½ + ½ |
| | (ii) ऋणात्मक बह्यताए - सामाजिक हानि,उद्योगों से निकालने वाले धुएँ से वायु प्रदूषण । | ½ + ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | खण्ड ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास | |
|---|---|---|
| 18 | **प्रश्न:** स्वतंत्र भारत का प्रथम औद्योगिक नीति प्रस्ताव वर्ष में घोषित किया गया था। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>(A) 1947 (B) 1948 (C) 1951 (D) 1956<br>**उत्तर :**(B) 1948 | 1 |
| 19 | **प्रश्न**: 1991 में भारत में आर्थिक सुधारों को कार्यान्वित करने के किसी एक परिणाम का उल्लेख कीजिए।<br>**उत्तर :** निवेश में अधिक अन्तर्वाह (Inflow) **(अथवा अन्य कोई प्रासंगिक परिणाम)** | 1 |
| 20 | **प्रश्न**: बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: "स्वयं सहायता समूह अतिलघु साख संगठन के उदाहरण हैं।"<br>**उत्तर :** सत्य | 1 |
| 21 | **प्रश्न:** ____ _ विश्व व्यापार संगठन (WTO) की पूर्ववर्ती संस्था थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए।)<br>(A) अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) (B) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)<br>(C) भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) (D) व्यापार और सीमा शुल्क महासंधि (GATT)<br>**उत्तर :**(D) व्यापार और सीमा शुल्क महासंधि (GATT) | 1 |
| 22 | प्रश्न: 'श्वेत क्रांति' का अर्थ लिखिए<br>उत्तर : यह एक ऐसी प्रणाली है जिसके अंतर्गत सभी किसान अपना विक्रय योग्य दूध एकत्रित कर उसकी गुणवत्ता के अनुसार प्रसंस्करण करते हैं और फिर उसे शहरी केन्द्रों मे सहकारिता के माध्यम से बेचा जाता है। | 1 |
| 23 | **प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में भारत सरकार द्वारा_____नीति का अनुगमन घरेलू उद्योगों के संरक्षण के लिए किया गया था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** आयात प्रतिस्थापन (अथवा अन्य कोई प्रासंगिक पद) | 1 |
| 24 | **प्रश्न:** भारत निम्नलिखित में से किस क्षेत्रीय/वैश्विक आर्थिक समूह का सदस्य नहीं है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) यूरोपियन संघ (B) BRICS (ब्रिक्स) (C) G-20 (D) SAARC (सार्क)<br>**उत्तर :** (A) यूरोपियन संघ<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** पाकिस्तान ने वर्ष _____ में अपने आर्थिक सुधारों की शुरुआत की थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 1974 (B) 1976 (C) 1978 (D) 1988<br>**उत्तर :**(D) 1988 | 1<br>1 |
| 25 | **प्रश्न:** 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' का मुख्य उद्देश्य चीन में_____ (प्राथमिक/द्वितीयक/तृतीयक) क्षेत्र में तेज़ी से वृद्धि सुनिश्चित करना था।<br>**उत्तर:** द्वितीयक | 1 |
| 26 | **प्रश्न:** बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"विगत कुछ दशकों में, भारत में प्राथमिक क्षेत्र ने सर्वाधिक रोज़गार के अवसर उत्पन्न किये हैं।"<br>**उत्तर :** असत्य | 1 |
| 27 | **प्रश्न:**कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित घटनाओं को व्यवस्थित कीजिए तथा दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :<br>(i) चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना (ii) पाकिस्तान का निर्माण<br>(iii) भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना (iv) चीन की प्रथम पंचवर्षीय योजना<br>**विकल्प:**<br>(A) (i), (iv), (ii), (iii) (B) (iii), (ii), (i), (iv) (C) (ii), (i), (iii), (iv) (D) (iv), (iii), (ii), (i)<br>**उत्तर:** (C) (ii), (i), (iii), (iv) | 1 |
| 28 | **प्रश्न 29** वैध कारणों के साथ भारत और चीन के दिए गए आँकड़ों की तुलना व विश्लेषण कीजिए :<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर** (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन ने 1970 के दशक में "एक शिशु नीति" जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। | 2 |

| राष्ट्र | जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) | लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष) |
|---|---|---|
| भारत | 1.2% | 929 |
| चीन | 0.5% | 941 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर जो 1.2% है, चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% , से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है वही चीन भी 941 महिला प्रति 1000 पुरुष के साथ बहुत दूर नही है। | 1 |
| 29 | **प्रश्न:** "मानव पूँजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।"<br>क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं ? मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।<br>**उत्तर:** हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनो की उत्पादकता को ही नही बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता हैं। शिक्षा में निवेश नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता,वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यतया नई तकनीकी तथा नवोत्थान को तेजी से सीखता तथा अपनाता है। **(किसी अन्य मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय)** **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारत में ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।<br>**उत्तर :** बैंकिंग व्यवस्था के त्वरित प्रसार का ग्रामीण कृषि और गैर कृषि उत्पादन, आय और रोजगार पर सकारात्मक प्रभाव रहा है लेकिन इसके बावजूद भी ग्रामीण बैंको को निम्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है<br>★ देश में ग्रामीण साख व्यवस्था इसकी पूर्ति की अपेक्षा अपर्याप्त है तथा औपचारिक साख व्यवस्था बहुसंख्यक ग्रामीण किसानों को अपने अंतर्गत लाने में विफल रही है<br>★ ऋण की आवश्यकता वाले छोटे व सीमांत किसानों पर कम ध्यान दिया गया तथा कृषि ऋणों की वसूली न होना भी एक समस्या बनी हुई है **(किसी अन्य मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय)** | 3<br>1 ½<br>1 ½ |
| 30 | **प्रश्न: a) अंग्रेजो द्वारा भारत में किये गए किसी एक**सकारात्मक योगदान का उल्लेख कीजिये<br>**उत्तर: (a)** रेलवे का आरंभ (अथवा अन्य कोई सकारात्मक योगदान )<br>**प्रश्न:**b) स्वतन्त्रता –पूर्व भारत के व्यवस्थित वि-औद्योगीकरण के पीछे अंग्रेजों के दोहरे उद्देश्य क्या थे ?<br>**उत्तर:** (b) स्वतन्त्रता –पूर्व भारत के व्यवस्थित वि-औद्योगीकरण के पीछे अंग्रेजों के दोहरे उद्देश्य निम्न थे :<br>i) वे भारत को इंग्लैंड मे विकसित हो रहे आधुनिक उद्योगो के लिए कच्चे माल का निर्यातक बनाना चाहते थे<br>ii) वे उन उद्योगों के उत्पादन के लिए भारत को ही एक विशाल बाजार भी बनाना चाहते थे। | 1<br>1 ½<br>1 ½ |
| 31 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए :<br>(a) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता (b) पर्यावरण की धारण क्षमता (c) गरीबी रेखा (कैलोरी मानों के पदों में)<br>**उत्तर: (a) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता** - इसका अर्थ पर्यावरण की अपक्षय को सोखने की योग्यता से है।<br>(b) **पर्यावरण की धारण क्षमता-** इसका अर्थ है कि संसाधनों का निष्कर्षण इनके पुनर्जनन की दर से अधिक नहीं है और उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की समावेशन क्षमता के भीतर हैं।<br>(C ) **निर्धनता रेखा (गरीबी रेखा)** - निर्धनता रेखा न्यूनतम कैलोरी उपभोग के प्रति व्यय का निर्धारण करने की विधि है इसके अनुसार ग्रामीण व्यक्ति को प्रतिदिन औसतन 2400 कैलोरी तथा शहरी व्यक्ति को प्रतिदिन औसतन 2100 कैलोरी का न्यूनतम उपभोग मिलना चाहिए। **(किन्ही दो मान्य उत्तरों को अंकित किया जाये)** | 2+2 |
| 32 | **प्रश्न:**"भारत को प्रायः विश्व का 'बाह्य प्रापण गंतव्य' कहा जाता है।" भारत को दिए गए इस नाम के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर :** भारत को विश्व का "बाह्य प्रापण गंतव्य" कहने के मुख्य कारण हैं -<br>(1) कुशल मानव शक्ति की उपलब्धता - भारत में कुशल मानव शक्ति की बहुतायत है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विश्वास को बढ़ाता है।<br>(2) अनुकूल सरकारी नीतियां - भारतीय सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विभिन्न प्रकार के लाभ प्रद प्रस्ताव जैसे करो मे छूट, करो की निम्न दर आदि, देती है जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित होती है। **(या अन्य कोई उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** आयात प्रतिस्थापन का अर्थ लिखिए। स्पष्ट कीजिए कि आयात प्रतिस्थापन किस प्रकार घरेलू उद्योगों को संरक्षण प्रदान कर सकता है।<br>**उत्तर :** आयात प्रतिस्थापन से तात्पर्य उस नीति से है जिसमें आयात का प्रतिस्थापन घरेलू उत्पादन द्वारा किया जाता है। भारत का घरेलू उद्योग विकसित देशों द्वारा उत्पादित वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं था। अतः आयात प्रतिस्थापन की नीति ने इनकी रक्षा दो प्रकार से की :<br>(i) आयातित वस्तुओं पर प्रशुल्क लगाकर<br>(ii) कोटा - कोटे में आयातित वस्तुओं की मात्रा निर्दिष्ट की जाती है। परिणाम स्वरूप घरेलू फ़र्में, विदेशी वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा से बिना डरे अधिक विकास कर पाएँगी। | 2<br>2<br>1<br>1 ½<br>1 ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

33 प्रश्न: (a) भारत सरकार की आयुष योजना के अंतर्गत आने वाली छ :भारतीय चिकित्सा प्रणालियों (ISM) के नामों का उल्लेख कीजिये

**उत्तर:** (a) भारत सरकार की आयुष योजना के अंतर्गत आनेवाली छ : भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के नाम है :आयुर्वेद , योग , यूनानी , सिद्ध , प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथिक। ½ x 6 = 3

प्रश्न: b) भारत में कार्यबल के क्षेत्रीय वितरण में हाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए :

**रोज़गार पद्धति की प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रक), 1993 - 2012 (प्रतिशत में)**

| क्षेत्रक | 1993-94 | 1999-2000 | 2011-2012 |
|---|---|---|---|
| प्राथमिक | 64 | 60.4 | 48.9 |
| द्वितीयक | 16 | 15.8 | 24.3 |
| सेवा | 20 | 23.8 | 26.8 |

**(b)** दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। **(अन्य किसी मान्य कारण व्याख्या/तर्क/को भी अंकित किया जाये)** 3

34 **प्रश्न:(a)** “ग्रामीण भारत के लिए उज्ज्वला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है ।” ऐसे किन्हीं तीन पारंपरिक ईंधनों का उल्लेख कीजिए, जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में एल.पी.जी. सिलेंडर वितरण योजना (उज्ज्वला योजना) कार्य कर रही है ।

**उत्तर:(a)** ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर ( स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है। तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्ज्वला योजना के कारण कम हुआ है-

(i) कृषि अवशेष और सूखा गोबर । 1

(ii) जलाऊ लकड़ी । 1

(iii) कोयला । **(अन्य कोई उचित उदाहरण)** 1

प्रश्न: **(b)** "स्वयं को ठीक करने के लिए भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक की आवश्यकता है ।” मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर: **(b)** इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से धीमी रही है। दूसरे कारणों के साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रहा है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में “भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक में की आवश्यकता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)** 3

**अथवा**

**प्रश्न:** भारतीय स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के परिणामों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

**उत्तर :** स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई है । कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं-

1.परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना।

2.भूमि और अन्य परिसंपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए। 6

3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे।

4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण।

अतः यह कहा जा सकता है की निर्धनता निर्वारण कार्यक्रम बहुत अच्छे कदम थे लेकिन सही तरह से क्रियान्वित न होने के कारण प्रत्याशित परिणाम प्राप्त न हो सके। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)**



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

**HMJ/1**

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/1/3**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| क्र.सं.. | अपेक्षिक उत्तर<br>खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न:** राजस्व **घाटे का अनुमान** _____ **सूत्र से लगाया जा सकता है**<br>**उत्तर :** राजस्व व्यय –राजस्व प्राप्तियाँ | 1 |
| 2 | **प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"कीन्स के सिद्धांतानुसार एक अर्थव्यवस्था में, पूर्ण रोजगार की स्थिति कभी मौजूद नहीं हो सकती ।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 3 | **प्रश्न**: कीन्स के अर्थशास्त्र सिद्धांतों के अनुसार, औसत उपभोग प्रवृत्ति का मान _____ कभी नहीं हो सकता है।<br>(A) शून्य (B) इकाई (1) (C) एक से अधिक (D) एक से कम<br>**उत्तर:** (A) शून्य | 1 |
| 4 | **प्रश्न**:उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: "अपेक्षित अप्रचलन को मूल्यह्रास में शामिल किया जाता है ।"<br>**उत्तर :** सत्य | 1 |
| 5 | **प्रश्न:** प्रभावी माँग को परिभाषित करते हैं _____। (उचित परिभाषा द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** रोजगार तथा उत्पादन का वह स्तर जहां पर समग्र मांग तथा समग्र पूर्ति बराबर होते हैं। | 1 |
| 6 | **प्रश्न:**अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए, केन्द्रीय बैंक ---------- सकता है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ खरीद (B) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ बेच<br>(C) नक़द आरक्षित अनुपात कम कर (D) रेपो दर कम कर<br>**उत्तर** : दिए गए (A),(B),(C) अथवा(D) विकल्पों में से प्रत्येक को सही माना जाए तथा एक प्रदान कियेजाएं। | 1 |
| 7 | **प्रश्न:**उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: "सरकारी बजट मौद्रिक नीति का एक महत्त्वपूर्ण साधन है।"<br>**उत्तर:** असत्य<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** विनिवेश सरकार की एक_____ (पूँजीगत/राजस्व) प्राप्ति है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>**उत्तर :** पूंजीगत | 1<br><br>1 |
| 8 | **प्रश्न:**_____ तथा _____ मुद्रा आपूर्ति के दो घटक है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** (i) जनता के पास करेंसी (ii) वाणिज्यिक बैंकों के पास मांग जमाए | ½ + ½ |
| 9 | **प्रश्न:** चालू खाते के घाटे का अर्थ लिखिए<br>**उत्तर:** चालू खाते के घाटे से तात्पर्य है की जब दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों (चालू हस्तांतरण सहित) से होने वाली विदेशी विनिमय की प्राप्तियां, ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से कम होती है । | 1 |
| 10 | **प्रश्न:**_____विदेशी मुद्रा की माँग के सबसे महत्त्वपूर्ण स्रोतों में से एक है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** वस्तुओं तथा सेवाओं का आयात **(अथवा अन्य किसी सही स्रोत्र को अंक दिए जाएं)** | 1 |
| 11 | **प्रश्न:** "प्रत्याशित समग्र माँग और प्रत्याशित समग्र पूर्ति सदैव एक दुसरे के बराबर होते है" दिए गए कथन का मान्य तर्कों सहित समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर :** दिया गया कथन असत्य है क्योंकि प्रत्याशित समग्र मांग तथा प्रत्याशित समग्र पूर्ति केवल तब बराबर होती हैं जब अर्थव्यवस्था संतुलन में होती है अल्पकालीन रोजगार संतुलन स्तर पर जब प्रत्याशित समग्र मांग, प्रत्याशित समग्र पूर्ति से कम होती है तो इससे माल सूची में वृद्धि हो जाएगी। अतः उत्पादक रोजगार को कम करेंगे जिससे उत्पादन तथा आय में कमी आएगी और यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र मांग प्रत्याशित समग्र पूर्ति के बराबर न हो जाए।तथा इसके विपरीत भी।**(रेखाचित्र आवश्यक नहीं है) ( पूरे उत्तर को जाएं एक साथ अंक दिए जाए)** | 3 |
| 12 | **प्रश्न**: "अंतिम वस्तुओं के अंतर्गत केवल वे वस्तुएँ शामिल होती हैं, जो कि गृहस्थों द्वारा उपभोग की जाती हैं।" दिए गए कथन का मान्य कारण द्वारा समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर:** दिए गए कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि, अंतिम वस्तुएं वे वस्तुएं होती हैं जिनका या तो गृहस्थों द्वारा उपभोग किया जाता है अथवा उत्पादकों द्वारा निवेश किया जाता है। **(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें**)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** "आय का वर्तुल प्रवाह सिद्धांत इस पूर्वधारणा पर आधारित है कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया व्यय दूसरे की आय बनती है ।" दिए गए कथन का वर्णन कीजिए।<br>**उत्तर:** दो क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में ग्रहस्थ क्षेत्र और फ़र्म का अस्तित्व ही अर्थव्यवस्था को चलाता है । ग्रहस्थ क्षेत्र फ़र्म को कारक सेवाएँ प्रदान करता है तथा परिणामस्वरूप कारक आय प्राप्त करता है जबकि फ़र्म वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती है तथा इन्हे गृहस्थ क्षेत्र को बेचती है और समान आय सृजित करती है जितनी की ग्रहस्थ क्षेत्र ने अर्जित की थी। अतः आय का वर्तुल प्रवाह इस सिद्धहांत को सिद्ध करता है कि किसी एक का व्यय दूसरे कि आय होता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं हैं (अन्य किसी** मान्य व्याख्या **को भी अंक** प्रदान कियें जायें) | 3<br><br>3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 13 | **प्रश्न:**"व्यापार सुगमता सूचकांक में भारत बड़ी छलाँग लगा रहा है, इसके फलस्वरूप कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ (MNC) अपने उत्पादन आधार को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं।" उपर्युक्त कथन के आलोक में, विदेशी मुद्रा के प्रवाह और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए।<br>**उत्तर:** व्यापार सुगमता सूचकांक में भारत बड़ी छलांग लगा रहा है, जिसके फलस्वरूप बहुत से बहुराष्ट्रीय कंपनियां (MNCs) अपने उत्पादन आधार को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी विनिमय का अंतप्रवाह (Inflow) बढ़ रहा है। इसके कारण भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ रहा है। जिससे विदेशी विनिमय पूर्ति बढ़ जाएगी इसके कारण विदेशी विनिमय की दर में कमी आएगी। परिणाम स्वरूप भारतीय रुपए (₹) में मूल्य वृद्धि हो जाएगी। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से उत्पादन में वृद्धि होगी तथा इसके फलस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार अवसरों का सृजन होगा।<br>**(पूरा उत्तर एक साथ अंकित किया जाए)** | 4 |
| 14 | **प्रश्न:**एक काल्पनिक संख्यात्मक उदाहरण का प्रयोग करते हुए, वाणिज्यिक बैंक द्वारा साख निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।<br>**उत्तर:** साख गुणक उस मुद्रा की राशि को मापता है जो बैंक अपने पास प्रारंभिक जमा की प्रत्येक मौद्रिक इकाई से जमाओं के रूप में सृजित करने में समर्थ होते हैं। साख निर्माण का वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR) से विलोम संबंध होता है।<br>वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण दो बातों पर निर्भर करता है :<br>1. आरंभिक जमा की राशि<br>2. वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR)<br>माना की: आरंभिक जमा ₹ 1000 है और LRR 10% है।<br>तब बैंक अपने पास जमा का 10% (₹100) रिजर्व के रूप में रखेंगे तथा शेष राशि (₹ 900) उधार दे देंगे। उधार लेने वाले इस राशि को भुगतान के रूप में व्यय करेंगे।<br>यह माना जाता है कि ₹ 900 की पूरी राशि नई जमाओं के रूप में बैंकिंग व्यवस्था में वापस आ जाती है। अब बैंक पुनः इस राशि (₹ 900) का 10% (₹90) अपने पास रिजर्व रखेंगे तथा शेष राशि (₹810) को उधार दे देंगे। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक कुल रिजर्व आरंभिक जमा के बराबर नहीं हो जाते।<br>कुल साख निर्माण = आरंभिक जमा × $(\frac{1}{\text{LRR}})$<br>= *1000*x$(\frac{1}{10\%})$<br>= ₹ 10,000<br>₹1000 की आरंभिक जमा कुल मुद्रा पूर्ति को ₹10,000 में बढ़ा देती है। **( तालिका के रूप में व्याख्या को भी अंक दिये जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "केन्द्रीय बैंक सरकार के बैंकर का कार्य करता है।" दिए गए कथन का विस्तार से वर्णन कीजिए।<br>**उत्तर:** केंद्रीय बैंक सरकार के बैंकर के रूप में कार्य करता है। यह सरकार के खातों को बनाए रखता है उनकी प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उन्हे ऋण प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक सरकार की ओर से खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय तथा विक्रय करता है यह सरकार को नीतिगत मामलों में सलाह भी देता है। **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाएं)** | 1<br>½<br>½<br>2<br>4 |
| 15 | **प्रश्न:** (a) पूंजीगत व्यय तथा राजस्व व्यय के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये<br>**उत्तर :** (a) पूंजीगत व्यय - पूंजीगत व्यय सरकार का वह व्यय है जिससे या तो सरकार की परिसंपत्तियों का निर्माण होता है अथवा सरकार की देयताओं में कमी आती है।<br>राजस्व व्यय – राजस्व व्यय सरकार का वह व्यय है जिससे न तो सरकार की परिसंपत्तियों का निर्माण होता है और न ही सरकार की देयताओं में कमी आती है।<br>**प्रश्न: 'कर' को परिभाषित कीजिये**<br>(b) कर : सरकार द्वारा गृहस्थों तथा फ़र्मों पर लगाया गया अनिवार्य भुगतान कर कहलाता है | 1 ½<br>1 ½<br>1 |
| 16 | **प्रश्न: सुनामंकित आरेख का प्रयोग करते हुए, दर्शाइए की किस प्रकार बचत वक्र से उपभोग वक्र प्राप्त किया जा सकता है?**<br>**उत्तर:** बचत वक्र से उपभोग वक्र प्राप्त करने के पद :<br>1. मूल बिन्दु से 45 डिग्री की रेखा खींचिए। **B** बिन्दु से 45 डिग्री की रेखा को प्रतिछेद करते हुए **B'** बिंदु पर लंब खींचिए<br>2. Y अक्ष पर, OC लीजिये जो OS' के बराबर होगा , यह उपभोग वक्र का प्रारम्भिक बिन्दु होगा।<br>3. बिन्दु C तथा B का मिलान कीजिए तथा इस रेखा को आगे बढ़ाइए, इस प्रकार CBC वक्र उपभोग वक्र होगा।<br>उपयुक्त/मान्य **सुनामंकित आरेख**<br>**केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए:**<br>प्रश्न: a) यदि बचत फलन S = (-) 10 + 0.2 Y है, तो दिए गए बचत फलन से उपभोग फलन किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है?<br>उत्तर: a)हम जानते है Y=C+S | **3**<br>3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | अतः C=Y-S<br>C=Y-(-10+0.2 Y)<br>C=10+0.8 Y<br>**प्रश्न:** (b)औसत बचत प्रवृत्ति तथा सीमान्त बचत प्रवृत्ति में अंतर स्पष्ट कीजिये<br><br>**उत्तर:** (b)औसत बचत प्रवृत्ति :अर्थव्यवस्था में कुल बचत तथा कुल आय के अनुपात को औसत बचत प्रवृत्ति कहते है।<br>$APS = \frac{\text{कुल बचत}}{\text{कुल आय}} = \frac{S}{Y}$<br><br>सीमांत बचत प्रवृत्ति :अर्थव्यवस्था में बचत में परिवर्तन तथा कुल आय में परिवर्तन के अनुपात को सीमांत बचत प्रवृत्ति कहते है।<br>$MPS = \frac{\text{कुल बचत मे परिवर्तन}}{\text{कुल आय मे परिवर्तन}} = \frac{\Delta S}{\Delta Y}$ | 1<br>1<br>1<br><br>1 ½<br><br>1 ½ |
| 17 | **प्रश्न:** (a) निम्नलिखित आँकड़ों से 'स्टॉक में परिवर्तन के मूल्य की गणना कीजिए : | |

| क्र.सं. | मदें | राशि(₹ करोड़ में) |
|---|---|---|
| i. | बिक्री | 400 |
| ii | साधन लागत पर निवल मूल्य वृद्धि ($NVA_{FC}$) | 200 |
| iii | अनुदान | 10 |
| iv | स्टॉक में परिवर्तन | ? |
| v | मूल्यह्रास | 40 |
| vi | मध्यवर्ती उपभोग | 100 |

| | | |
|---|---|---|
| | **उत्तर:** स्टॉक में परिवर्तन = (ii) +(vi)+(v)-(iii)-(i)<br>= 200+100+40-10-400<br>= (-)₹70 करोड़<br><br>**प्रश्न:** (b) वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद को परिभाषित कीजिए।<br>**उत्तर:** वास्तविक घरेलू उत्पाद - एक अर्थव्यवस्था में एक वर्ष में उत्पादित किए गए वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मौद्रिक मूल्य को जब दिए गए आधार वर्ष की कीमतों पर निर्धारित किया जाता है।<br><br>**अथवा**<br><br>**प्रश्न:** (a) संपत्ति और उद्यमशीलता से आय' के तीन घटकों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** संपत्ति और उद्यमशीलता (परिचालन अधिशेष) से आय के घटक निम्न है -<br>(i) किराया/रॉयल्टी<br>(ii) ब्याज<br>(iii) लाभ<br><br>**प्रश्न:** (b) 'बाह्यताएँ क्या होती हैं ? उपयुक्त उदाहरणों सहित इसके प्रकार लिखिए।<br>उत्तर: बह्यताओं से तात्पर्य फर्म / व्यक्ति द्वारा समाज में होने वाले लाभ / हानि से है। जिसके लिए न तो उन्हें पुरस्कार दिया जाता है और न हीं कोई दंड।<br><br>(i) धनात्मक बह्यताए - सामाजिक लाभ, उदाहरण के लिए बढ़ते हुए शैक्षिक मानको से समाज में आर्थिक उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है।<br><br>(ii) ऋणात्मक बह्यताए - सामाजिक हानि,उद्योगों से निकालने वाले धुएँ से वायु प्रदूषण। | 2<br>1½<br>½<br><br>2<br><br><br><br>1<br>1<br>1<br><br>1<br><br>½ + ½<br><br>½ + ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | खण्ड ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास | |
|---|---|---|
| 18 | **प्रश्न:**कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित घटनाओं को व्यवस्थित कीजिए तथा दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :<br>(i) चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना (ii) पाकिस्तान का निर्माण<br>(iii) भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना (iv) चीन की प्रथम पंचवर्षीय योजना<br>**विकल्प:**<br>(A) (i), (iv), (ii), (iii) (B) (iii), (ii), (i), (iv) (C) (ii), (i), (iii), (iv) (D) (iv), (iii), (ii), (i)<br>**उत्तर:** (C) (ii), (i), (iii), (iv) | 1 |
| 19 | **प्रश्न:** 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' का मुख्य उद्देश्य चीन में_____ (प्राथमिक/द्वितीयक/तृतीयक) क्षेत्र में तेज़ी से वृद्धि सुनिश्चित करना था।<br>**उत्तर:** द्वितीयक | 1 |
| 20 | **प्रश्न:** भारत निम्नलिखित में से किस क्षेत्रीय/वैश्विक आर्थिक समूह का सदस्य नहीं है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) यूरोपियन संघ (B) BRICS (ब्रिक्स) (C) G-20 (D) SAARC (सार्क)<br>**उत्तर :** (A) यूरोपियन संघ<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** पाकिस्तान ने वर्ष _____ में अपने आर्थिक सुधारों की शुरुआत की थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 1974 (B) 1976 (C) 1978 (D) 1988<br>**उत्तर :**(D) 1988 | 1<br>1 |
| 21 | **प्रश्न**: बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: "स्वयं सहायता समूह अतिलघु साख संगठन के उदाहरण हैं।"<br>**उत्तर :** सत्य | 1 |
| 22 | **प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में भारत सरकार द्वारा_____नीति का अनुगमन घरेलू उद्योगों के संरक्षण के लिए किया गया था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** आयात प्रतिस्थापन (अथवा अन्य कोई प्रासंगिक पद) | 1 |
| 23 | **प्रश्न: स्वर्ण क्रांति का अर्थ लिखिए**<br>**उत्तर : स्वर्ण क्रांति:** भारत में फल ,सब्जियों तथा बागवानी के विभिन्न उत्पादों के उत्पादन में अप्रत्याशित वृद्धि को स्वर्ण क्रांति के नाम से जाना जाता है। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) | 1 |
| 24 | **प्रश्न:** _____ विश्व व्यापार संगठन (WTO) की पूर्ववर्ती संस्था थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए।)<br>(A) अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) (B) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)<br>(C) भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) (D) व्यापार और सीमा शुल्क महासंधि (GATT)<br>**उत्तर :**(D) व्यापार और सीमा शुल्क महासंधि (GATT) | 1 |
| 25 | **प्रश्न**: बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: "स्वयं सहायता समूह अतिलघु साख संगठन के उदाहरण हैं।"<br>**उत्तर :** सत्य | 1 |
| 26 | **प्रश्न**: 1991 में भारत में आर्थिक सुधारों को कार्यान्वित करने के किसी एक परिणाम का उल्लेख कीजिए।<br>**उत्तर :** निवेश में अधिक अन्तर्वाह( Inflow) **(अथवा अन्य कोई प्रासंगिक परिणाम)** | 1 |
| 27 | **प्रश्न:**जैविक खेती के किसी एक लाभ का उल्लेख कीजिए।<br>**उत्तर:** सुरक्षित व स्वास्थ्यकर भोजन **(अथवा अन्य कोई लाभ)** | 1 |
| 28 | **प्रश्न:** वैध कारणों के साथ भारत और चीन के दिए गए आँकड़ों की तुलना व विश्लेषण कीजिए :<br>राष्ट्र \| जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) \| लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)<br>भारत \| 1.2% \| 929<br>चीन \| 0.5% \| 941<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर** (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन ने 1970 के दशक में "एक शिशु नीति" जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर जो 1.2% है, चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% , से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है वही चीन भी 941 महिला प्रति 1000 पुरुष के साथ बहुत दूर नही है। | 2<br>1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 29 | **प्रश्न:** "मानव पूँजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।"<br>क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं ? मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।<br>**उत्तर :** हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनो की उत्पादकता को ही नही बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता हैं। शिक्षा में निवेश नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता,वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यतया नई तकनीकी तथा नवोत्थान को तेजी से सीखता तथा अपनाता है। **(किसी अन्य मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय) (पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** भारत में ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।<br>**उत्तर :** बैंकिंग व्यवस्था के त्वरित प्रसार का ग्रामीण कृषि और गैर कृषि उत्पादन, आय और रोजगार पर सकारात्मक प्रभाव रहा है लेकिन इसके बावजूद भी ग्रामीण बैंको को निम्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है<br>★ देश में ग्रामीण साख व्यवस्था इसकी पूर्ति की अपेक्षा अपर्याप्त है तथा औपचारिक साख व्यवस्था बहुसंख्यक ग्रामीण किसानों को अपने अंतर्गत लाने में विफल रही है<br>★ ऋण की आवश्यकता वाले छोटे व सीमांत किसानों पर कम ध्यान दिया गया तथा कृषि ऋणों की वसूली न होना भी एक समस्या बनी हुई है **(किसी अन्य मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय)** | 3<br>1 ½<br>1 ½ |
| 30 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए :<br>(a) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता (b) पर्यावरण की धारण क्षमता (c) गरीबी रेखा (कैलोरी मानों के पदों में)<br>**उत्तर: (a) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता** - इसका अर्थ पर्यावरण की अपक्षय को सोखने की योग्यता से है।<br>(b) **पर्यावरण की धारण क्षमता-** इसका अर्थ है कि संसाधनों का निष्कर्षण इनके पुनर्जनन की दर से अधिक नहीं है और उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की समावेशन क्षमता के भीतर हैं।<br>(C ) **निर्धनता रेखा (गरीबी रेखा)** - निर्धनता रेखा न्यूनतम कैलोरी उपभोग के प्रति व्यय का निर्धारण करने की विधि है इसके अनुसार ग्रामीण व्यक्ति को प्रतिदिन औसतन 2400 कैलोरी तथा शहरी व्यक्ति को प्रतिदिन औसतन 2100 कैलोरी का न्यूनतम उपभोग मिलना चाहिए। (किन्ही दो मान्य उत्तरों को अंकित किया जाये) | 2+2 |
| 31 | **प्रश्न:** "भारत को प्रायः विश्व का 'बाह्य प्रापण गंतव्य' कहा जाता है।" भारत को दिए गए इस नाम के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर :** भारत को विश्व का "बाह्य प्रापण गंतव्य" कहने के मुख्य कारण हैं -<br>(1) कुशल मानव शक्ति की उपलब्धता - भारत में कुशल मानव शक्ति की बहुतायत है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विश्वास को बढ़ाता है।<br>(2) अनुकूल सरकारी नीतियां - भारतीय सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विभिन्न प्रकार के लाभ प्रद प्रस्ताव जैसे करो मे छूट, करो की निम्न दर आदि, देती है जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित होती है। **(या अन्य कोई उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** आयात प्रतिस्थापन का अर्थ लिखिए। स्पष्ट कीजिए कि आयात प्रतिस्थापन किस प्रकार घरेलू उद्योगों को संरक्षण प्रदान कर सकता है।<br>**उत्तर :** आयात प्रतिस्थापन से तात्पर्य उस नीति से है जिसमें आयात का प्रतिस्थापन घरेलू उत्पादन द्वारा किया जाता है। भारत का घरेलू उद्योग विकसित देशों द्वारा उत्पादित वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं था। अतः आयात प्रतिस्थापन की नीति ने इनकी रक्षा दो प्रकार से की:<br>(i) आयातित वस्तुओं पर प्रशुल्क लगाकर<br>(ii) कोटा - कोटे में आयातित वस्तुओं की मात्रा निर्दिष्ट की जाती है। परिणाम स्वरूप घरेलू फ़र्में, विदेशी वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा से बिना डरे अधिक विकास कर पाएँगी। | 2<br>2<br>1<br>1 ½<br>1 ½ |
| 32 | **प्रश्न:** औपनिवेशिक काल में भारत की राष्ट्रीय आय का आंकलन करने वाले किसी एक प्रमुख अर्थशास्त्री के नाम का उल्लेख कीजिये<br>**उत्तर :** (a) डॉ. वी .के .आर .वी .राव (अथवा अन्य सही नाम )<br>**प्रश्न:** (b) औपनिवेशिक काल में भारतीय कृषि की गतिहीनता के किन्ही दो कारणों की चर्चा कीजिये<br>(b) औपनिवेशिक काल में भारतीय कृषि की गतिहीनता के दो प्रमुख कारण निम्न थे :<br>(i) औपनिवेशिक शासन द्वारा लागू की गई भू –व्यवस्था मुख्यतः जमीदारी प्रथा<br>(ii) सिंचाई सुविधाओं का अभाव (प्रासंगिक व्याख्या सहित ) | 1<br>1 ½<br>1 ½ |
| 33 | प्रश्न: (a) भारत सरकार की आयुष योजना के अंतर्गत आने वाली छ :भारतीय चिकित्सा प्रणालियों (ISM) के नामों का उल्लेख कीजिये<br>**उत्तर:** (a) भारत सरकार की आयुष योजना के अंतर्गत आनेवाली छ : भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के नाम है :आयुर्वेद , योग , यूनानी , सिद्ध , प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथिक। | ½ x 6 = 3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न: b) भारत में कार्यबल के क्षेत्रीय वितरण में हाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए :

**रोज़गार पद्धति की प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रक), 1993 - 2012 (प्रतिशत में)**

| क्षेत्रक | 1993-94 | 1999-2000 | 2011-2012 |
|---|---|---|---|
| प्राथमिक | 64 | 60.4 | 48.9 |
| द्वितीयक | 16 | 15.8 | 24.3 |
| सेवा | 20 | 23.8 | 26.8 |

**(b)** दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। **(अन्य** किसी **मान्य कारण व्याख्या/तर्क/**को भी अंकित किया जाये**)** — 3

34

**प्रश्न: a)** रोग वैश्विक भार (GBD) का क्या तात्पर्य है?

**उत्तर:** (a) रोग वैश्विक भार (GBD) एक सूचक है जिसका प्रयोग विशेषज्ञ किसी विशेष रोग के कारण असमय मरने वाले लोगों की संख्या के साथ –साथ रोगों के कारण असमर्थता में बिताए सालों की संख्या जानने के लिए करते है। — 2

**प्रश्न:**(b) किन्ही दो समस्याओं की चर्चा कीजिये जिनका सामना भारतीय विद्युत् क्षेत्र द्वारा किया जा रहा है।

**उत्तर:** (b) भारत में बिजली (शक्ति) क्षेत्र को निम्नलिखित प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है-

(i) भारत की बिजली उत्पादन क्षमता पर्याप्त नहीं है यहाँ तक कि स्थापित क्षमता का भी अल्प उपयोग होता है क्योंकि बिजली घर उचित तरीके से नहीं चल रहे। — 2

(ii) राज्य विद्युत बोर्ड जो विद्युत वितरण करते हैं हानि में हैं इसका कारण संप्रेषण और वितरण का नुकसान तथा बिजली की अनुचित कीमतें हैं। — 2

**(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये**)**

अथवा

**प्रश्न: भारतीय स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किये गए गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के परिणामों का आलोचनात्मक परिक्षण कीजिये**

**उत्तर :** स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई है। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं- — 6

1.परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना।

2.भूमि और अन्य परिसंपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए।

3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे।

4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण।

अतः यह कहा जा सकता है की निर्धनता निर्वारण कार्यक्रम बहुत अच्छे कदम थे लेकिन सही तरह से क्रियान्वित न होने के कारण प्रत्याशित परिणाम प्राप्त न हो सके।



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

HMJ/1

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/2/1**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| क्र.सं. | आपेक्षिक उत्तर<br>**खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र** | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न**: यदि किसी अर्थव्यवस्था की सम्पूर्ण अतिरिक्त आय का उपभोग किया जाता है, तो निवेश गुणक का मूल्य ____होगा।<br>(सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) शून्य (0) (B) अपरिभाषित (∞) (C) एक (1) (D) दस (10)<br>**उत्तर**: अपरिभाषित (∞) | **1** |
| 2 | **प्रश्न**: एक गृहस्थ द्वारा क्रय की गई कार एक_____है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) एकल उपयोग पूँजीगत वस्तु (B) एकल उपयोग उपभोक्ता वस्तु (C) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु (D) अर्ध-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु<br>**उत्तर :** (C) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु<br>**अथवा**<br>**प्रश्न**:निम्नलिखित में से कौन-सा सूत्र सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अवस्फीतिक को दर्शाता है ? (सही विकल्प का चयन किजिए)<br>(A) मौद्रिक GNP/वास्तविक GNP x 100 (B) वास्तविक GNP /मौद्रिक GNP x 100<br>(C ) वास्तविक GNP/मुद्रास्फीति की दर में परिवर्तन x 100 (D) मुद्रास्फीति की दर में परिवर्तन/वास्तविक GNPx100<br>**उत्तर** :(A) मौद्रिक GNP / वास्तविक GNP ×100 | 1<br>1 |
| 3 | **प्रश्न:** एक बंद अर्थव्यवस्था में समग्र माँग के दो घटकों के नाम लिखिए ।<br>**उत्तर:** (i) उपभोग व्यय (C) (ii) निवेश व्यय (I) | ½ + ½ |
| 4 | **प्रश्न:**_____भारत सरकार का एजेंट (प्रतिनिधि) तथा सलाहकार होता है । (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** भारतीय रिजर्व बैंक | 1 |
| 5 | **प्रश्न**: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"मुद्रास्फीति को कम करने के लिए, केन्द्रीय बैंक को नक़द आरक्षित अनुपात (CRR) को कम करना चाहिए।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 6 | **प्रश्न**:. रक्षा मदों पर होने वाला सरकारी व्यय, सरकारी बजट का _____ व्यय का एक प्रकार है।(सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** राजस्व / पूंजीगत (**दोनों उत्तर सही हैं, अतःदोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिए जायें** | 1 |
| 7 | **प्रश्न**: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"प्रबंधित तिरती विनिमय दर प्रणाली में सरकार प्रत्यक्ष रूप से विनिमय दर को नियंत्रित करती है।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 8 | **प्रश्न**: 'विदेशों से प्राप्त दान' भुगतान संतुलन खाते के_____(जमा/नामे) पक्ष में दर्ज किया जाएगा। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** जमा | 1 |
| 9 | **प्रश्न:** गैर-कर आगम (राजस्व) प्राप्तियों के कोई दो उदाहरण दीजिए।<br>**उत्तर**: फीस, जुर्माना (**अन्य किसी** मान्य **उदाहरण को भी अंक** प्रदान कियें जायें) | ½ + ½ |
| 10 | **प्रश्न:**मान लीजिए कि एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में, आय की राशि 500 करोड़ से बढ़ कर ₹ 600 करोड़ हो जाती है । परिणामतः, उपभोग व्यय ₹ 400 करोड़ से बढ़ कर ₹ 500 करोड़ हो जाता है । इस परिस्थिति में सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मान होगा।<br>(A) 0.8 (B) 0.4 (C) 1.0 (D) 06<br>उत्तर : (C) 1.0 | 1 |
| 11 | **प्रश्न:** "सकल घरेलू उत्पाद (GDP) किसी देश की अर्थव्यवस्था के आर्थिक कल्याण का सर्वोत्तम सूचक नहीं है ।" दिए गए कथन का मान्य कारणों सहित समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर :** दिए गए कथन का निम्नलिखित आधार पर समर्थन किया जा सकता है क्योंकि जीडीपी में निम्न को शामिल नहीं किया जा सकता<br>(i) गैर मौद्रिक विनिमय जैसे गृहिणी की सेवाएं<br>(ii) बाह्यताएँ - फर्म अथवा मानव गतिविधियों के फलस्वरूप होने वाला लाभ अथवा हानि।<br>(iii) आय का वितरण (मान्य व्याख्या सहित)<br>**(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें**)** | 1<br>1<br>1 |
| 12 | **प्रश्न:** यदि समग्र आपूर्ति (AS) की तुलना में समग्र माँग (AD) अधिक हो, तो उस परिस्थिति में समायोजन तंत्र की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए ।<br>**उत्तर :** यदि प्रत्याशित समग्र मांग (AD), प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है तो इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः उत्पादकों के पास उपलब्ध स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), प्रत्याशित समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | 3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **अथवा**<br>**प्रश्न** यदि एक अर्थव्यवस्था में : प्रारंभिक निवेश में परिवर्तन (ΔI) = ₹1,000 करोड़ तथा सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = 0.2<br>निम्नलिखित के मूल्य ज्ञात कीजिए : (a) निवेश गुणक (K) (b) अंतिम आय में परिवर्तन (ΔY)<br>उत्तर: **(a)** निवेश गुणक (K) = $\frac{1}{MPS}$<br>K= $\frac{1}{0.2}$<br>K = 5 .....*(i)*<br>(b) निवेश गुणक (K) = $\frac{\Delta Y}{\Delta I}$<br>K= 5 का (i) से मान रखने पर<br>5 = $\frac{\Delta Y}{1000}$<br>**Δ** Y = ₹ 5000 करोड़ | ½<br>½<br>½<br><br>½<br>½<br>½ |
| **13** | प्रश्न: बैंकिंग प्रणाली की साख निर्माण क्षमता का निर्धारण करने में साख गुणक की क्या भूमिका है ? संख्यात्मक उदाहरण द्वारा समझाइए ।<br>**उत्तर :** साख गुणक उस मुद्रा की उस राशि को मापता है, जो बैंक अपने पास रखे हुए प्रारंभिक जमा की प्रत्येक मौद्रिक इकाई से जमाओ के रूप में सृजित करने में समर्थ होते हैं।<br>बैंकिंग प्रणाली द्वारा किया गया साख सृजन, साख गुणक पर निर्भर करता है। साख गुणक का वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR) के साथ विपरीत संबंध होता है। साख गुणक का मूल्य अधिक होता है तो साख सृजन भी अधिक होता है, विलोम सत्य।<br>उदाहरण के किये, मान लीजिये: LRR= 0.5 और प्रारंभिक जमा = ₹1000<br>साख गुणक = $\frac{1}{LRR} = \frac{1}{0.5}$ =2<br>कुल साख सृजन = साख गुणक x प्रारंभिक जमा = 2×1000 = ₹2000<br><br>अब, मान लीजिये: यदि LRR=0.2 और प्रारंभिक जमा =₹1000<br>साख गुणक = $\frac{1}{LRR} = \frac{1}{0.2}$ = 5<br>कुल साख सृजन = = साख गुणक x प्रारंभिक जमा = 5×1000 = ₹5000<br>अतः प्रारंभिक जमा के लिए स्थिर रहने से भी साख गुणक के मान को बढ़ाने से साख सृजन बढ़ता है। **(अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न**: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा, साख नियंत्रण में रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले किन्हीं दो साधनों की विस्तार से विवेचना कीजिए ।<br>**उत्तर :** साख नियंत्रण के दो उपकरण निम्न है-<br>i. **रेपो दर** - यह वह ब्याज की दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालीन ऋण प्रदान करता है। रेपो दर के बढ़ने से वाणिज्यिक बैंक अपने ऋण की दर को बढ़ाने के लिए मजबूर होते हैं। जिससे सामान्य जनता के लिए ऋण लेना महंगा हो जाता है, विलोम सत्य।<br>ii. **खुले बाजार की क्रियाएं** - इससे अभिप्राय, केंद्रीय बैंक द्वारा सरकार की प्रतिभूतियों के खुले बाजार में क्रय तथा विक्रय से है। जब केंद्रीय बैंक सरकारी प्रतिभूतियों को बेचता है तो इससे वाणिज्यिक बैंकों की साख क्षमता कम होती है। तथा बैंक की साख सृजन शक्ति को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है, विलोम सत्य। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) | ½<br>1 ½<br>2<br>2<br>2 |
| **14** | **प्रश्न:** "पिछले एक माह में अमेरिकी डॉलर (US $) में 0.75 पैसे प्रति डॉलर (p/$) की उछाल दर्ज हुई है; यह परिस्थिति अलग-अलग प्रकार के व्यापारियों (निर्यातकों तथा आयातकों) के लिए मुस्कुराहट या उदासी ला सकती है ।" दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर:** दी गई परिस्थिति घरेलू मुद्रा(₹) में विदेशी मुद्रा($) की अपेक्षा मूल्यह्रास दर्शाती है। इसका अर्थ है कि अब विदेशी मुद्रा($) की एक इकाई खरीदने के लिए घरेलू मुद्रा(₹) की अधिक इकाइयां देनी पड़ेगी।<br>इससे आयातकों के लिए उदासी हो सकती है क्योंकि उन्हें अब अपने आयात के लिए अधिक धनराशि देनी पड़ेगी।<br>इसके विपरीत, इससे निर्यातकों के लिए मुस्कुराहट आ सकती है क्योंकि उन्हें अब अपने निर्यात के लिए अधिक धनराशि की प्राप्ति होगी। | **1**<br>**1 ½**<br>**1 ½** |
| **15** | **प्रश्न:** "एक देश के सरकारी बजट में राजस्व घाटे के अस्तित्व के बिना राजकोषीय घाटा नहीं हो सकता ।" दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए ।<br>**उत्तर:** दिए गए कथन का खंडन किया जा सकता है क्योंकि राजस्व घाटे के अस्तित्व के बिना भी राजकोषीय घाटा हो सकता है यदि,<br>(i) संतुलित राजस्व बजट(RE=RR) की स्थिति में पूंजीगत बजट घाटे (CE>CR) में हो।<br>(ii) पूंजीगत बजट में घाटा(CE>CR), बचत के राजस्व बजट(RR<RE) से अधिक हो। | 2<br>2 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**16** **प्रश्न**:(a) "एक दो-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में आय का वर्तुल प्रवाह इस स्वयंसिद्ध (axiom) पर आधारित है कि किसी एक का व्यय दूसरे की आय होती है।" मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।

**उत्तर:** (a) दो क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में ग्रहस्थ क्षेत्र और फ़र्म का अस्तित्व ही अर्थव्यवस्था को चलाता है। ग्रहस्थ क्षेत्र फ़र्म को कारक सेवाएँ प्रदान करता है तथा परिणामस्वरूप कारक आय प्राप्त करता है जबकि फ़र्म वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती है तथा इन्हे गृहस्थ क्षेत्र को बेचती है और समान आय सृजित करती है जितनी की ग्रहस्थ क्षेत्र ने अर्जित की थी। अतः आय का वर्तुल प्रवाह इस सिद्धहांत को सिद्ध करता है कि किसी एक का व्यय दूसरे कि आय होता है **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** — 4

**(अन्य किसी मान्य व्याख्या को भी अंक प्रदान किये जायें)** **(चित्र की आवश्यकता नहीं हैं)**

**प्रश्न**: (b) उत्पादन के मूल्य' तथा 'मूल्य वृद्धि' में अंतर स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर:** (b) उत्पादन का मूल्य सभी वस्तुओं और सेवाओं का अनुमानित मौद्रिक मूल्य होता है जिसमें स्टॉक में परिवर्तन तथा स्वयं उपभोग के लिए किया गया उत्पादन भी शामिल होता है। **जबकि;** — 1

मूल्य वृद्धि का अर्थ उत्पादन के मूल्य और मध्यवर्ती उपभोग के मूल्य के बीच अंतर से है — 1

**अथवा**

**प्रश्न**: एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित आँकड़ों के उपयोग से, दिए गए वर्षों के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना व तुलना कीजिए :

| वर्ष | 2015-16 | 2016-17 |
|---|---|---|
| मौद्रिक GDP दर | 8.4% | 9% |
| GDP अवस्फीतिक | 140 | 125 |

**उत्तर - GDP अवस्फीतिक** = $\frac{\text{मौद्रिक } GDP}{\text{वास्तविक } GDP} \times 100$ — 2

| वर्ष | 2014-15 | 2015-16 | 2016-17 |
|---|---|---|---|
| मौद्रिक GDP | 10,000 (माना ) | 10,840 | 11,815 |
| वास्तविक GDP = | 10,000 (माना ) | 7, 742 (लगभग ) | 9, 452 (लगभग ) |

**(शिक्षार्थी द्वारा दिए गए किसी अन्य उत्तर को भी अंक किया जाय)** — 4

**17** **प्रश्न:** दिए गए चित्र में, "KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।

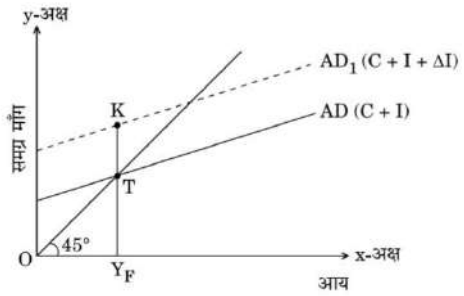


**उत्तर** "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है। — 1

स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -

**i. करों में वृद्धि** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। — 2 ½

**ii. सरकारी व्यय में कमी** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। — 2 ½

**दृष्टि*बाधित छात्रों*के लिए:**

**प्रश्न:** अपस्फीतिक अंतराल से क्या तात्पर्य है ? अपस्फीतिक अंतराल की स्थिति को ठीक करने के किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए। — 1

**उत्तर:** अपस्फीतिक अंतराल ऐसी स्थिति है जिसमें समग्र मांग पूर्ण रोजगार संतुलन पर आवश्यक समग्र पूर्ति से कम होती है — 2 ½

अपस्फीतिक अंतराल को नियंत्रित करने के दो राजकोषीय उपाय निम्न है।

(i) करों **में** कमी

(ii) **सरकारी व्यय में वृद्धि** (कोई अन्य मान्य उपाय – उचित व्याख्या सहित) — 2 ½



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

<table>
<tr><td></td><td>खण्ड ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास</td><td></td></tr>
<tr><td>18</td><td>प्रश्न: वर्ष____ में भारत सरकार ने 6 से 14 वर्ष के बीच सभी बच्चों के लिए शिक्षा नि:शुल्क तथा अनिवार्य कर दी थी।<br>(सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 2001 (B) 2009 (C) 2003 (D) 2007<br>उत्तर: (B) 2009<br>अथवा<br>प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा संगठन भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र को नियंत्रित करता है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) ICMR (B) UGC (C ) AICTE (D) RBI<br>उत्तर : (A) ICMR</td><td>1<br>1</td></tr>
<tr><td>19</td><td>प्रश्न:उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य :<br>"भूमि सीमा निर्धारण का अर्थ है किसी व्यक्ति के लिए भूमि-धारण की न्यूनतम सीमा निर्धारित करना है।"<br>उत्तर : असत्य</td><td>1</td></tr>
<tr><td>20</td><td>प्रश्न: कॉलम I में दी गई संस्थाओं के कार्य के साथ मिलान करके कॉलम II में दिए गए विकल्पों के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए :
<table>
<tr><th>कॉलम I</th><th>कॉलम II</th></tr>
<tr><td>a. विश्व व्यापार संगठन (WTO)</td><td>(i) भुगतान संतुलन की समस्या को हल करने के लिए अल्पकालीन ऋण प्रदान करता है.</td></tr>
<tr><td>b. भारतीय रिज़र्व बैंक(RBI)</td><td>(ii) एक बहुपक्षीय व्यापार वार्ता निकाय है।</td></tr>
<tr><td>c. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)</td><td>(iii) पुनर्निर्माण और विकास के लिए ऋण देने की सुविधा प्रदान करता है</td></tr>
<tr><td>d. अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD)</td><td>(iv) भारत का केन्द्रीय बैंक है।</td></tr>
</table>
(A) a-(ii),b-(i),c-(iii),d-(iv) (B) a-(ii),b-(iv),c-(iii),d-(i)<br>(C) a-(ii),b-(iii),c-(iv),d-(i) (D) a-(ii),b-(iv),c-(i),d-(iii)<br>उत्तर - (D) a-(ii),b-(iv),c-(i),d-(iii)</td><td>1</td></tr>
<tr><td>21</td><td>प्रश्न 21. माओ ने 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' की शुरुआत वर्ष ______में की थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 1951 (B) 1955 (C) 1958 (D) 1962<br>उत्तर : (C) 1958</td><td>1</td></tr>
<tr><td>22</td><td>प्रश्न : भारत में ग्रामीण वित्तपोषण के लिए शीर्ष संस्था का नाम लिखिए।<br>उत्तर: नाबार्ड/ NABARD</td><td>1</td></tr>
<tr><td>23</td><td>प्रश्न: भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में ____ नीति का अनुगमन घरेलू उद्योगों के संरक्षण के लिए किया गया था।<br>उत्तर : आयात प्रतिस्थापन/ अंतर्मुखी व्यापार</td><td>1</td></tr>
<tr><td>24</td><td>प्रश्न: _______ऊर्जा के व्यावसायिक स्रोत का एक उदाहरण है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) जलाऊ लकड़ी (B) कोयला (C) कृषि का कूड़ा-कचरा (D) सूखी गोबर के उपले<br>उत्तर:(B) कोयला</td><td>1</td></tr>
<tr><td>25</td><td>प्रश्न: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य<br>"पाकिस्तान की तुलना में, भारत में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का अनुपात अधिक है।"<br>उत्तर : सत्य</td><td>1</td></tr>
<tr><td>26</td><td>प्रश्न: किसी एक महारत्न कम्पनी का नाम लिखिए।<br>उत्तर: इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड अथवा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण)</td><td>1</td></tr>
<tr><td>27</td><td>प्रश्न:निम्नलिखित में से कौन-सा जैविक खेती का एक लाभ नही है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) सस्ते आगत (B) निवेश पर आकर्षक प्रतिफल (C) आयात की अधिक संभावनाएँ (D) उच्च पोषण मान<br>उत्तर: (C) आयात की अधिक संभावनाएँ</td><td>1</td></tr>
</table>



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 28 | **प्रश्न:** "भारत में बिजली (शक्ति) क्षेत्र को कई प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।" दिए गए कथन की मान्य तर्कों सहित चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर :** भारत में बिजली (शक्ति) क्षेत्र को निम्नलिखित प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है:<br>(i) भारत की बिजली उत्पादन क्षमता पर्याप्त नहीं है। यहाँ तक कि स्थापित क्षमता का भी अल्प उपयोग होता है क्योंकि बिजली घर उचित तरीके से नहीं चल रहे हैं।<br>(ii) राज्य विद्युत बोर्ड जो विद्युत वितरण करते हैं हानि में हैं इसका कारण संप्रेषण और वितरण का नुकसान तथा बिजली की अनुचित कीमतें हैं **(अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "1964 - 66 के शिक्षा आयोग की सिफारिशों को लागू करने में भारत असफल रहा है।" दिए गए कथन के समर्थन में मान्य तर्क प्रस्तुत कीजिए।<br>**उत्तर:** विगत वर्षों से भारत शैक्षिक मापदंडों को ऐच्छिक स्तर तक ले जाने में सफल नहीं हुआ। शिक्षा आयोग (1964- 66) ने सिफारिश की थी कि शैक्षिक उपलब्धियों की संवृद्धि दर में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 6% शिक्षा पर खर्च किया जाना चाहिए किन्तु शिक्षा पर वर्तमान व्यय अपर्याप्त है अतः सरकार को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने चाहिए। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 1 ½<br>1 ½<br>3 |
| 29 | **प्रश्न**: "भारत सरकार ने हाल ही में बढ़ती हुई हानियों के कारण MTNL तथा BSNL के विलय की घोषणा की है।" भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर:** भारत सरकार ने हानियों के कारण एमटीएनएल तथा बीएसएनल का विलय निम्न उद्देश्यों के लिए किया-<br>(i) आर्थिक तथा कार्यात्मक (व्यावहारिक) कार्यकुशलता की प्राप्ति।<br>(ii) संभव हानियों में कमी। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 3 |
| 30 | **प्रश्न** 30. संक्षेप में चर्चा कीजिए कि, किस प्रकार संस्थागत सुधारों (भूमि सुधारों) ने भारतीय कृषि को बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार ने भारतीय कृषि में सुधार के लिए विभिन्न संस्थागत/ भूमि सुधारों को लागू किया जैसे -<br>(i) भूमि की अधिकतम सीमा - इस सुधार कार्यक्रम ने कुछ हाथों में भूमि के स्वामित्व के केन्द्रीयकरण को कम करना सुनिश्चित किया।<br>(ii) जमीदारी व्यवस्था का उन्मूलन - यह किसानों का शोषण को खत्म करने और कृषि उपज के प्रोत्साहन पर केंद्रित था।<br>इन सुधारो ने कृषि को एक आजीविका के रूप में स्थिरता प्रदान की और समानता का बढ़ावा दिया।<br>**(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये)<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "विदेशी मुद्रा भंडार की बचत व आत्म-निर्भरता के दोहरे उद्देश्यों के साथ भारत में आयात प्रतिबंध लगाए गए थे।" मान्य तर्कों सहित दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर :** यह कथन सही है क्योंकि इस नीति का उद्देश्य था -<br>(i) आयात को घरेलू उत्पाद द्वारा प्रतिस्थापन करना क्योकि इससे घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण मिला।<br>(ii) आयात की मात्रा पर प्रतिबंध से दुर्लभ विदेशी विनिमय की बचत हुई।<br>इस प्रकार स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इन दोहरे उद्देश्यों की सहायता से भारत आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर अग्रसर हुआ<br>**(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) | 2<br>2<br>2<br>2<br>2 |
| 31 | **प्रश्न:** स्वतंत्रता की पूर्व-संध्या पर भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो मुख्य विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए।<br>**उत्तर** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्न हैं-<br>(i) **कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व-** कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था।<br>(ii) **क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि-** विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण कुछ निश्चित क्षेत्रों जैसे मद्रास,बम्बई और बंगाल आदि सूबों में कृषि क्षेत्र पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई। **(या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता)** | 2<br>2 |
| 32 | **प्रश्न** . मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर:** (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन ने 1970 के दशक में "एक शिशु नीति" जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर जो 1.2% है, चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% , से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है वही चीन भी 941 महिला प्रति 1000 पुरुष के साथ बहुत दूर नही है। | 2<br>2 |

| राष्ट्र | जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) | लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष) |
|---|---|---|
| भारत | 1.2% | 929 |
| चीन | 0.5% | 941 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| **33** | 33. निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए :<br>(A) पर्यावरण की धारण क्षमता<br>(B) जैविक कंपोस्ट खाद<br>(C) धारणीय विकास<br>(D) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता<br>**उत्तर:**<br>(A) **पर्यावरण की धारण क्षमता** - इसका अर्थ है कि संसाधनों का निष्कर्षण, इनके पुनर्जनन की दर से अधिक नहीं है और उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की समावेशन क्षमता के भीतर हैं<br>(B) **जैविक कंपोस्ट खाद** - एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें विभिन्न प्रकार के जैव अपशिष्टों को मूल्यवान प्राकृतिक खाद में परिवर्तित किया जाता है।<br>(C) **धारणीय विकास** - ऐसा विकास जो वर्तमान पीढी की आवश्यकताओं को भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति क्षमता से समझौता किए बिना, पूरा करें।<br>(D) **पर्यावरण की अवशोषण क्षमता** - पर्यावरणीय क्षति पहुँचाये बिना, पर्यावरण की अपक्षय को सोखने की योग्यता से है।<br>**(या अन्य कोई उचित परिभाषा)** | 1 ½<br>1 ½<br>1 ½<br>1 ½ |
| **34** | **प्रश्न**: (a) भारत में श्रमबल के अनौपचारीकरण पर टिप्पणी कीजिए।<br>(b) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात की परिभाषा लिखिए।<br>**उत्तर** :(a) विगत वर्षों में भारत के अनौपचारिक अथवा असंगठित क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से बढा है।देश में लगभग पूरा कृषि क्षेत्र तथा उद्योग और सेवा क्षेत्र का एक बहुत बड़ा भाग अनौपचारिक क्षेत्र में आता है। इस क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक सामान्यता नियमित वेतन तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभो से वंचित रहते हैं। श्रमबल का अनौपचारिकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कार्यबल औपचारिक क्षेत्र से अनौपचारिक क्षेत्र की ओर स्थानांतरित होता है।<br>**प्रश्न**: (b) श्रमिक जनसंख्या अनुपात का आशय कुल श्रमिकों की संख्या तथा कुल जनसंख्या के अनुपात से है सामान्यतया इसे प्रतिशत में दर्शाया जाता है।<br>श्रमिक-जनसंख्या = $\frac{\text{कुल श्रमिकों की संख्या}}{\text{कुल जनसंख्या}}$ x 100<br>**अथवा**<br>**प्रश्न :** भारत में स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।<br>**उत्तर :** स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई है। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं-<br>1.परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना।<br>2.भूमि और अन्य परिसंपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए।<br>3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे।<br>4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण।<br>अतः यह कहा जा सकता है की निर्धनता निर्वारण कार्यक्रम बहुत अच्छे कदम थे लेकिन सही तरह से क्रियान्वित न होने के कारण प्रत्याशित परिणाम प्राप्त न हो सके। | 4<br>2<br>6 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

HMJ/1

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/2/2**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| क्र.सं. | आपेक्षिक उत्तर<br>**खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र** | क्र.सं. |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न:**_____भारत सरकार का एजेंट (प्रतिनिधि) तथा सलाहकार होता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** भारतीय रिजर्व बैंक | 1 |
| 2 | **प्रश्न**: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"मुद्रास्फीति को कम करने के लिए, केन्द्रीय बैंक को नक़द आरक्षित अनुपात (CRR) को कम करना चाहिए।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 3 | **प्रश्न: समग्र मांग की परिभाषा लिखिए**<br>**उत्तर:** एक अर्थव्यवस्था में एक लेखा वर्ष में अंतिम वस्तुओं और सेवाओं पर नियोजित व्यय , समग्र माँग कहलाता है। | **1** |
| 4 | **प्रश्न**:. रक्षा मदों पर होने वाला सरकारी व्यय, सरकारी बजट का _____ व्यय का एक प्रकार है।(सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** राजस्व / पूंजीगत **(दोनों उत्तर सही हैं, अतः दोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिए जायें** | 1 |
| 5 | **प्रश्न**: एक गृहस्थ द्वारा क्रय की गई कार एक_____है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) एकल उपयोग पूँजीगत वस्तु (B) एकल उपयोग उपभोक्ता वस्तु (C) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु (D) अर्ध-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु<br>**उत्तर :** (C) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु<br>**अथवा**<br>**प्रश्न**:निम्नलिखित में से कौन-सा सूत्र सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अवस्फीतिक को दर्शाता है ? (सही विकल्प का चयन किजिए)<br>(A) मौद्रिक GNP/वास्तविक GNP x 100 (B) वास्तविक GNP /मौद्रिक GNP x 100<br>(C ) वास्तविक GNP/मुद्रास्फीति की दर में परिवर्तन x 100 (D) मुद्रास्फीति की दर में परिवर्तन/वास्तविक GNPx100<br>**उत्तर** :(A) मौद्रिक GNP / वास्तविक GNP ×100 | 1<br>1 |
| 6 | **प्रश्न: यदि सरकार किसी स्थान पर एक नया विश्वविद्यालय स्थापित करती है, तो उस पर किया जाने वाला व्यय बजट का _____व्यय का एक प्रकार है** (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर** पूँजीगत | 1 |
| 7 | **प्रश्न**: यदि किसी अर्थव्यवस्था की सम्पूर्ण अतिरिक्त आय का उपभोग किया जाता है, तो निवेश गुणक का मूल्य ____होगा।<br>(सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) शून्य (0) (B) अपरिभाषित (∞) (C) एक (1) (D) दस (10)<br>**उत्तर**: अपरिभाषित (∞) | **1** |
| 8 | **प्रश्न:**मान लीजिए कि एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में, आय की राशि 500 करोड़ से बढ़ कर ₹ 600 करोड़ हो जाती है। परिणामतः, उपभोग व्यय ₹ 400 करोड़ से बढ़ कर ₹ 500 करोड़ हो जाता है। इस परिस्थिति में सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मान होगा।<br>(A) 0.8 (B) 0.4 (C) 1.0 (D) 06<br>उत्तर : (C) 1.0 | 1 |
| 9 | **प्रश्न**: 'विदेशों से प्राप्त दान' भुगतान संतुलन खाते के_____(जमा/नामे) पक्ष में दर्ज किया जाएगा। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** जमा | 1 |
| 10 | **प्रश्न:** गैर-कर आगम (राजस्व) प्राप्तियों के कोई दो उदाहरण दीजिए।<br>**उत्तर**: फीस, जुर्माना **(अन्य किसी** मान्य **उदाहरण को भी अंक** प्रदान किये जायें) | ½ + ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| **11** | **प्रश्न:** "सकल घरेलू उत्पाद (GDP) किसी देश की अर्थव्यवस्था के आर्थिक कल्याण का सर्वोत्तम सूचक नहीं है ।" दिए गए कथन का मान्य कारणों सहित समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर :** दिए गए कथन का निम्नलिखित आधार पर समर्थन किया जा सकता है क्योंकि जीडीपी में निम्न को शामिल नहीं किया जा सकता<br>(i) गैर मौद्रिक विनिमय जैसे गृहिणी की सेवाएं<br>(ii) बाह्यताएँ - फर्म अथवा मानव गतिविधियों के फलस्वरूप होने वाला लाभ अथवा हानि।<br>(iii) आय का वितरण (मान्य व्याख्या सहित)<br>**(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना किये जायें**)** | 1<br>1<br>1 |
| **12** | **प्रश्न: :** यदि समग्र माँग की तुलना में समग्र आपूर्ति अधिक हो, तो उस परिस्थिति में समायोजन तंत्र की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए ।<br>**उत्तर :** यदि प्रत्याशित समग्र मांग (AD), प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS) से कम है तो इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे कम खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से अधिक हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप उत्पादक कम उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में कमी होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), प्रत्याशित समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:**यदि एक अर्थव्यवस्था में :<br>सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = 0.2<br>प्रारंभिक निवेश में परिवर्तन (ΔI) = ₹ 2,000 करोड़ हो निम्नलिखित के मूल्य ज्ञात कीजिए (a) निवेश गुणक (K)<br>(b)अंतिम आय में परिवर्तन (ΔY)<br>**(a)** निवेश गुणक (K) = $\frac{1}{MPS}$<br>K= $\frac{1}{0.2}$<br>K = 5 .....*(i)*<br>(b) निवेश गुणक (K) = $\frac{\Delta Y}{\Delta I}$<br>K= 5 का (i) से मान रखने पर<br>5 = $\frac{\Delta Y}{2\,000}$<br>**Δ** Y = ₹ 10,000 करोड़ | **3**<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½ |
| **13** | **प्रश्न:** केन्द्रीय बैंक किस प्रकार 'बैंक दर' की सहायता से साख नियंत्रित करता है ? व्याख्या कीजिए।<br>**उत्तर :बैंक दर** - यह वह ब्याज की दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को दीर्घकालीन ऋण प्रदान करता है। बैंक दर के बढ़ने से वाणिज्यिक बैंक अपने ऋण की दर को बढ़ाने के लिए मजबूर होते हैं। जिससे सामान्य जनता को ऋण लेना महंगा हो जाता है। जिसके फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति में कमी हो जाएगी तथा इसके विपरीत भी।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:**भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा, साख नियंत्रण में रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले किन्हीं दो साधनों की विस्तार से विवेचना कीजिए।<br>साख नियंत्रण के दो उपकरण निम्न है-<br>★ **रेपो दर** - यह वह ब्याज की दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालीन ऋण प्रदान करता है। रेपो दर के बढ़ने से वाणिज्यिक बैंक अपने ऋण की दर को बढ़ाने के लिए मजबूर होते हैं। जिससे सामान्य जनता को ऋण लेना महंगा हो जाता है। तथा इसके विपरीत भी।<br>★ **खुले बाजार की क्रियाएं** - इससे अभिप्राय, केंद्रीय बैंक द्वारा सरकार की प्रतिभूतियों के खुले बाजार में क्रय तथा विक्रय से है। जब केंद्रीय बैंक सरकारी प्रतिभूतियों को बेचता है तो इससे वाणिज्यिक बैंकों की साख क्षमता कम होती है। तथा बैंक की साख सृजन शक्ति को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है।इसके विपरीत भी। **( उचित व्याख्या के साथ अन्य कोई उपकरण)** | 4<br>2<br>2 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**14**

**प्रश्न:** "एक देश के सरकारी बजट में राजस्व घाटे के अस्तित्व के बिना राजकोषीय घाटा नहीं हो सकता ।" दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए ।

**उत्तर:** दिए गए कथन का खंडन किया जा सकता है क्योंकि राजस्व घाटे के अस्तित्व के बिना भी राजकोषीय घाटा हो सकता है यदि,

(i) संतुलित राजस्व बजट (RE=RR) की स्थिति में पूंजीगत बजट घाटे (CE>CR) में हो। — 2

(ii) पूंजीगत बजट में घाटा (CE>CR), बचत के राजस्व बजट (RR<RE) से अधिक हो। — 2

**15**

**प्रश्न**: "पिछले एक माह में अमेरिकी डॉलर (US $) में 0.75 पैसे प्रति डॉलर (p/$) की उछाल दर्ज हुई है; यह परिस्थिति अलग-अलग प्रकार के व्यापारियों (निर्यातकों तथा आयातकों) के लिए मुस्कुराहट या उदासी ला सकती है ।" दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

**उत्तर:** दी गई परिस्थिति घरेलू मुद्रा(₹) में विदेशी मुद्रा($) की अपेक्षा मूल्यह्रास दर्शाती है। इसका अर्थ है कि अब विदेशी मुद्रा($) की एक इकाई खरीदने के लिए घरेलू मुद्रा(₹) की अधिक इकाइयां देनी पड़ेगी। — **1**

इससे आयातकों के लिए उदासी हो सकती है क्योंकि उन्हें अब अपने आयात के लिए अधिक धनराशि देनी पड़ेगी।

इसके विपरीत, इससे निर्यातकों के लिए मुस्कुराहट आ सकती है क्योंकि उन्हें अब अपने निर्यात के लिए अधिक धनराशि की प्राप्ति होगी। — **1 ½**

**1 ½**

**16**

**प्रश्न**: एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित आँकड़ों के उपयोग से, दिए गए वर्षों के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना व तुलना कीजिए :

| वर्ष | 2015-16 | 2016-17 |
|---|---|---|
| मौद्रिक GDP दर | 9% | 8% |
| GDP अवस्फीतिक | 150 | 160 |

**उत्तर - GDP अवस्फीतिक =** $\frac{\text{मौद्रिक } GDP}{\text{वास्तविक } GDP} \; x \; 100$ — **2**

| वर्ष | 2014-15 | 2015-16 | 2016-17 |
|---|---|---|---|
| मौद्रिक GDP | 10,000 (माना ) | 10,900 | 11,772 |
| वास्तविक GDP = | 10,000 (माना ) | 6,267 (लगभग ) | 7,358 (लगभग ) |

— **4**

**(शिक्षार्थी द्वारा दिए गए किसी अन्य उत्तर को भी अंक किया जाय)**

**अथवा**

**प्रश्न**:(a) "एक दो-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में आय का वर्तुल प्रवाह इस स्वयंसिद्ध (axiom) पर आधारित है कि किसी एक का व्यय दूसरे की आय होती है ।" मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।

**उत्तर:** (a) दो क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में ग्रहस्थ क्षेत्र और फ़र्म का अस्तित्व ही अर्थव्यवस्था को चलाता है । ग्रहस्थ क्षेत्र फ़र्म को कारक सेवाएँ प्रदान करता है तथा परिणामस्वरूप कारक आय प्राप्त करता है जबकि फ़र्म वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती है तथा इन्हे गृहस्थ क्षेत्र को बेचती है और समान आय सृजित करती है जितनी की ग्रहस्थ क्षेत्र ने अर्जित की थी । अतः आय का वर्तुल प्रवाह इस सिद्धहांत को सिद्ध करता है कि किसी एक का व्यय दूसरे कि आय होता है — **4**

**प्रश्न**: (b) उत्पादन के मूल्य' तथा 'मूल्य वृद्धि' में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(b) उत्पादन का मूल्य सभी वस्तुओं और सेवाओं का अनुमानित मौद्रिक मूल्य होता है जिसमें स्टॉक में परिवर्तन तथा स्वयं उपभोग के लिए किया गया उत्पादन भी शामिल होता है। — **1**

जबकि

मूल्य वृद्धि का अर्थ उत्पादन के मूल्य और मध्यवर्ती उपभोग के मूल्य के बीच अंतर से है — **1**



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

**17**

**प्रश्न:** दिए गए चित्र में, “KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए ।

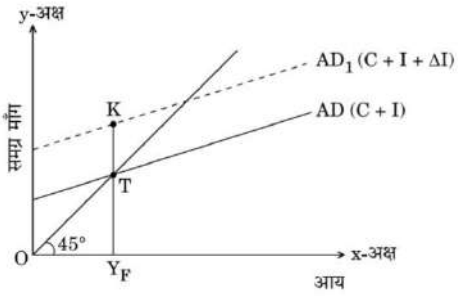




**उत्तर** "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है।

स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है - 1

**i. करों में वृद्धि -** स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। 2 ½

**ii. सरकारी व्यय में कमी** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। 2 ½

**दृष्टि*बाधित छात्रों*के लिए:**

**प्रश्न:** अपस्फीतिक अंतराल से क्या तात्पर्य है ? अपस्फीतिक अंतराल की स्थिति को ठीक करने के किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए ।

**उत्तर:** अपस्फीतिक अंतराल ऐसी स्थिति है जिसमें समग्र मांग पूर्ण रोजगार संतुलन पर आवश्यक समग्र पूर्ति से कम होती है 1

अपस्फीतिक अंतराल को नियंत्रित करने के दो राजकोषीय उपाय निम्न है।

(i) करों **में** कमी 2 ½

(ii) **सरकारी व्यय में वृद्धि** (कोई अन्य मान्य उपाय – उचित व्याख्या सहित) 2 ½

## SECTION- A INDIAN ECONOMIC DEVELOPMENT

**18**

**प्रश्न**:निम्नलिखित में से कौन-सा जैविक खेती का एक लाभ नही है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)

(A) सस्ते आगत (B) निवेश पर आकर्षक प्रतिफल (C) आयात की अधिक संभावनाएँ (D) उच्च पोषण मान 1

**उत्तर:** (C) आयात की अधिक संभावनाएँ

**19**

**प्रश्न** : भारत में ग्रामीण वित्तपोषण के लिए शीर्ष संस्था का नाम लिखिए । 1

**उत्तर:** नाबार्ड/ NABARD

**20**

**प्रश्न:** _____ऊर्जा के व्यावसायिक स्रोत का एक उदाहरण है । (सही विकल्प का चयन कीजिए)

(A) जलाऊ लकड़ी (B) कोयला (C) कृषि का कूड़ा-कचरा (D) सूखी गोबर के उपले 1

**उत्तर:** (B) कोयला

**21**

**प्रश्न** 20. *कॉलम* I में दी गई संस्थाओं के कार्य के साथ मिलान करके *कॉलम II* में दिए गए विकल्पों के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए :

| **कॉलम I** | **कॉलम II** |
|---|---|
| a. विश्व व्यापार संगठन (WTO) | (i) भुगतान संतुलन की समस्या को हल करने के लिए अल्पकालीन ऋण प्रदान करता है. |
| b. भारतीय रिज़र्व बैंक(RBI) | (ii) एक बहुपक्षीय व्यापार वार्ता निकाय है । |
| c. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) | (iii) पुनर्निर्माण और विकास के लिए ऋण देने की |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | d. अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) — (iv) भारत का केन्द्रीय बैंक है।<br>Choose the correct alternative from the following:<br>(A) a-(ii),b-(i),c-(iii),d-(iv) (B) a-(ii),b-(iv),c-(iii),d-(i)<br>(C) a-(ii),b-(iii),c-(iv),d-(i) (D) a-(ii),b-(iv),c-(i),d-(iii)<br>**उत्तर - (D)** a-(ii),b-(iv),c-(i),d-(iii) | **1** |
| **22** | **प्रश्न:** वर्ष____ में भारत सरकार ने 6 से 14 वर्ष के बीच सभी बच्चों के लिए शिक्षा नि:शुल्क तथा अनिवार्य कर दी थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 2001 (B) 2009 (C) 2003 (D) 2007<br>**उत्तर:** (B) 2009<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** निम्नलिखित में से कौन-सा संगठन भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र को नियंत्रित करता है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) ICMR (B) UGC (C ) AICTE (D) RBI<br>**उत्तर** : (A) ICMR | 1<br><br>**1** |
| **23** | **प्रश्न:**उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य :<br>"भूमि सीमा निर्धारण का अर्थ है किसी व्यक्ति के लिए भूमि-धारण की न्यूनतम सीमा निर्धारित करना है।"<br>**उत्तर :** असत्य | **1** |
| **24** | **प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में ____ नीति का अनुगमन घरेलू उद्योगों के संरक्षण के लिए किया गया था।<br>**उत्तर :** आयात प्रतिस्थापन/ अंतर्मुखी व्यापार | 1 |
| **25** | **प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य<br>"पाकिस्तान की तुलना में, भारत में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का अनुपात अधिक है।"<br>**उत्तर : सत्य** | 1 |
| **26** | **प्रश्न: किसी एक नवरतन कंपनी का नाम लिखिए**<br>**उत्तर** :महानगर टेलीफ़ोन निगम लिमिटेड अथवा हिंदुस्तान ऐरोनौटिक्स लिमिटेड ( अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण) | **1** |
| **27** | **प्रश्न** 21. माओ ने 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' की शुरुआत वर्ष_____ में की थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 1951 (B) 1955 (C) 1958 (D) 1962<br>**उत्तर** : **(C) 1958** | 1 |
| **28** | **प्रश्न**: "भारत सरकार ने हाल ही में बढ़ती हुई हानियों के कारण MTNL तथा BSNL के विलय की घोषणा की है।" भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर:** भारत सरकार ने हानियों के कारण एमटीएनएल तथा बीएसएनल का विलय निम्न उद्देश्यों के लिए किया-<br>(i) आर्थिक तथा कार्यात्मक(व्यावहारिक) कार्यकुशलता की प्राप्ति।<br>(ii) संभव हानियों में कमी। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए )** | 3 |
| **29** | **प्रश्न:** "भारत में बिजली (शक्ति) क्षेत्र को कई प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।" दिए गए कथन की मान्य तर्कों सहित चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर :** भारत में बिजली (शक्ति) क्षेत्र को निम्नलिखित प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है:<br>(i) भारत की बिजली उत्पादन क्षमता पर्याप्त नहीं है। यहाँ तक कि स्थापित क्षमता का भी अल्प उपयोग होता है क्योंकि बिजली घर उचित तरीके से नहीं चल रहे हैं।<br>(ii) राज्य विद्युत बोर्ड जो विद्युत वितरण करते हैं हानि में हैं इसका कारण संप्रेषण और वितरण का नुकसान तथा बिजली की अनुचित कीमतें हैं **(अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु)** | **1 ½**<br>**1 ½** |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **अथवा**<br>**प्रश्न:** "1964 - 66 के शिक्षा आयोग की सिफारिशों को लागू करने में भारत असफल रहा है।" दिए गए कथन के समर्थन में मान्य तर्क प्रस्तुत कीजिए।<br>**उत्तर:** विगत वर्षों से भारत शैक्षिक मापदंडों को ऐच्छिक स्तर तक ले जाने में सफल नहीं हुआ। शिक्षा आयोग (1964- 66) ने सिफारिश की थी कि शैक्षिक उपलब्धियों की संवृद्धि दर में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 6% शिक्षा पर खर्च किया जाना चाहिए किन्तु शिक्षा पर वर्तमान व्यय अपर्याप्त है अतः सरकार को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने चाहिए। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 3 |
| **30** | **प्रश्न** . मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :<br>राष्ट्र \| जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) \| लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)<br>भारत \| 1.2% \| 929<br>चीन \| 0.5% \| 941<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर:** (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन ने 1970 के दशक में "एक शिशु नीति" जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर जो 1.2% है, चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% , से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है वही चीन भी 941 महिला प्रति 1000 पुरुष के साथ बहुत दूर नही है। | 2<br>2 |
| **31** | **प्रश्न: स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारत की जनांकिकीय परिस्थियों की**दो मुख्य विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिये<br>**उत्तर: स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर** भारत की जनांकिकीय परिस्थितियों की दो मुख्य विशेषतायें है –<br>. ऊँची जन्म दर तथा ऊँची मृत्यु दर<br>. ऊँची शिशु मृत्यु दर (व्याख्या सहित ) (किसी अन्य विशेषता को भी अंक दिए जाए) | 2<br>2 |
| **32** | **प्रश्न** संक्षेप में चर्चा कीजिए कि, किस प्रकार संस्थागत सुधारों (भूमि सुधारों) ने भारतीय कृषि को बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार ने भारतीय कृषि में सुधार के लिए विभिन्न संस्थागत/ भूमि सुधारों को लागू किया जैसे -<br>(i) भूमि की अधिकतम सीमा - इस सुधार कार्यक्रम ने कुछ हाथों में भूमि के स्वामित्व के केन्द्रीयकरण को कम करना सुनिश्चित किया।<br>(ii) जमीदारी व्यवस्था का उन्मूलन - यह किसानों का शोषण को खत्म करने और कृषि उपज के प्रोत्साहन पर केंद्रित था।<br>इन सुधारो ने कृषि को एक आजीविका के रूप में स्थिरता प्रदान की और समानता का बढ़ावा दिया।<br>**(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये)<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "विदेशी मुद्रा भंडार की बचत व आत्म-निर्भरता के दोहरे उद्देश्यों के साथ भारत में आयात प्रतिबंध लगाए गए थे।" मान्य तर्कों सहित दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर :** यह कथन सही है क्योंकि इस नीति का उद्देश्य था -<br>(i) आयात को घरेलू उत्पाद द्वारा प्रतिस्थापन करना क्योकि इससे घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण मिला।<br>(ii) आयात की मात्रा पर प्रतिबंध से दुर्लभ विदेशी विनिमय की बचत हुई।<br>इस प्रकार स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इन दोहरे उद्देश्यों की सहायता से भारत आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर अग्रसर हुआ<br>**(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) | 2<br>2<br>2<br>2<br>2 |
| **33** | **प्रश्न: निम्नलिखित को परिभाषित कीजिये:**<br>**(a) गरीबी रेखा (b)मानव पूँजी (c) स्वयं सहायता समूह (d)हरित क्रांति**<br>**उत्तर : (a) गरीबी रेखा** –गरीबी रेखा न्यूनतम कैलोरी उपभोग के प्रति व्यक्ति व्यय का निर्धारण करने की विधि है। इसके अनुसार ग्रामीण व्यक्ति को प्रतिदिन 2400 कैलोरी तथा शहरी व्यक्ति को प्रतिदिन 2100 कैलोरी का न्यूनतम उपभोग मिलना चाहिए<br>**(b)मानव पूँजी-** मानव पूँजी से तात्पर्य है जब व्यक्ति शिक्षा ,प्रशिक्षण तथा अनुभव द्वारा कौशल अर्जित करता है तथा उत्पादन प्रक्रिया में अपने मूल्य में वृद्धि करता है।<br>**(c) स्वयं सहायता समूह** - स्वयं सहायता समूह,अतिलघु साख समूह के सदस्य है जो अपने प्रत्येक सदस्य में न्यूनतम अंशदान द्वारा सदस्यों में कम अनुपात मे मितव्यवता (बचत )की भावना को बढ़ाते है।<br>**(d)हरित क्रांति** - हरित क्रांति से अभिप्राय खाद्यान्नों विशेषकर गेहूँ और चावल के उत्पादन के क्षेत्र में होने वाली अप्रत्याशित वृद्धि से है जो उच्च पैदावार वाली किस्मों के बीजो के प्रयोग करने से हुई। | 1 ½<br>1 ½<br>1 ½<br>1 ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| **34** | **प्रश्न**. (a) भारत में श्रमबल के अनौपचारीकरण पर टिप्पणी कीजिए।<br>(b) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात की परिभाषा लिखिए।<br>**उत्तर** :(a) विगत वर्षों में भारत के अनौपचारिक अथवा असंगठित क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से बढा है।देश में लगभग पूरा कृषि क्षेत्र तथा उद्योग और सेवा क्षेत्र का एक बहुत बड़ा भाग अनौपचारिक क्षेत्र में आता है। इस क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक सामान्यता नियमित वेतन तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभो से वंचित रहते हैं। श्रमबल का अनौपचारिकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कार्यबल औपचारिक क्षेत्र से अनौपचारिक क्षेत्र की ओर स्थानांतरित होता है। | 4 |
| | (b) श्रमिक जनसंख्या अनुपात का आशय कुल श्रमिकों की संख्या तथा कुल जनसंख्या के अनुपात से है सामान्यतया इसे प्रतिशत में दर्शाया जाता है।<br>श्रमिक-जनसंख्या = $\frac{\text{कुल श्रमिकों की संख्या}}{\text{कुल जनसंख्या}}$ x 100 | 2 |
| | **अथवा**<br>**प्रश्न** : भारत में स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।<br>**उत्तर** : स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई है। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं-<br>1.परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना।<br>2.भूमि और अन्य परिसंपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए।<br>3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे।<br>4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण।<br>अतः यह कहा जा सकता है की निर्धनता निर्वारण कार्यक्रम बहुत अच्छे कदम थे लेकिन सही तरह से क्रियान्वित न होने के कारण प्रत्याशित परिणाम प्राप्त न हो सके। | 6 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

**HMJ/1**

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/2/3**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| क्र.सं. | आपेक्षिक उत्तर<br>**खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र** | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न:** रक्षा मदों पर होने वाला सरकारी व्यय, सरकारी बजट का _____ व्यय का एक प्रकार है।(सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** राजस्व / पूंजीगत **(दोनों उत्तर सही हैं, अतःदोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिए जायें** | 1 |
| 2 | **प्रश्न**: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"मुद्रास्फीति को कम करने के लिए, केन्द्रीय बैंक को नक़द आरक्षित अनुपात (CRR) को कम करना चाहिए।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 3 | **प्रश्न**: समग्र आपूर्ति से आपका क्या तात्पर्य है?<br>**उत्तर:** समग्र आपूर्ति से अभिप्राय एक अर्थव्यवस्था में एक लेखा वर्ष के दौरान उत्पादित किए गए वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मूल्य से है । | 1 |
| 4 | **प्रश्न:**_____भारत सरकार का एजेंट (प्रतिनिधि) तथा सलाहकार होता है । (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** भारतीय रिजर्व बैंक | 1 |
| 5 | **प्रश्न:** गैर-कर आगम (राजस्व) प्राप्तियों के कोई दो उदाहरण दीजिए।<br>**उत्तर**: फीस, जुर्माना **(अन्य किसी** मान्य **उदाहरण को भी अंक** प्रदान कियें जायें) | ½ + ½ |
| 6 | प्रश्न: यदि सरकार किसी स्थान पर एक नया अस्पताल स्थापित करती है, तो उस पर किया जाने वाला व्यय सरकारी बजट का _____ व्यय का एक प्रकार है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>उत्तर : पूँजीगत | 1 |
| 7 | **प्रश्न**: एक गृहस्थ द्वारा क्रय की गई कार एक_____है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) एकल उपयोग पूँजीगत वस्तु (B) एकल उपयोग उपभोक्ता वस्तु (C) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु (D) अर्ध-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु<br>**उत्तर :** (C) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु<br>**अथवा**<br>**प्रश्न**:निम्नलिखित में से कौन-सा सूत्र सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अवस्फीतिक को दर्शाता है ? (सही विकल्प का चयन किजिए)<br>(A) मौद्रिक GNP/वास्तविक GNP x 100 (B) वास्तविक GNP /मौद्रिक GNP x 100<br>(C ) वास्तविक GNP/मुद्रास्फीति की दर में परिवर्तन x 100 (D) मुद्रास्फीति की दर में परिवर्तन/वास्तविक GNPx100<br>**उत्तर** :(A) मौद्रिक GNP / वास्तविक GNP ×100 | 1<br>1 |
| 8 | **प्रश्न:**मान लीजिए कि एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में, आय की राशि 500 करोड़ से बढ़ कर ₹ 600 करोड़ हो जाती है । परिणामतः, उपभोग व्यय ₹ 400 करोड़ से बढ़ कर ₹ 500 करोड़ हो जाता है । इस परिस्थिति में सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मान होगा।<br>(A) 0.8 (B) 0.4 (C) 1.0 (D) 06<br>उत्तर : (C) 1.0 | 1 |
| 9 | **प्रश्न**: 'विदेशों से प्राप्त दान' भुगतान संतुलन खाते के_____(जमा/नामे) पक्ष में दर्ज किया जाएगा। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर :** जमा | 1 |
| 10 | **प्रश्न**: यदि किसी अर्थव्यवस्था की सम्पूर्ण अतिरिक्त आय का उपभोग किया जाता है, तो निवेश गुणक का मूल्य ____होगा।<br>(सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) शून्य (0) (B) अपरिभाषित (∞) (C) एक (1) (D) दस (10)<br>**उत्तर**: अपरिभाषित (∞) | **1** |
| 11 | **प्रश्न:** "सकल घरेलू उत्पाद (GDP) किसी देश की अर्थव्यवस्था के आर्थिक कल्याण का सर्वोत्तम सूचक नहीं है ।" दिए गए कथन का मान्य कारणों सहित समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर :** दिए गए कथन का निम्नलिखित आधार पर समर्थन किया जा सकता है क्योंकि जीडीपी में निम्न को शामिल नहीं किया जा सकता<br>(i) गैर मौद्रिक विनिमय जैसे गृहिणी की सेवाएं<br>(ii) बाह्यताएँ - फर्म अथवा मानव गतिविधियों के फलस्वरूप होने वाला लाभ अथवा हानि।<br>(iii) आय का वितरण (मान्य व्याख्या सहित)<br>**(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें**)** | 1<br>1<br>1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| **12** | **प्रश्न:** यदि एक अर्थव्यवस्था में :<br>सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = 0.8<br>प्रारंभिक निवेश में परिवर्तन (**Δ** I) = ₹ 4,000 करोड़ हो निम्नलिखित के मूल्य ज्ञात कीजिए : (a) निवेश गुणक (K) (b) अंतिम आय में परिवर्तन (**Δ** Y)<br>**उत्तर:** निवेश गुणक (K) = = $\frac{1}{1-mpc}$<br>K= $\frac{1}{1-0.8}$<br>K= $\frac{1}{0.2}$<br>K = 5 .....*(i)*<br>(b) निवेश गुणक (K) = $\frac{\Delta Y}{\Delta I}$<br>K= 5 का .....(i) से मान रखने पर<br>5 = $\frac{\Delta Y}{4\,000}$<br>**Δ** Y = ₹ 20,000 करोड़<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** यदि समग्र आपूर्ति (AS) की तुलना में समग्र माँग (AD) अधिक हो, तो उस परिस्थिति में समायोजन तंत्र की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** यदि प्रत्याशित समग्र मांग (AD), प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है तो इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), प्रत्याशित समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | ½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>3 |
| **13** | **प्रश्न:** "एक देश के सरकारी बजट में राजस्व घाटे के अस्तित्व के बिना राजकोषीय घाटा नहीं हो सकता ।" दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए ।<br>**उत्तर:** दिए गए कथन का खंडन किया जा सकता है क्योंकि राजस्व घाटे के अस्तित्व के बिना भी राजकोषीय घाटा हो सकता है यदि,<br>(i) संतुलित राजस्व बजट (RE=RR) की स्थिति में पूंजीगत बजट घाटे (CE>CR) में हो।<br>(ii) पूंजीगत बजट में घाटा (CE>CR), बचत के राजस्व बजट (RR<RE) से अधिक हो। | 2<br>2 |
| **14** | **प्रश्न:** "पिछले एक माह में अमेरिकी डॉलर (US $) में 0.75 पैसे प्रति डॉलर (p/$) की उछाल दर्ज हुई है; यह परिस्थिति अलग-अलग प्रकार के व्यापारियों (निर्यातकों तथा आयातकों) के लिए मुस्कुराहट या उदासी ला सकती है ।" दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर:** दी गई परिस्थिति घरेलू मुद्रा(₹) में विदेशी मुद्रा($) की अपेक्षा मूल्यह्रास दर्शाती है। इसका अर्थ है कि अब विदेशी मुद्रा($) की एक इकाई खरीदने के लिए घरेलू मुद्रा(₹) की अधिक इकाइयां देनी पड़ेगी।<br>इससे आयातकों के लिए उदासी हो सकती है क्योंकि उन्हें अब अपने आयात के लिए अधिक धनराशि देनी पड़ेगी।<br>इसके विपरीत, इससे निर्यातकों के लिए मुस्कुराहट आ सकती है क्योंकि उन्हें अब अपने निर्यात के लिए अधिक धनराशि की प्राप्ति होगी। | 1<br>1 ½<br>1 ½ |
| **15** | **प्रश्न:** केन्द्रीय बैंक किस प्रकार 'रेपो रेट' की सहायता से साख नियंत्रित करता है ? व्याख्या कीजिए।<br>**उत्तर: बैंक दर** - यह वह ब्याज की दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालीन ऋण प्रदान करता है। रेपो रेट के बढ़ने से वाणिज्यिक बैंक अपने ऋण की दर को बढ़ाने के लिए मजबूर होते हैं। जिससे सामान्य जनता को ऋण लेना महंगा हो जाता है। जिसके फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति में कमी हो जाएगी, विलोम सत्य। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**(अन्य किसी मान्य व्याख्या को भी अंक प्रदान किये जायें)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा, साख नियंत्रण में रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले किन्हीं दो साधनों की विस्तार से विवेचना कीजिए।<br>**उत्तर:** साख नियंत्रण के दो उपकरण निम्न है-<br>★ **रेपो दर** - यह वह ब्याज की दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालीन ऋण प्रदान करता है। रेपो दर के बढ़ने से वाणिज्यिक बैंक अपने ऋण की दर को बढ़ाने के लिए मजबूर होते हैं। जिससे सामान्य जनता को ऋण लेना महंगा हो जाता है। तथा इसके विपरीत भी।<br>★ **खुले बाजार की क्रियाएं** - इससे अभिप्राय, केंद्रीय बैंक द्वारा सरकार की प्रतिभूतियों के खुले बाजार में क्रय तथा विक्रय से है। जब केंद्रीय बैंक सरकारी प्रतिभूतियों को बेचता है तो इससे वाणिज्यिक बैंकों की साख क्षमता कम होती है। तथा बैंक की साख सृजन शक्ति को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है।इसके विपरीत भी। **( उचित व्याख्या के साथ अन्य कोई उपकरण)** | 4<br>2<br>2 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

**16** **प्रश्न**: एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित आँकड़ों के उपयोग से, दिए गए वर्षों के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना व तुलना कीजिए :

| वर्ष | 2015-16 | 2016-17 |
|---|---|---|
| मौद्रिक GDP दर | 8% | 9% |
| GDP अवस्फीतिक | 160 | 150 |

**उत्तर - GDP अवस्फीतिक** = $\frac{\text{मौद्रिक } GDP}{\text{वास्तविक } GDP} \; x \; 100$ — 2

| वर्ष | 2014-15 | 2015-16 | 2016-17 |
|---|---|---|---|
| मौद्रिक GDP | 10,000 (माना ) | 10,840 | 11,772 |
| वास्तविक GDP | 10,000 (माना ) | 6,750 (लगभग ) | 7,848 (लगभग ) |

4

**(शिक्षार्थी द्वारा दिए गए अन्य उत्तर को भी अंक किया जाय)**

**प्रश्न**:(a) "एक दो-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में आय का वर्तुल प्रवाह इस स्वयंसिद्ध (axiom) पर आधारित है कि किसी एक का व्यय दूसरे की आय होती है।" मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।

**उत्तर:** (a) दो क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में ग्रहस्थ क्षेत्र और फ़र्म का अस्तित्व ही अर्थव्यवस्था को चलाता है। ग्रहस्थ क्षेत्र फ़र्म को कारक सेवाएँ प्रदान करता है तथा परिणामस्वरूप कारक आय प्राप्त करता है जबकि फ़र्म वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती है तथा इन्हे गृहस्थ क्षेत्र को बेचती है और समान आय सृजित करती है जितनी की ग्रहस्थ क्षेत्र ने अर्जित की थी। अतः आय का वर्तुल प्रवाह इस सिद्धहांत को सिद्ध करता है कि किसी एक का व्यय दूसरे कि आय होता है — 4

**(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**

**(अन्य किसी मान्य व्याख्या को भी अंक प्रदान किये जायें)** **(चित्र की आवश्यकता नहीं है)**

**प्रश्न**: (b) उत्पादन के मूल्य' तथा 'मूल्य वृद्धि' में अंतर स्पष्ट कीजिए। — 1

**उत्तर:** (b) उत्पादन का मूल्य सभी वस्तुओं और सेवाओं का अनुमानित मौद्रिक मूल्य होता है जिसमें स्टॉक में परिवर्तन तथा स्वयं उपभोग के लिए किया गया उत्पादन भी शामिल होता है। **जबकि;**

मूल्य वृद्धि का अर्थ उत्पादन के मूल्य और मध्यवर्ती उपभोग के मूल्य के बीच अंतर से है — 1

**17** **प्रश्न:** दिए गए चित्र में, "KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।

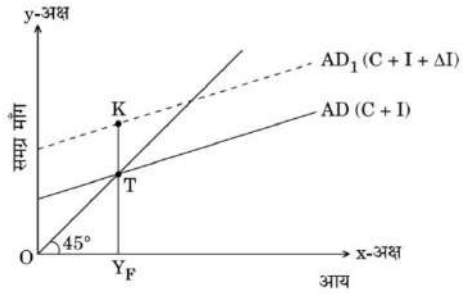


**उत्तर** "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है। — 1

स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -

**i. करों में वृद्धि** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। — 2 ½

**ii. सरकारी व्यय में कमी** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। — 2 ½

***दृष्टिबाधित छात्रों* के लिए:**

**प्रश्न:** अपस्फीतिक अंतराल से क्या तात्पर्य है ? अपस्फीतिक अंतराल की स्थिति को ठीक करने के किन्हीं दो मौद्रिक उपयों को दर्शाइए।

**उत्तर:** अपस्फीतिक अंतराल ऐसी स्थिति है जिसमें समग्र मांग पूर्ण रोजगार संतुलन पर आवश्यक समग्र पूर्ति से कम होती है — 1

अपस्फीतिक अंतराल को नियंत्रित करने के दो मौद्रिक उपाय निम्न है।

(i) रेपो दर में कमी — 2 ½

(ii) खुले बाजार में प्रतिभूतियों का क्रय (कोई अन्य मान्य उपाय – उचित व्याख्या सहित) — 2 ½



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | खण्ड ख   भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास | |
|---|---|---|
| 18 | **प्रश्न:** ऊर्जा के व्यावसायिक स्रोत का एक उदाहरण है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) जलाऊ लकड़ी (B) कोयला (C) कृषि का कूड़ा-कचरा (D) सूखी गोबर के उपले<br>**उत्तर:** (B) कोयला | 1 |
| 19 | **प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में ____ नीति का अनुगमन घरेलू उद्योगों के संरक्षण के लिए किया गया था।<br>**उत्तर :** आयात प्रतिस्थापन/ अंतर्मुखी व्यापार | 1 |
| 20 | **प्रश्न:** *कॉलम* I में दी गई संस्थाओं के कार्य के साथ मिलान करके *कॉलम II* में दिए गए विकल्पों के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए :<br>**कॉलम I** — **कॉलम II**<br>a. विश्व व्यापार संगठन (WTO) — (i) भुगतान संतुलन की समस्या को हल करने के लिए अल्पकालीन ऋण प्रदान करता है.<br>b. भारतीय रिज़र्व बैंक(RBI) — (ii) एक बहुपक्षीय व्यापार वार्ता निकाय है।<br>c. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) — (iii) पुनर्निर्माण और विकास के लिए ऋण देने की<br>d. अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) — (iv) भारत का केन्द्रीय बैंक है।<br>Choose the correct alternative from the following:<br>(A) a-(ii),b-(i),c-(iii),d-(iv) (B) a-(ii),b-(iv),c-(iii),d-(i)<br>(C) a-(ii),b-(iii),c-(iv),d-(i) (D) a-(ii),b-(iv),c-(i),d-(iii)<br>**उत्तर - (D)** a-(ii),b-(iv),c-(i),d-(iii) | **1** |
| 21 | **प्रश्न** 21. माओ ने 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' की शुरुआत वर्ष में की थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 1951 (B) 1955 (C) 1958 (D) 1962<br>**उत्तर** : **(C) 1958** | 1 |
| 22 | **प्रश्न** : भारत में ग्रामीण वित्तपोषण के लिए शीर्ष संस्था का नाम लिखिए।<br>**उत्तर:** नाबार्ड/ NABARD | 1 |
| 23 | **प्रश्न:**उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य :<br>"भूमि सीमा निर्धारण का अर्थ है किसी व्यक्ति के लिए भूमि-धारण की न्यूनतम सीमा निर्धारित करना है।"<br>**उत्तर :** असत्य | **1** |
| 24 | **प्रश्न:** किसी एक महारत्न कम्पनी का नाम लिखिए।<br>**उत्तर:** इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड अथवा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण) | 1 |
| 25 | **प्रश्न:** वर्ष____ में भारत सरकार ने 6 से 14 वर्ष के बीच सभी बच्चों के लिए शिक्षा नि:शुल्क तथा अनिवार्य कर दी थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 2001 (B) 2009 (C) 2003 (D) 2007<br>**उत्तर:** (B) 2009<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** निम्नलिखित में से कौन-सा संगठन भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र को नियंत्रित करता है? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) ICMR (B) UGC (C ) AICTE (D) RBI<br>**उत्तर :** (A) ICMR | 1<br><br>**1** |
| 26 | प्रश्न: जैविक खेती के किसी एक लाभ का उल्लेख कीजिये।<br>उत्तर :उच्च पोषण मान (अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण) | 1 |
| 27 | **प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य<br>"पाकिस्तान की तुलना में, भारत में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का अनुपात अधिक है।"<br>**उत्तर : सत्य** | 1 |
| 28 | **प्रश्न:** "भारत सरकार ने हाल ही में बढ़ती हुई हानियों के कारण MTNL तथा BSNL के विलय की घोषणा की है।" भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर:** भारत सरकार ने हानियों के कारण एमटीएनएल तथा बीएसएनएल का विलय निम्न उद्देश्यों के लिए किया-<br>(i) आर्थिक तथा कार्यात्मक(व्यावहारिक) कार्यकुशलता की प्राप्ति।<br>(ii) संभव हानियों में कमी। **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या** को भी अंकित किया जाये) **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 3 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| **29** | **प्रश्न:** "भारत में बिजली (शक्ति) क्षेत्र को कई प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।" दिए गए कथन की मान्य तर्कों सहित चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर :** भारत में बिजली (शक्ति) क्षेत्र को निम्नलिखित प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है:<br>(i) भारत की बिजली उत्पादन क्षमता पर्याप्त नहीं है। यहाँ तक कि स्थापित क्षमता का भी अल्प उपयोग होता है क्योंकि बिजली घर उचित तरीके से नहीं चल रहे हैं।<br>(ii) राज्य विद्युत बोर्ड जो विद्युत वितरण करते हैं हानि में हैं इसका कारण संप्रेषण और वितरण का नुकसान तथा बिजली की अनुचित कीमतें हैं **(अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "1964 - 66 के शिक्षा आयोग की सिफारिशों को लागू करने में भारत असफल रहा है।" दिए गए कथन के समर्थन में मान्य तर्क प्रस्तुत कीजिए।<br>**उत्तर:** विगत वर्षों से भारत शैक्षिक मापदंडों को ऐच्छिक स्तर तक ले जाने में सफल नहीं हुआ। शिक्षा आयोग (1964- 66) ने सिफारिश की थी कि शैक्षिक उपलब्धियों की संवृद्धि दर में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 6% शिक्षा पर खर्च किया जाना चाहिए किन्तु शिक्षा पर वर्तमान व्यय अपर्याप्त है अतः सरकार को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने चाहिए। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 1 ½<br>1 ½<br>3 |
| **30** | **प्रश्न**: संक्षेप में चर्चा कीजिए कि, किस प्रकार संस्थागत सुधारों (भूमि सुधारों) ने भारतीय कृषि को बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार ने भारतीय कृषि में सुधार के लिए विभिन्न संस्थागत/ भूमि सुधारों को लागू किया जैसे -<br>(i) भूमि की अधिकतम सीमा - इस सुधार कार्यक्रम ने कुछ हाथों में भूमि के स्वामित्व के केन्द्रीयकरण को कम करना सुनिश्चित किया।<br>(ii) जमीदारी व्यवस्था का उन्मूलन - यह किसानों का शोषण को खत्म करने और कृषि उपज के प्रोत्साहन पर केंद्रित था।<br>इन सुधारो ने कृषि को एक आजीविका के रूप में स्थिरता प्रदान की और समानता का बढ़ावा दिया।<br>**(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये)<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "विदेशी मुद्रा भंडार की बचत व आत्म-निर्भरता के दोहरे उद्देश्यों के साथ भारत में आयात प्रतिबंध लगाए गए थे।" मान्य तर्कों सहित दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर :** यह कथन सही है क्योंकि इस नीति का उद्देश्य था -<br>(i) आयात को घरेलू उत्पाद द्वारा प्रतिस्थापन करना क्योकि इससे घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण मिला।<br>(ii) आयात की मात्रा पर प्रतिबंध से दुर्लभ विदेशी विनिमय की बचत हुई।<br>इस प्रकार स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इन दोहरे उद्देश्यों की सहायता से भारत आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर अग्रसर हुआ<br>**(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) | 2<br>2<br>2<br>2 |
| **31** | **प्रश्न:** स्वतंत्रता की पूर्व-संध्या पर, भारत के विदेशी व्यापार नीति की किन्ही दो मुख्य विशेषताएं पर टिप्पणी करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता की पूर्व-संध्या पर, भारत के विदेशी व्यापार नीति की दो मुख्य विशेषताएं निम्न थी :<br>a)व्यापार पर ब्रिटेन का एकाधिकार<br>b)भारत कच्चे माल का निर्यातक तथा अंतिम निर्मित वस्तुओं का आयातक देश बन चुका था। (तर्क संगत व्याख्या सहित ) | 2<br>2 |
| **32** | **प्रश्न:** मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर:** (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन ने 1970 के दशक में "एक शिशु नीति" जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर जो 1.2% है, चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% , से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है वही चीन भी 941 महिला प्रति 1000 पुरुष के साथ बहुत दूर नही है। | 2<br>2 |
| **33** | **प्रश्न: निम्नलिखित को परिभाषित करें:**<br>**(a) स्वर्णिम क्रांति (b) पर्यावरण की धारण क्षमता (c) गरीबी रेखा (d) जीवन-प्रत्याशा**<br>**उत्तर: (a) स्वर्णिम क्रांति:** भारत में फल ,सब्जियों तथा बागवानी के विभिन्न उत्पादों के उत्पादन में अप्रत्याशित वृद्धि को स्वर्णिम क्रांति के नाम से जाना जाता है। **(किसी भी उत्तर को अंकित किया जाये)**<br>**(b) पर्यावरण की धारण क्षमता:** इसका अर्थ है कि संसाधनों का निष्कर्षण, इनके पुनर्जनन की दर से अधिक नहीं है और उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की समावेशन क्षमता के भीतर हैं। | 1 ½<br>1 ½ |

| राष्ट्र | जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) | लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष) |
|---|---|---|
| भारत | 1.2% | 929 |
| चीन | 0.5% | 941 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **(c) गरीबी रेखा** : गरीबी रेखा न्यूनतम कैलोरी उपभोग के प्रति व्यक्ति व्यय का निर्धारण करने की विधि है। इसके अनुसार ग्रामीण व्यक्ति को प्रतिदिन 2400 कैलोरी तथा शहरी व्यक्ति को प्रतिदिन 2100 कैलोरी का न्यूनतम उपभोग मिलना चाहिए।<br>**(d) जीवन-प्रत्याशा:** एक व्यक्ति के औसतन जीने की संभावना को जीवन प्रत्याशा कहते है। | 1 ½<br>1 ½ |
| **34** | **प्रश्न**: (a) भारत में श्रमबल के अनौपचारीकरण पर टिप्पणी कीजिए।<br>(b) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात की परिभाषा लिखिए।<br>**उत्तर** : (a) विगत वर्षों में भारत के अनौपचारिक अथवा असंगठित क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से बढा है।देश में लगभग पूरा कृषि क्षेत्र तथा उद्योग और सेवा क्षेत्र का एक बहुत बड़ा भाग अनौपचारिक क्षेत्र में आता है। इस क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक सामान्यता नियमित वेतन तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभो से वंचित रहते हैं। श्रमबल का अनौपचारिकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कार्यबल औपचारिक क्षेत्र से अनौपचारिक क्षेत्र की ओर स्थानांतरित होता है। **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**<br>(b) श्रमिक जनसंख्या अनुपात का आशय कुल श्रमिकों की संख्या तथा कुल जनसंख्या के अनुपात से है सामान्यतया इसे प्रतिशत में दर्शाया जाता है।<br>श्रमिक-जनसंख्या = $\frac{\text{कुल श्रमिकों की संख्या}}{\text{कुल जनसंख्या}}$ x 100<br>**अथवा**<br>**प्रश्न** : भारत में स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।<br>**उत्तर** : स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई है। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं-<br>1.परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना।<br>2.भूमि और अन्य परिसंपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए।<br>3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे।<br>4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण।<br>अतः यह कहा जा सकता है की निर्धनता निर्वारण कार्यक्रम बहुत अच्छे कदम थे लेकिन सही तरह से क्रियान्वित न होने के कारण प्रत्याशित परिणाम प्राप्त न हो सके। **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या** को भी अंकित किया जाये**)** | 4<br>2<br>6 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

**HMJ/1**

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/3/1**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| क्र. सं. | अपेक्षित उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| | **खण्ड क (समष्टि अर्थशास्त्र)** | |
| 1 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से कौन-सा एक गैर-कर राजस्व प्राप्ति नहीं है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) वस्तु और सेवा कर (B) बाहरी अनुदान (C) लाभांश व लाभ (D) विनिवेश<br>**उत्तर:** (A) वस्तु और सेवा कर | **1** |
| 2 | **प्रश्न:** किसी अर्थव्यवस्था में अवस्फीति अंतराल माँग में ______(अधिकता/अल्पता) दर्शाता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** अल्पता | **1** |
| 3 | **प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि, निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य:<br>"सरकारी बजट एक वार्षिक विवरण है जो पिछले वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की वास्तविक प्राप्तियों तथा वास्तविक भुगतानों को दर्शाता है।"<br>**उत्तर:** असत्य | **1** |
| 4 | **प्रश्न:** मुद्रा आपूर्ति के घटकों के नाम लिखिए।<br>**उत्तर:** मुद्रा पूर्ति के दो घटक हैं- (i) जनता के पास करेंसी। (ii) व्यवसायिक बैंकों के पास मांग जमाए। | ½ + ½ |
| 5 | **प्रश्न:** यदि किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू मुद्रा विनिमय दर में वृद्धि होती है, तो उस अर्थव्यवस्था के निर्यात के मूल्य में ______ होने की संभावना है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** गिरावट/ कम | 1 |
| 6 | **प्रश्न:** अनैच्छिक बेरोज़गारी का अर्थ लिखिए।<br>**उत्तर:** अनैच्छिक बेरोज़गारी एक ऐसी स्थिति को दर्शाता है जिसमें ऐसे सभी लोग जो वर्तमान मजदूरी दरों पर काम करने के इच्छुक हैं तथा योग्य हैं, को रोज़गार प्राप्त नही होता है। **(अन्य किसी प्रामाणिक परिभाषा के लिए भी अंक दिए जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** औसत बचत प्रवृत्ति (APS) _____तथा _____ का अनुपात होता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** कुल बचत तथा कुल आय। | 1<br><br>½ + ½ |
| 7 | **प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि, निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"भुगतान संतुलन (BOP) में आधिकारिक आरक्षित लेनदेनों को समंजन मदों के रूप में लिया जाता है।"<br>**उत्तर:** सत्य | 1 |
| 8 | **प्रश्न:** वैधानिक तरलता अनुपात के अंतर्गत वाणिज्यिक बैंकों को तरल परिसम्पत्तियों के रूप में _____ का एक अंश रखना आवश्यक होता है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) कुल जमा (B) आवधिक जमा (C) कुल माँग व आवधिक जमा (D) चालू जमा<br>**उत्तर:** (A) कुल जमा या(C) कुल माँग व आवधिक जमा **(दोनों उत्तर सही हैं, अतःदोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिए जायें)** | 1 |
| 9 | **प्रश्न:** 'विदेशी विनिमय दर' को परिभाषित कीजिए।<br>**उत्तर:** विदेशी विनिमय दर वह दर है जिस पर एक देश की मुद्रा (₹) को दूसरे देश की मुद्रा ($) से विनिमय किया जाता है। | 1 |
| 10 | **प्रश्न:** प्राथमिक घाटा शून्य हो सकता है, यदि _____। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>(A) राजकोषीय घाटा = ब्याज भुगतान (B) राजकोषीय घाटा < ब्याज भुगतान<br>(C) राजकोषीय घाटा > ब्याज भुगतान (D) राजस्व घाटा < राजकोषीय घाटा<br>**उत्तर:** (A) राजकोषीय घाटा = ब्याज भुगतान | 1 |
| 11 | **प्रश्न:** 'चालू खाता घाटे' तथा 'व्यापार घाटे' में अंतर स्पष्ट कीजिए।<br>**उत्तर: चालू खाता घाटे** का अर्थ दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा एक पक्षीय हस्तांतरण के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियों पर ,दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा एक पक्षीय हस्तांतरण के लिए किए गए आयात के कारण विदेशी विनिमय भुगतानो की अधिकता से हैं। जबकि;<br>**व्यापार घाटे** का अर्थ है दृश्य मदों के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियों पर दृश्य मदों के आयात के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतानो की अधिकता से हैं।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "लेखांकन अर्थ में, भुगतान संतुलन (BOP) सदैव संतुलित रहता है।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए। | 1 ½<br><br>1 ½ |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**उत्तर:** दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। भुगतान संतुलन खाता द्विप्रविष्टि बहीखाता प्रणाली पर आधारित है। स्वायत्त लेन देन के कारण उत्पन्न कोई भी घाटा/अतिरेक मौद्रिक प्राधिकारी द्वारा समायोजन सौदों में तदनुसार अतिरेक/ घाटे द्वारा ठीक किये जाते हैं। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** — 3

**12**

**प्रश्न**: निम्नलिखित आँकड़ों से (a) राजस्व घाटे व (b) राजकोषीय घाटे की गणना कीजिए :

| | विवरण | राशि (₹ करोड़ में) |
|---|---|---|
| (i) | कर राजस्व | 1,000 |
| (ii) | राजस्व व्यय | 3,821 |
| (iii) | गैर-कर राजस्व | 2,000 |
| (iv) | ऋणों की वसूली | 135 |
| (V) | पूँजीगत व्यय | 574 |
| (vi) | विनिवेश | 100 |
| (vii) | ब्याज भुगतान | 1,013 |

**उत्तर:** a) राजस्व घाटा = [(ii)-{ (i)+(iii) }] — ½
=3821-(1000+2000) — ½
= ₹ 821 करोड़ — ½

₹

b) राजकोषीय घाटा = [ { (ii) +(v) }- { (iii) +(i) +(iv) +(vi) } ] — ½
= [(3821+574)- (2000+1000+100+135)] — ½
=[(4395)-(3235)] = ₹1160 करोड़ — ½

**13**

**प्रश्न:** दिए गए चित्र में, "KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।

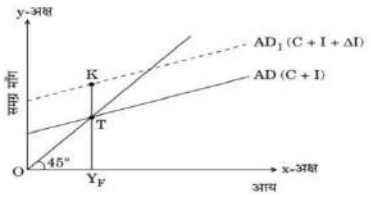


**उत्तर:** "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है। — 1

स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -

**i. करों में वृद्धि** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। — 1 ½

**ii. सरकारी व्यय में कमी** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैर-विकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। — 1 ½

**दृष्टि*बाधित छात्रों*के लिए:**

**प्रश्न:** अवस्फीति अंतराल का क्या अर्थ है ? अवस्फीति अंतराल की परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।

**उत्तर:** अवस्फीतिक अंतराल उस अंतराल को दर्शाता है जिसमें पूर्ण रोजगार के स्तर पर समग्र मांग, समग्र पूर्ति से कम होती है।ऐसी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अवश्य दो राजकोषीय उपाय निम्न है- — 1

**i) करों में कमी** - अवस्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करो में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में वृद्धि करता है जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग बढ़ती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर करने में सहायक है। — 1 ½

**ii) सरकारी खर्च में वृद्धि** - अवस्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने खर्च में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में वृद्धि करता है जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग बढ़ती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर करने में सहायक है। — 1 ½



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

**14** **प्रश्न:** "भारतीय रिज़र्व बैंक ने अर्थव्यवस्था में गिरती हुई माँग को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में रेपो दर में कमी की है।" केन्द्रीय बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के औचित्य को विस्तार से समझाइए। — 4

**उत्तर:** रेपो दर, ब्याज की वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक, व्यवसायिक बैंकों को उनकी अल्पकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देता है। रेपो दर में कमी, व्यवसायिक बैंकों को उनकी ब्याज दरों में कमी के लिए प्रेरित करता है। यह सामान्य जनता को अधिक उधार लेने के लिए उत्साहित करता है। जो उनकी प्रयोज्य आय को बढ़ाता है। यह अर्थव्यवस्था में समग्र मांग को को बढ़ावा देता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**

**15** **प्रश्न**: निम्नलिखित आँकड़ों से बाज़ार कीमत पर सकल मूल्य वृद्धि ($GVA_{MP}$) की गणना कीजिए :

| | विवरण | राशि (₹ लाख में) |
|---|---|---|
| (i) | मूल्यह्रास | 20 |
| (ii) | घरेलू बिक्री | 200 |
| (iii) | स्टॉक में परिवर्तन | (-) 10 |
| (iv) | निर्यात | 10 |
| (v) | एकल उपयोग उत्पादक वस्तुएँ | 120 |
| (vi) | निवल अप्रत्यक्ष कर | 20 |

**उत्तर:** $GVA_{MP}$ = [(ii)+(iii)+(iv)]-(v) — 2
= [200+(-)10+10]-120 — 1
=200-120 — ½
= ₹ 80 लाख — ½

**अथवा**

**प्रश्न:** किसी वर्ष में एक अर्थव्यवस्था में मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) का मूल्य ₹ 2,500 करोड़ था। उसी वर्ष के दौरान, देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) का मूल्य किसी आधार वर्ष की कीमत पर ₹ 3,000 करोड़ था। प्रतिशत के रूप में वर्ष के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अवस्फीतिक के मूल्य की गणना कीजिए। क्या आधार वर्ष और उल्लिखित वर्ष के बीच कीमत स्तर में वृद्धि हुई है ?

**उत्तर:** दिया गया है - मौद्रिक (GNP) = ₹ 2,500 करोड़ और वास्तविक GNP = ₹3000 करोड़,

(GNP) अवस्फीतिक $= \frac{\text{मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद}}{\text{वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद}} \times 100$ — 2

$= \frac{2500}{3000} \times 100$ — ½

= 83.33 % — ½

नही, उल्लिखित वर्ष में आधार वर्ष की तुलना में कीमत स्तर में 16.67% की कमी हुई है। — 1

**16** **प्रश्न**: नीचे दिए गए आंकड़ों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) नियोजित निवेश = ₹100 करोड़ (ii) C = 50 + 0.5 Y

(a) आय के संतुलन स्तर का निर्धारण कीजिए।

(b) राष्ट्रीय आय के संतुलन स्तर पर बचत व उपभोग व्यय की गणना कीजिए।

**उत्तर:** (a) आय के संतुलन स्तर पर, Y = C +I — 1

Y = (50 + 0.5Y) +100 — 1

Y- 0.5Y= 150 — ½

Y= 150/0.5 = ₹ 300 करोड़ — ½

संतुलन स्तर पर आय = ₹ 300 करोड़

(b) S= - C +( 1-b) Y — ½

= - 50 + (1-0.5) (300) — ½

= ₹ 100 करोड़ — ½

Y = C+S — ½

300 = C + 100 — ½

C = 300-100 = ₹ 200 करोड़ — ½



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 17 | **प्रश्न:** राष्ट्रीय आय के आकलन में आने वाली, दोहरी गणना की समस्या को परिभाषित कीजिए। दोहरी गणना की समस्या के निवारण के दो दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** वस्तुओं के मूल्य की एक से अधिक बार गणना के कारण राष्ट्रीय आय के आकलन में दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न होती है। यह अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के अधिमूल्यन से सम्बंधित है।<br>दोहरी गणना की समस्या के निवारण के दो दृष्टिकोण निम्नलिखित हैं:<br>(i) अंतिम उत्पाद विधि - इस विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय का आकलन करते समय केवल अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को शामिल करना चाहिए।<br>(ii) मूल्य वृद्धि विधि - इस विधि के अनुसार प्रत्येक उत्पादक इकाई द्वारा की गई केवल मूल्य वृद्धि के योग को सम्मिलित करना चाहिए। इसका अर्थ है कि मध्यवर्ती उपभोग के मूल्य शामिल नही किया जाना चाहिए।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए :<br>(a) पूँजीगत वस्तुएँ (b) सकल घरेलू उत्पाद (c) प्रवाह चर (d) संपत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय<br>**उत्तर: (a)** पूँजीगत वस्तुएँ वे अंतिम वस्तुएं हैं जो दूसरी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पाद में सहयोग करती है। उदाहरण मशीनरी<br>**b)** सकल घरेलू उत्पाद, किसी देश की घरेलू सीमा के अंदर एक वर्ष की अवधि में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल बाजार मूल्य का योग है।<br>**c)** प्रवाह चर वह चर है जिन्हें समय की एक अवधि में मापा जाता है। उदाहरण राष्ट्रीय आय।<br>**d)** संपत्ति तथा उद्यमशीलता से आय वह आय हैं जो भौतिक / आर्थिक / बौद्धिक संपत्ति के स्वामित्व से उत्पन्न होती है तथा वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के योगदान में उद्यमी को पारितोषिक स्वरूप लाभ,रायल्टी, किराया, ब्याज आदि के रूप में प्राप्त होती है। | 2<br>2<br>2<br>1 ½<br>1 ½<br>1 ½<br>1 ½ |
| | **खण्ड ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास** | |
| 18 | **प्रश्न:** वस्तु और सेवा कर (GST) के लागू होने के पश्चात् हटाए गए करों में से एक_____कर है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** वैट (वैल्यू एडेड टैक्स ) **( कोई अन्य उचित उदाहरण)** | **1** |
| 19 | **प्रश्न:** 8 नवंबर, 2016 को पुरानी महात्मा गाँधी श्रेणी के ____और___करेंसी नोटों को कानूनी रूप में अवैध घोषित कर दिया गया था।<br>(A) ₹50 और ₹100 (B) ₹500 और ₹1000 (C) ₹500 और ₹2000 (D) ₹500 और ₹200<br>**उत्तर:** (B) ₹500 and ₹1000 | **1** |
| 20 | **प्रश्न:** किसी व्यक्ति के लिए अधिकतम भूमि-धारण (अधिपत्य) की सीमा का निर्धारण_____कहलाता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** भूमि की अधिकतम सीमा निर्धारण। | **1** |
| 21 | **प्रश्न:** केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने _____श्रेणियों के बड़े तथा मध्यम उद्योगों की पहचान प्रदूषित करने वाले उद्योगों के रूप में की है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 15 (B) 17 (C) 19 (D)13<br>**उत्तर:** (B) 17 | **1** |
| 22 | **प्रश्न:** "गूगल ने भारत में 4000 स्नातक विद्यार्थियों को नौकरी पर रखा है।"<br>दिया गया कथन औपचारिक क्षेत्रक/अनौपचारिक क्षेत्रक रोज़गार से संबंध रखता है। (सही प्रकार के रोज़गार का चयन कीजिए)<br>**उत्तर:** औपचारिक क्षेत्रक | 1 |
| 23 | **प्रश्न:** स्वतंत्र भारत में पहला औद्योगिक नीति प्रस्ताव वर्ष ---------- में लागू किया गया था। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>A) 1948 (B) 1950 (C ) 1954 (D)1956<br>**उत्तर:** (A) 1948 | 1 |
| 24 | **प्रश्न:**. 'सहकारी विपणन' का अर्थ लिखिए।<br>**उत्तर:** सहकारी विपणन वह व्यवस्था है जिसमे किसान अपनी फसलों के विपणित अधिशेष एक साथ एकत्रित कर विपणन करते हैं और प्रत्येक के व्यक्तिगत अंश के आधार पर बिक्री आगम को बाट लेते हैं। | 1 |
| 25 | **प्रश्न:** 'मानव पूँजी निर्माण' को परिभाषित कीजिए।<br>**उत्तर:** मानव पूंजी निर्माण एक समय-अवधि में देश में कुशल और सक्षम लोगों को बढ़ाने की प्रक्रिया है। **(अन्य कोई उचित परिभाषा)**<br>**अथवा**<br>*कॉलम II* में दिए गए संबंधित वर्षों के साथ मिलान करके कॉलम I में दिए गए विकल्पों के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए: | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

<table>
<tr><td></td><td>
<table>
<tr><th colspan="2">कॉलम I</th><th colspan="2">कॉलम II</th></tr>
<tr><td>a.</td><td>जन धन योजना</td><td>(i)</td><td>2005</td></tr>
<tr><td>b.</td><td>प्रभावी उपभोग माँग और न्यूनतम आवश्यकता अनुमानन कार्य बल</td><td>(ii)</td><td>1962</td></tr>
<tr><td>c.</td><td>महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम</td><td>(iii)</td><td>1979</td></tr>
<tr><td>d.</td><td>निर्धनता के लिए योजना आयोग द्वारा गठित अध्ययन दल</td><td>(iv)</td><td>2014</td></tr>
</table>
निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए :<br>
(A) a-(iv), b-(i), c-(ii), d-(iii) (B) a-(iv), b-(ii), c-(i), d-(iii)<br>
(C) a-(iv), b-(iii), c-(i), d-(ii) (D) a-(iv), b-(ii), c-(iii), d-(i)<br>
उत्तर: (C) a-(iv), b-(iii), c-(i),d-(ii)
</td><td>1</td></tr>
<tr><td>26</td><td>प्रश्न: 'कम्यून' का अर्थ लिखिए।<br>
उत्तर: चीन में महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति के अंतर्गत सामूहिक खेती की वह व्यवस्था जिसमें लोगो से संयुक्त रूप से खेती करवाई गई, कम्यून कहलाता है।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>27</td><td>प्रश्न: कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित घटनाओं को व्यवस्थित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए :<br>
(i) चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना (ii) पाकिस्तान का निर्माण<br>
(iii) भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना (iv) चीन की प्रथम पंचवर्षीय योजना<br>
विकल्प: (A) (i), (iv), (ii), (iii) (B) (iii), (ii), (i), (iv) (C) (ii), (i), (iii), (iv) (D) (iv), (iii), (ii), (i)<br>
उत्तर: (C) (ii),(i),(iii),(iv)</td><td>1</td></tr>
<tr><td>28</td><td>प्रश्न: "अनौपचारिक क्षेत्र के बजाय औपचारिक क्षेत्र में रोज़गार का सृजन करना आवश्यक है।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का समर्थन या खंडन कीजिए।<br>
उत्तर: दिया गया कथन सत्य है और निम्न तर्कों के आधार पर इसका समर्थन किया जाता है -<br>
(i) रोजगार का औपचारिक क्षेत्र, अनौपचारिक क्षेत्र की तुलना में अधिक अच्छी कार्य सुरक्षा प्रदान करता हैं।<br>
(ii) औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अंतर्गत लोग अधिक अच्छे सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त करने के अधिकारी होते हैं।<br>
(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)<br>
अथवा<br>
प्रश्न: भारतीय विद्युत् क्षेत्रक की किन्हीं दो चुनौतियों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।<br>
उत्तर: भारतीय विद्युत क्षेत्रक में दो चुनोतियाँ हैं -<br>
(i) भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता अपर्याप्त है और उसका भी पूर्ण उपयोग नही हो पाता। भारत में शक्ति सयंत्रों की कार्यात्मक क्षमता जिसे प्लांट लोड फैक्टर (PLF) के रूप में दर्शाया जाता है, बहुत कम है।<br>
(ii) राज्य विद्युत बोर्ड,संचरण और वितरण की हानि, बिजली की दोषपूर्ण कीमतें और अन्य अकुशलताओ से त्रस्त हैं।<br>
(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)</td><td>1 ½<br>1 ½<br><br>1 ½<br>1 ½</td></tr>
<tr><td>29</td><td>प्रश्न: "आर्थिक संवृद्धि में तीव्र वृद्धि अवश्य ही पूर्णतः निर्धन वर्ग के व्यक्तियों तक धीरे-धीरे पहुँच जाती है।" दिए गए कथन का मान्य तर्कों सहित समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>
उत्तर: कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि -<br>
(i) तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि बहुत कम हुई।<br>
(ii) हरित क्रांति ने क्षेत्रीय विषमताओं को बढ़ावा दिया और बड़े तथा छोटे किसानों के बीच खाई गहरी की।<br>
(iii) आर्थिक सुधारों के अधिकांश लाभों को धनी वर्ग द्वारा हथिया लिया गया। (अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)</td><td>1<br>1<br>1</td></tr>
<tr><td>30</td><td>प्रश्न: "कृषि क्षेत्र आर्थिक सुधार प्रक्रिया से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है।" दिए गए कथन का वर्णन कीजिए।<br>
उत्तर: कृषि क्षेत्रक आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया से बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि-<br>
(i) आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के समय कृषि क्षेत्रक में विशेषकर सिचाई, शक्ति जैसी आधारभूत संरचना में सार्वजनिक निवेश में कमी आयी।<br>
(ii) उर्वरकों की सब्सिडी कम करने के कारण उत्पाद की लागत बढ़ गई जिसके कारण छोटे और सीमांत किसानों पर बुरा प्रभाव पड़ा।<br>
(iii) उदारीकरण और आयात शुल्कों में कमी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वृद्धि हुई।<br>
(iv) निर्यात केंद्रित नीति के कारण कृषि में खाद्य फसलो से नगद फसलो की ओर बदलाव हुआ जिसने खाद्य फसलो की कीमतों में वृद्धि की। (अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)</td><td>1<br>1<br>1<br>1</td></tr>
</table>



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **अथवा**<br>**प्रश्न:** भारत को प्रायः विश्व का 'बाह्यप्रापण गंतव्य' कहा जाता है। भारत को दिए गए इस नाम के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** भारत को विश्व का "बाह्य प्रापण गंतव्य" कहने के मुख्य कारण हैं -<br>(1) कुशल मानव शक्ति की उपलब्धता - भारत में कुशल मानव शक्ति की बहुतायत है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विश्वास को बढ़ाता है।<br>(2) अनुकूल सरकारी नीतियां - भारतीय सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विभिन्न प्रकार के लाभप्रद प्रस्ताव जैसे करो मे छूट, करो की निम्न दर आदि, देती है जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित होती है। **(या अन्य कोई उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)** | 2<br>2 |
| **31** | **प्रश्न:** "भारत, चीन व पाकिस्तान ने विभिन्न परिणामों के साथ, सात दशकों से अधिक की विकास पथ की यात्रा की है।" मान्य तर्कों के साथ दिए गए कथन को समझाइए।<br>**उत्तर: (i)** 1970 के अंत तक तीनों देशों निम्न विकास के लगभग समान स्तर को बनाए हुए थे।<br>(ii) पिछले तीन दशकों में तीनों देशों ने विकास के विभिन्न स्तर प्राप्त किए हैं।<br>★ भारत ने इन वर्षों में सामान्य प्रदर्शन किया है। यहां अधिकांश लोग अभी भी कृषि पर निर्भर हैं। आधारभूत संरचना की कमी है और एक चौथाई से अधिक जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है।<br>★ पाकिस्तान ने राजनीतिक अस्थिरता, विप्रेषित धन और विदेशी सहायता पर अत्यधिक निर्भरता और कृषि में अस्थिर प्रदर्शन के कारण निम्न प्रदर्शन किया है।<br>★ चीन ने अर्थव्यवस्था के विकास की दर को बढ़ाने के साथ-साथ गरीबी के उन्मूलन पर दबाव बनाने के लिए बाजार व्यवस्था का प्रयोग किया। जिसमे वह काफी हद तक सफल रहा।<br>**(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)** | **4** |
| **32** | **प्रश्न:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में 'आत्म-निर्भरता' के चयन के औचित्य की संक्षेप में चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में आत्मनिर्भरता के चयन के मुख्य औचित्य थे-<br>(i) **विदेशो पर निर्भरता में कमी**- योजना उद्देश्य में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण था। स्वतंत्रता के पश्चात पंचवर्षीय योजना के आरम्भिक वर्षो में विदेशो पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू संसाधनों के उपयोग पर बल दिया गया।<br>(ii) **विदेशी हस्तक्षेप को रोकना**- स्वतंत्रता के पश्चात यह डर था कि आयातित खाद्य सामग्री, विदेशी तकनीकी, और विदेशी पूंजी पर निर्भरता, हमारे देश की नीतियों में विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ा सकता है। | 2<br>2 |
| **33** | **प्रश्न:** (a) गरीबी रेखा' का अर्थ लिखिए।<br>(b) निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए :<br>(i) पर्यावरण की धारण क्षमता (ii) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता<br>**उत्तर: (a)** गरीबी रेखा वितरण की रेखा पर वह कटाव बिंदु है जो देश की जनसंख्या को निर्धन और गैर-निर्धन में बांट देती है। इसे आवश्यक कैलोरी मात्रा और प्रति व्यक्ति मासिक व्यव के आधार पर निर्धारित किया जाता है।<br>**(b)** (i) **पर्यावरण की धारण क्षमता** - इसका अर्थ है कि संसाधनों का निष्कर्षण, इनके पुनर्जनन की दर से अधिक नहीं है और उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की समावेशन क्षमता के भीतर हैं<br>(ii) **पर्यावरण की अवशोषण क्षमता** - पर्यावरणीय हानि पहुँचाये बिना, पर्यावरण की अपक्षय को सोखने की योग्यता से है।<br>**(या अन्य कोई उचित परिभाषा)** | 2<br>2<br>2 |
| **34** | **प्रश्न:(a)** "ग्रामीण भारत के लिए उज्ज्वला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है।" ऐसे किन्हीं तीन पारंपरिक ईंधनों का उल्लेख कीजिए, जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में एल.पी.जी. सिलेंडर वितरण योजना (उज्ज्वला योजना) कार्य कर रही है।<br>**उत्तर: (a)** ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर ( स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है।<br>तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्जवला योजना के कारण कम हुआ है:<br>(i) कृषि अवशेष और सूखा गोबर।<br>(ii) जलाने की लकड़ी।<br>(iii) कोयला। **(अन्य कोई उचित उदाहरण)**<br>**प्रश्न: (b)** "स्वयं को ठीक करने के लिए भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक की आवश्यकता है।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर: (b)** इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से धीमी रही है। दूसरे कारणों के साथ साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रहा है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है।<br>**(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** **(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)** | 1<br>1<br>1<br>3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**अथवा**

**प्रश्न: (a)** नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों में महिलाएँ कम क्यों हैं ?

**(b)** भारत में कार्यबल के क्षेत्रीय वितरण में हाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए :

**रोज़गार पद्धति की प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रक), 1993 - 2012 (प्रतिशत में)**

| क्षेत्रक | 1993-94 | 1999-2000 | 2011-2012 |
|---|---|---|---|
| प्राथमिक | 64 | 60.4 | 48.9 |
| द्वितीयक | 16 | 15.8 | 24.3 |
| सेवा | 20 | 23.8 | 26.8 |

**उत्तर: (a)** (i) नियमित वेतन भोगी कर्मचारियों में महिलाओं की संख्या कम होती है क्योंकि इस तरह के कार्य के लिए बौद्धिक कौशल तथा उच्च स्तर की शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता होती है — 1 ½

(ii) सामाजिक बंधनों के कारण महिलाओं में गतिशीलता की में कमी होती है। — 1 ½

**(b)** दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए) (या अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या)** — 3



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

**HMJ/1**

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/3/2**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| क्र. सं. | अपेक्षिक उत्तर<br>खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र) | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न:** किसी अर्थव्यवस्था में अवस्फीति अंतराल माँग में _____(अधिकता/अल्पता) दर्शाता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर** अल्पता | **1** |
| 2 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से कौन-सा एक गैर-कर राजस्व प्राप्ति नहीं है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) वस्तु और सेवा कर (B) बाहरी अनुदान (C) लाभांश व लाभ (D) विनिवेश<br>**उत्तर:** (A) वस्तु और सेवा कर | **1** |
| 3 | **प्रश्न:** यदि किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू मुद्रा विनिमय दर में वृद्धि होती है, तो उस अर्थव्यवस्था के निर्यात के मूल्य में _____ होने की संभावना है । (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** गिरावट/ कमी | 1 |
| 4 | **प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि, निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य:<br>"सरकारी बजट एक वार्षिक विवरण है जो पिछले वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की वास्तविक प्राप्तियों तथा वास्तविक भुगतानों को दर्शाता है।"<br>**उत्तर:** असत्य | **1** |
| 5 | **प्रश्न:** मुद्रा आपूर्ति के घटकों के नाम लिखिए ।<br>**उत्तर:** मुद्रा पूर्ति के दो घटक हैं- (i) जनता के पास करेंसी। (ii) व्यवसायिक बैंकों के पास मांग जमाए। | ½ + ½ |
| 6 | **प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि, निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :<br>"भुगतान संतुलन (BOP) में आधिकारिक आरक्षित लेनदेनों को समंजन मदों के रूप में लिया जाता है ।"<br>**उत्तर:** सत्य | 1 |
| 7 | **प्रश्न**: अनैच्छिक बेरोज़गारी का अर्थ लिखिए ।<br>**उत्तर:** अनैच्छिक बेरोज़गारी एक ऐसी स्थिति को दर्शाता है जिसमें ऐसे सभी लोग जो वर्तमान मजदूरी दरों पर काम करने के इच्छुक हैं तथा योग्य हैं, को रोज़गार प्राप्त नही होता है। **(अन्य किसी प्रामाणिक परिभाषा के लिए भी अंक दिए जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** औसत बचत प्रवृत्ति (APS) _____तथा _____ का अनुपात होता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** कुल बचत तथा कुल आय। | 1<br>½ + ½ |
| 8 | **प्रश्न:** भुगतान संतुलन खाते के स्वायत्त मदों को परिभाषित कीजिए ।<br>**उत्तर:** स्वायत्त मदों से अभिप्राय भुगतान संतुलन खाते के ऐसे लेन-देन से है जो लाभ के उद्देश्य से किये जाते हैं। | 1 |
| 9 | **प्रश्न:** प्राथमिक घाटा शून्य हो सकता है, यदि _____ । (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>(A) राजकोषीय घाटा = ब्याज भुगतान (B) राजकोषीय घाटा < ब्याज भुगतान<br>(C) राजकोषीय घाटा > ब्याज भुगतान (D) राजस्व घाटा < राजकोषीय घाटा<br>**उत्तर:** (A) राजकोषीय घाटा = ब्याज भुगतान | 1 |
| 10 | **प्रश्न:** वैधानिक तरलता अनुपात के अंतर्गत वाणिज्यिक बैंकों को तरल परिसम्पत्तियों के रूप में _____ का एक अंश रखना आवश्यक होता है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) कुल जमा (B) आवधिक जमा (C) कुल माँग व आवधिक जमा (D) चालू जमा<br>**उत्तर:** (A) कुल जमा या(C) कुल माँग व आवधिक जमा **(दोनों उत्तर सही हैं, अतःदोनों में से किसी भी उत्तर पर** | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **अंक दिए जायें**) | |
| **11** | **प्रश्न:** 'चालू खाता घाटे' तथा 'व्यापार घाटे' में अंतर स्पष्ट कीजिए ।<br>**उत्तर: चालू खाता घाटे** का अर्थ दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा एक पक्षीय हस्तांतरण के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियों पर ,दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा एक पक्षीय हस्तांतरण के लिए किए गए आयात के कारण विदेशी विनिमय भुगतानो की अधिकता से हैं। जबकि;<br>**व्यापार घाटे** का अर्थ है दृश्य मदों के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियों पर दृश्य मदों के आयात के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतानो की अधिकता से हैं।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "लेखांकन अर्थ में, भुगतान संतुलन (BOP) सदैव संतुलित रहता है ।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए ।<br>**उत्तर:** दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। भुगतान संतुलन खाता द्विप्रविष्टि बहीखाता प्रणाली पर आधारित है। स्वायत्त लेन देन के कारण उत्पन्न कोई भी घाटा/अतिरेक मौद्रिक प्राधिकारी द्वारा समायोजन सौदों में तदनुसार अतिरेक/ घाटे द्वारा ठीक किये जाते हैं। | 1 ½<br>1 ½<br>3 |
| **12** | **प्रश्न:** निम्नलिखित आँकड़ों से (a) राजस्व घाटे व (b) राजकोषीय घाटे की गणना कीजिये:<br>(i) कर राजस्व 1,200<br>(ii) राजस्व व्यय 3,700<br>(iii) गैर-कर राजस्व 2,000<br>(iv) ऋणों की वसूली 145<br>(v) पूँजीगत व्यय 500<br>(vi) विनिवेश 120<br>(vii) ब्याज भुगतान 1,070<br>**उत्तर:** - (a) राजस्व घाटा = [ (ii) – {(i) + (iii)} ]<br>= 3700-(1200+2000)<br>= ₹500 करोड़<br>(b) राजकोषीय घाटे = [ {(ii)+(v)}-{(iii)+(i)+(iv)+(vi)} ]<br>=[ (3700+500) – (2000+1200+145+120) ]<br>= [ 4200-3465 ] =₹ 735 करोड़ | ½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½ |
| **13** | **प्रश्न:** "भारतीय रिज़र्व बैंक ने अर्थव्यवस्था में गिरती हुई माँग को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में बैंक दर में कमी की है ।" केन्द्रीय बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के औचित्य को विस्तार से समझाइए।<br>**उत्तर:** बैंक दर, ब्याज की वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक, व्यवसायिक बैंकों को उनकी दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देता है। बैंक दर में कमी, व्यवसायिक बैंकों को उनकी ब्याज दरों में कमी के लिए प्रेरित करता है। यह सामान्य जनता को अधिक उधार लेने के लिए उत्साहित करता है। जो उनकी प्रयोज्य आय को बढ़ाता है। यह अर्थव्यवस्था में समग्र मांग को | 4 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | को बढ़ावा देता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | |
| **14** | **प्रश्न:** दिए गए चित्र में, "KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए ।<br>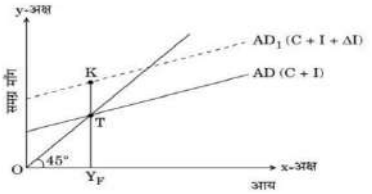<br><br>**उत्तर** "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है।<br>स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -<br>**i. करों में वृद्धि** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है।<br>**ii. सरकारी व्यय में कमी** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है।<br>**दृष्टि *बाधित छात्रों* के लिए:**<br>**प्रश्न** अवस्फीति अंतराल का क्या अर्थ है ? अवस्फीति अंतराल की परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए ।<br>**उत्तर** अवस्फीतिक अंतराल उस अंतराल को दर्शाता है जिसमें पूर्ण रोजगार के स्तर पर समग्र मांग, समग्र पूर्ति से कम होती है ।ऐसी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक दो राजकोषीय उपाय निम्न है-<br>**i. करों में कमी** - अवस्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करो में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में वृद्धि करता है जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग बढ़ती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर करने में सहायक है।<br>**ii. सरकारी खर्च में वृद्धि** - अवस्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने खर्च में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में वृद्धि करता है जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग बढ़ती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर करने में सहायक है। | 1<br>1 ½<br>1 ½<br>1<br>1 ½<br>1 ½ |
| **15** | **प्रश्न**: निम्नलिखित आँकड़ों से बाज़ार कीमत पर सकल मूल्य वृद्धि ($GVA_{MP}$) की गणना कीजिए :<br>(i) मूल्यह्रास 20<br>(ii) घरेलू बिक्री 200<br>(iii) स्टॉक में परिवर्तन (-) 10<br>(iv) निर्यात 10<br>(v) एकल उपयोग उत्पादक वस्तुएँ 120<br>(vi) निवल अप्रत्यक्ष कर 20<br>**उत्तर**- $GVA_{MP}$ = [(ii)+(iii)+(iv)]-(v)<br>= [200+(-)10+10]-120<br>=200-120<br>= ₹ 80 लाख<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** किसी वर्ष में एक अर्थव्यवस्था में मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) का मूल्य ₹ 2,500 करोड़ था । उसी वर्ष के दौरान, देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) का मूल्य किसी आधार वर्ष की कीमत पर ₹ 3,000 करोड़ था । प्रतिशत के रूप में वर्ष के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अवस्फीतिक के मूल्य की गणना कीजिए । क्या आधार वर्ष और उल्लिखित वर्ष के बीच कीमत स्तर में वृद्धि हुई है ?<br>**उत्तर:** दिया गया है - मौद्रिक (GNP) = ₹ 2,500 करोड़ और वास्तविक GNP = ₹3000 करोड़, | 2<br>1<br>½<br>½ |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | (GNP) अवस्फीतिक = $\frac{\text{मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद}}{\text{वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद}} \times 100$<br>= $\frac{2500}{3000}$ x 100<br>= 83.33 %<br>नही, उल्लिखित वर्ष में आधार वर्ष की तुलना में कीमत स्तर में 16.67% की कमी हुई है। | 2<br>½<br>½<br>1 |
| **16** | **प्रश्न:** नीचे दिए गए आँकड़ों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :<br>(i) निवेश का नियोजित स्तर = ₹ 200 करोड़<br>(ii) C = 100 + 0-8Y<br>(a) आय के संतुलन स्तर का निर्धारण कीजिए।<br>(b) आय के संतुलन स्तर पर बचत व उपभोग व्यय की गणना कीजिए।<br>**उत्तर: (a)** Y= C + I<br>Y= (100+ 0. 8Y) +200<br>= 300+0.8 Y<br>Y-0.8 Y= 300<br>0.2 Y =300<br>Y= 300/0.2<br>आय का संतुलन स्तर = ₹1500 करोड़<br>**(b)** C = $\bar{C}$ + 0.8<br>= 100+ 0.8(1500) ( दिया है Y = 150)<br>= 100 + 1200<br>उपभोग= ₹1300 करोड़<br>बचत = आय (Y)- उपभोग (C)<br>= 1500 - 1300<br>= ₹ 200 करोड़ | ½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½ |
| **17** | **प्रश्न** 17. राष्ट्रीय आय के आकलन में आने वाली, दोहरी गणना की समस्या को परिभाषित कीजिए। दोहरी गणना की समस्या के निवारण के दो दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए।<br>उत्तर वस्तुओं के मूल्य की एक से अधिक बार गणना के कारण राष्ट्रीय आय के आकलन में दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न होती है। यह अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के अधिमूल्यन से सम्बंधित है।<br>दोहरी गणना की समस्या के निवारण के दो दृष्टिकोण निम्नलिखित हैं:<br>(i) अंतिम उत्पाद विधि - इस विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय का आकलन करते समय केवल अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को शामिल करना चाहिए।<br>(ii) मूल्य वृद्धि विधि - इस विधि के अनुसार प्रत्येक उत्पादक इकाई द्वारा की गई केवल मूल्य वृद्धि के योग को सम्मिलित करना चाहिए। इसका अर्थ है कि मध्यवर्ती उपभोग के मूल्य शामिल नही किया जाना चाहिए। | 2<br>2<br>2 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **अथवा**<br>**प्रश्न:** निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए :<br>(a) पूँजीगत वस्तुएँ (b) सकल घरेलू उत्पाद (c) प्रवाह चर (d) संपत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय<br>**उत्तर:** (a) पूँजीगत वस्तुएँ वे अंतिम वस्तुएं हैं जो दूसरी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पाद में सहयोग करती है। उदाहरण मशीनरी<br>b) सकल घरेलू उत्पाद, किसी देश की घरेलू सीमा के अंदर एक वर्ष की अवधि में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल बाजार मूल्य का योग है।<br>c) प्रवाह चर वह चर है जिन्हें समय की एक अवधि में मापा जाता है। उदाहरण राष्ट्रीय आय।<br>d) संपत्ति तथा उद्यमशीलता से आय वह आय हैं जो भौतिक / आर्थिक / बौद्धिक संपत्ति के स्वामित्व से उत्पन्न होती है तथा वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के योगदान में उद्यमी को पारितोषिक स्वरूप लाभ,रायल्टी, किराया, ब्याज आदि के रूप में प्राप्त होती है। | 1 ½<br>1 ½<br>1 ½<br>1 ½ |
| | **खण्ड ख (भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास)** | |
| **18** | **प्रश्न:** किसी व्यक्ति के लिए अधिकतम भूमि-धारण (अधिपत्य) की सीमा का निर्धारण_______कहलाता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** भूमि की अधिकतम सीमा निर्धारण। | **1** |
| **19** | **प्रश्न:** स्वतंत्र भारत में पहला औद्योगिक नीति प्रस्ताव वर्ष ------------ में लागू किया गया था। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>A) 1948 (B) 1950 (C ) 1954 (D)1956<br>**उत्तर:** (A) 1948 | 1 |
| **20** | **प्रश्न:** केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने ______श्रेणियों के बड़े तथा मध्यम उद्योगों की पहचान प्रदूषित करने वाले उद्योगों के रूप में की है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 15 (B) 17 (C) 19 (D)13<br>**उत्तर:** (B) 17 | **1** |
| **21** | **प्रश्न:** 8 नवंबर, 2016 को पुरानी महात्मा गाँधी श्रेणी के _____और___करेंसी नोटों को कानूनी रूप में अवैध घोषित कर दिया गया था।<br>(A) ₹50 और ₹100 (B) ₹500 और ₹1000 (C) ₹500 और ₹2000 (D) ₹500 और ₹200<br>**उत्तर:** (B) ₹500 and ₹1000 | **1** |
| **22** | **प्रश्न:** 'पशुधन' का अर्थ लिखिए।<br>**उत्तर:** वे पशु जिन्हें श्रम और सामग्री उत्पादन के लिए पालतू (कृषि संबंधी परिवेश में) बनाकर पाला जाता है,पशुधन कहलाता है। जैसे मवेशी, बकरियाँ आदि। **(अन्य दूसरे उचित अर्थ को भी अंकित किया जाय)** | 1 |
| **23** | **प्रश्न:** 'मानव पूँजी निर्माण' को परिभाषित कीजिए।<br>**उत्तर:** मानव पूंजी निर्माण एक समय-अवधि में देश में कुशल और सक्षम लोगों को बढ़ाने की प्रक्रिया है। **(अन्य कोई उचित परिभाषा)**<br>**अथवा**<br>*कॉलम II* में दिए गए संबंधित वर्षों के साथ मिलान करके कॉलम I में दिए गए विकल्पों के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए:<br><br>*कॉलम I* / कॉलम II<br>a. जन धन योजना — (i) 2005<br>b. प्रभावी उपभोग माँग और न्यूनतम आवश्यकता अनुमानन कार्य बल — (ii) 1962<br>c. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम — (iii) 1979<br>d. निर्धनता के लिए योजना आयोग द्वारा गठित अध्ययन दल — (iv) 2014<br><br>निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए :<br>(A) a-(iv), b-(i), c-(ii), d-(iii) (B) a-(iv), b-(ii), c-(i), d-(iii)<br>(C) a-(iv), b-(iii), c-(i), d-(ii) (D) a-(iv), b-(ii), c-(iii), d-(i)<br>**उत्तर:** (C) a-(iv), b-(iii), c-(i),d-(ii) | 1<br><br>1 |
| **24** | **प्रश्न:** 'कम्यून' का अर्थ लिखिए।<br>**उत्तर:** चीन में महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति के अंतर्गत सामूहिक खेती की वह व्यवस्था जिसमें लोगो से संयुक्त रूप से खेती करवाई गई, कम्यून कहलाता है। | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| **25** | **प्रश्न**: "गूगल ने भारत में 4000 स्नातक विद्यार्थियों को नौकरी पर रखा है।"<br>दिया गया कथन औपचारिक क्षेत्रक/अनौपचारिक क्षेत्रक रोज़गार से संबंध रखता है। (सही प्रकार के रोज़गार का चयन कीजिए)<br>**उत्तर:** औपचारिक क्षेत्रक | 1 |
| **26** | **प्रश्न:** वस्तु और सेवा कर (GST) के लागू होने के पश्चात् हटाए गए करों में से एक_____कर है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** वैट (वैल्यू एडेड टैक्स ) **( कोई अन्य उचित उदाहरण)** | 1 |
| **27** | **प्रश्न:** कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित घटनाओं को व्यवस्थित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए :<br>(i) चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना (ii) पाकिस्तान का निर्माण<br>(iii) भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना (iv) चीन की प्रथम पंचवर्षीय योजना<br>***विकल्प:*** (A) (i), (iv), (ii), (iii) (B) (iii), (ii), (i), (iv) (C) (ii), (i), (iii), (iv) (D) (iv), (iii), (ii), (i)<br>**उत्तर:** (C) (ii),(i),(iii),(iv) | 1 |
| **28** | **प्रश्न:** "आर्थिक संवृद्धि में तीव्र वृद्धि अवश्य ही पूर्णतः निर्धन वर्ग के व्यक्तियों तक धीरे-धीरे पहुँच जाती है।" दिए गए कथन का मान्य तर्कों सहित समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर:** कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि -<br>(i) तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि बहुत कम हुई।<br>(ii) हरित क्रांति ने क्षेत्रीय विषमताओं को बढ़ाया और बड़े तथा छोटे किसानों के बीच खाई गहरी की।<br>(iii) आर्थिक सुधारों के अधिकांश लाभों को धनी वर्ग द्वारा हथिया लिया गया।<br>**(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)** | 1<br>1<br>1 |
| **29** | **प्रश्न**: "अनौपचारिक क्षेत्र के बजाय औपचारिक क्षेत्र में रोज़गार का सृजन करना आवश्यक है।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का समर्थन या खंडन कीजिए।<br>**उत्तर:** दिया गया कथन सत्य है और निम्न तर्कों के आधार पर इसका समर्थन किया जाता है -<br>(i) रोजगार का औपचारिक क्षेत्र, अनौपचारिक क्षेत्र की तुलना में अधिक अच्छी कार्य सुरक्षा प्रदान करता हैं।<br>(ii) औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अंतर्गत लोग अधिक अच्छे सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त करने के अधिकारी होते हैं।<br>**(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारतीय विद्युत् क्षेत्रक की किन्हीं दो चुनौतियों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** भारतीय विद्युत क्षेत्रक में दो चुनोतियाँ हैं -<br>(i) भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता अपर्याप्त है और उसका भी पूर्ण उपयोग नही हो पाता। भारत में शक्ति सयंत्रों की कार्यात्मक क्षमता जिसे प्लांट लोड फैक्टर (PLF) के रूप में दर्शाया जाता है, बहुत कम है।<br>(ii) राज्य विद्युत बोर्ड संचरण और वितरण की हानि, बिजली की दोषपूर्ण कीमतें और अन्य अकुशलताओ से त्रस्त हैं।<br>**(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)** | 1 ½<br>1 ½<br>1 ½<br>1 ½ |
| **30** | **प्रश्न:** "भारत, चीन व पाकिस्तान ने विभिन्न परिणामों के साथ, सात दशकों से अधिक की विकास पथ की यात्रा की है।" मान्य तर्कों के साथ दिए गए कथन को समझाइए।<br>**उत्तर: (i)** 1970 के अंत तक तीनों देशों निम्न विकास के लगभग समान स्तर को बनाए हुए थे।<br>(ii) पिछले तीन दशकों में तीनों देशों ने विकास के विभिन्न स्तर प्राप्त किए हैं।<br>★ भारत ने इन वर्षों में सामान्य प्रदर्शन किया है। यहां अधिकांश लोग अभी भी कृषि पर निर्भर हैं। आधारभूत संरचना की कमी है और एक चौथाई से अधिक जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है।<br>★ पाकिस्तान ने राजनीतिक अस्थिरता, विप्रेषित धन और विदेशी सहायता पर अत्यधिक निर्भरता और कृषि में अस्थिर प्रदर्शन के कारण निम्न प्रदर्शन किया है।<br>★ चीन ने अर्थव्यवस्था के विकास की दर को बढ़ाने के साथ-साथ गरीबी के उन्मूलन पर दबाव बनाने के लिए बाजार व्यवस्था का प्रयोग किया। जिसमे वह काफी हद तक सफल रहा। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**<br>**(कोई अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)** | **1**<br>**1**<br>**1**<br>**1** |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| **31** | **प्रश्न**: भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में 'आधुनिकता' के चयन के औचित्य की संक्षेप में चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** आधुनिकता का उद्देश्य नवीन तकनीकी के रास्ते को अपनाकर वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में वृद्धि करना है। नई तकनीकी द्वारा लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने तथा सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन हेतु स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना के उद्देश्य के रूप आधुनिकीकरण को चुना गया था।<br>**(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए) (कोई अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)** | 4 |
| **32** | **प्रश्न:** "कृषि क्षेत्र आर्थिक सुधार प्रक्रिया से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है।" दिए गए कथन का वर्णन कीजिए।<br>**उत्तर:** कृषि क्षेत्रक आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया से बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि-<br>(i) आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के समय कृषि क्षेत्रक में विशेषकर सिचाई, शक्ति जैसी आधारभूत संरचना में सार्वजनिक निवेश में कमी आयी।<br>(ii) उर्वरकों की सब्सिडी कम करने के कारण उत्पाद की लागत बढ़ गई जिसके कारण छोटे और सीमांत किसानों पर बुरा प्रभाव पड़ा।<br>(iii) उदारीकरण और आयात शुल्कों में कमी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वृद्धि।<br>(iv) निर्यात केंद्रित नीति के कारण कृषि में खाद्य फसलो से नगद फसलो की ओर बदलाव हुआ जिसने खाद्य फसलो की कीमतों में वृद्धि की। **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारत को प्रायः विश्व का 'बाह्यप्रापण गंतव्य' कहा जाता है। भारत को दिए गए इस नाम के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** भारत को विश्व का "बाह्य प्रापण गंतव्य" कहने के मुख्य कारण हैं -<br>(1) कुशल मानव शक्ति की उपलब्धता - भारत में कुशल मानव शक्ति की बहुतायत है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विश्वास को बढ़ाता है।<br>(2) अनुकूल सरकारी नीतियां - भारतीय सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विभिन्न प्रकार के लाभप्रद प्रस्ताव जैसे करो मे छूट, करो की निम्न दर आदि, देती है जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित होती है। **(या अन्य कोई उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)** | 1<br>1<br>1<br>1<br>2+2 |
| **33** | **प्रश्न:(a)** "ग्रामीण भारत के लिए उज्ज्वला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है।" ऐसे किन्हीं तीन पारंपरिक ईंधनों का उल्लेख कीजिए, जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में एल.पी.जी. सिलेंडर वितरण योजना (उज्ज्वला योजना) कार्य कर रही है।<br>**उत्तर: (a)** ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर ( स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है।<br>तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्जवला योजना के कारण कम हुआ है:<br>(i) कृषि अवशेष और सूखा गोबर।<br>(ii) जलाने की लकड़ी।<br>(iii) कोयला। **(अन्य कोई उचित उदाहरण)**<br>**प्रश्न: (b)** "स्वयं को ठीक करने के लिए भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक की आवश्यकता है।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर: (b)** इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से धीमी रही है। दूसरे कारणों के साथ साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रहा है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए) (अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न: (a)** नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों में महिलाएँ कम क्यों हैं ?<br>**(b)** भारत में कार्यबल के क्षेत्रीय वितरण में हाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए :<br>**रोज़गार पद्धति की प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रक), 1993 - 2012 (प्रतिशत में)**<br>क्षेत्रक \| 1993-94 \| 1999-2000 \| 2011-2012<br>प्राथमिक \| 64 \| 60.4 \| 48.9<br>द्वितीयक \| 16 \| 15.8 \| 24.3<br>सेवा \| 20 \| 23.8 \| 26.8<br>**उत्तर: (a)** (i) नियमित वेतन भोगी कर्मचारियों में महिलाओं की संख्या कम होती है क्योंकि इस तरह के कार्य के लिए बौद्धिक कौशल तथा उच्च स्तर की शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता होती है | 1<br>1<br>1<br>3<br>1 ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | (ii) सामाजिक बंधनों के कारण महिलाओं में गतिशीलता की में कमी होती है।<br><br>**(b)** दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है।<br>**(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए) (या अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या)** | 1 ½<br><br>3 |
| **34** | **प्रश्न:** (a) "मानव पूँजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं ? मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।<br>(b) भारत में ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।<br>**उत्तर: (a)** हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनो की उत्पादकता को ही नही बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता हैं। शिक्षा में निवेश नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता,वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है। क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यतया नई तकनीकी तथा नवोत्थान को तेजी से सीखता तथा अपनाता है। **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये) (पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**<br>**(b)** बैंकिंग व्यवस्था के तेजी से विस्तार ने ग्रमीण कृषि तथा गैर कृषि उत्पादन, आय तथा रोजगार पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। इसके बावजूद ग्रामीण बैंकिंग निम्न समस्याओं का सामना कर रहा है-<br>★देश मे ग्रामीण साख की मात्रा अभी भी इसकी मांग की तुलना में अपर्याप्त है तथा साख के संस्थागत स्रोत्र देश के सभी ग्रामीण किसानों तक पहुँचने में असफल रहे हैं।<br>★ जरूरतमंदों ( छोटे और सीमांत किसान) की साख आवश्यकताओं पर कम ध्यान दिया गया है। कृषि साख में कर्ज न चुका पाने की समस्या लगातार बनी हुई है। **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)** | 3<br><br>1 ½<br><br>1 ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

HMJ/1

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/3/3**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| प्रश्न. | अपेक्षित उत्तर<br><br>**खण्ड -क (समष्टि अर्थशास्त्र)** | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्नः** मुद्रा आपूर्ति के घटकों के नाम लिखिए।<br>**उत्तरः** मुद्रा पूर्ति के दो घटक हैं- **(i)** जनता के पास करेंसी। **(ii)** व्यवसायिक बैंकों के पास मांग जमाए। | ½ + ½ |
| 2 | **प्रश्नः** निम्नलिखित में से कौन-सा एक गैर-कर राजस्व प्राप्ति न *हीं* है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>**(A)** वस्तु और सेवा कर **(B)** बाहरी अनुदान **(C)** लाभांश व लाभ **(D)** विनिवेश<br>**उत्तरः** **(A)** वस्तु और सेवा कर | **1** |
| 3 | **प्रश्नः** यदि किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू मुद्रा विनिमय दर में वृद्धि होती है, तो उस अर्थव्यवस्था के निर्यात के मूल्य में _____ होने की संभावना है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तरः** गिरावट/ कमी | 1 |
| 4 | **प्रश्नः** किसी अर्थव्यवस्था में अवस्फीति अंतराल माँग में _____(अधिकता/अल्पता) दर्शाता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तरः** अल्पता/ गिरावट | **1** |
| 5 | **प्रश्नः** अनैच्छिक बेरोज़गारी का अर्थ लिखिए।<br>**उत्तरः** अनैच्छिक बेरोज़गारी एक ऐसी स्थिति को दर्शाता है जिसमें ऐसे सभी लोग जो वर्तमान मजदूरी दरों पर काम करने के इच्छुक हैं तथा योग्य हैं, को रोज़गार प्राप्त नही होता है। **(अन्य किसी प्रामाणिक परिभाषा के लिए भी अंक दिए जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्नः** औसत बचत प्रवृत्ति **(APS)** _____तथा _____ का अनुपात होता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तरः** कुल बचत तथा कुल आय। | 1<br><br>½ + ½ |
| 6 | **प्रश्नः** वैधानिक तरलता अनुपात के अंतर्गत वाणिज्यिक बैंकों को तरल परिसम्पत्तियों के रूप में _____ का एक अंश रखना आवश्यक होता है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>**(A)** कुल जमा **(B)** आवधिक जमा **(C)** कुल माँग व आवधिक जमा **(D)** चालू जमा<br>**उत्तरः** **(A)** कुल जमा या**(C)** कुल माँग व आवधिक जमा **(दोनों उत्तर सही हैं, अतःदोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिए जायें)** | 1 |
| 7 | **प्रश्नः** उल्लेख कीजिए कि, निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य:<br>"सरकारी बजट एक वार्षिक विवरण है जो पिछले वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की वास्तविक प्राप्तियों तथा वास्तविक भुगतानों को दर्शाता है।"<br>**उत्तरः** **असत्य** | **1** |
| 8 | **प्रश्नः** प्राथमिक घाटा शून्य हो सकता है, यदि _____। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**(A)** राजकोषीय घाटा = ब्याज भुगतान **(B)** राजकोषीय घाटा < ब्याज भुगतान<br>**(C)** राजकोषीय घाटा > ब्याज भुगतान **(D)** राजस्व घाटा < राजकोषीय घाटा<br>**उत्तरः** **(A)** राजकोषीय घाटा = ब्याज भुगतान | 1 |
| 9 | **प्रश्नः** उल्लेख कीजिए कि, निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य : | |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | "भुगतान संतुलन **(BOP)** में आधिकारिक आरक्षित लेनदेनों को समंजन मदों के रूप में लिया जाता है।"<br>**उत्तर:** सत्य | 1 |
| **10** | **प्रश्न:** भुगतान संतुलन में समंजन मदों को परिभाषित कीजिए।<br>**उत्तर:** समंजन मदें वे मदें है जो मौद्रिक प्राधिकारी द्वारा देश के भुगतान शेष खाते में असंतुलन **(**अतिरेक **/** घाटा**)** को पूरा करने के लिए की जाती है। | 1 |
| **11** | **प्रश्न: 'चालू खाता घाटे'** तथा **'व्यापार घाटे'** में अंतर स्पष्ट कीजिए।<br>**उत्तर: चालू खाता घाटे** का अर्थ दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा एक पक्षीय हस्तांतरण के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियों पर ,दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा एक पक्षीय हस्तांतरण के लिए किए गए आयात के कारण विदेशी विनिमय भुगतानो की अधिकता से हैं। जबकि;<br>**व्यापार घाटे** का अर्थ है दृश्य मदों के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियों पर दृश्य मदों के आयात के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतानो की अधिकता से हैं।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "लेखांकन अर्थ में, भुगतान संतुलन **(BOP)** सदैव संतुलित रहता है।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर:** दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। भुगतान संतुलन खाता द्विप्रविष्टि बहीखाता प्रणाली पर आधारित है। स्वायत्त लेन देन के कारण उत्पन्न कोई भी घाटा/अतिरेक मौद्रिक प्राधिकारी द्वारा समायोजन सौदों में तदनुसार अतिरेक/ घाटे द्वारा ठीक किये जाते हैं। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 1 ½<br>1 ½<br>3 |
| **12** | **प्रश्न:** निम्नलिखित आँकड़ों से **(a)** राजस्व घाटे व **(b)** राजकोषीय घाटे की गणना कीजिए: | |

| | विवरण | राशि **(** ₹ करोड़ में**)** |
|---|---|---|
| (i) | गैर-कर राजस्व | 2,300 |
| (ii) | कर राजस्व | 1,000 |
| (iii) | ऋणों की वसूली | 145 |
| (iv) | राजस्व व्यय | 3,500 |
| (v) | पूँजीगत व्यय | 580 |
| (vi) | विनिवेश | 300 |
| (vii) | ब्याज भुगतान | 1,013 |

**उत्तर:** राजस्व घाटा **= [ (iv) – {(i) + (ii)} ]** ½

= 3500-(1000+2300) ½

**=** ₹200 करोड़ ½

राजकोषीय घाटे **= [ {(iv)+(v)}-{(i)+(ii)+(iii)+(vi)} ]** ½

=[ (3500+580) – (2300+1000+145+300) ] ½

= ₹ **335** करोड़ ½



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 13 | **प्रश्न:** "भारतीय रिज़र्व बैंक ने अर्थव्यवस्था में गिरती हुई माँग को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में नक़द आरक्षित अनुपात में कमी की है।" केन्द्रीय बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के औचित्य को विस्तार से समझाइए।<br>**उत्तर:** नकद आरक्षित अनुपात का अर्थ वाणिज्यिक बैंको के द्वारा केंद्रीय बैंक के पास रखे जाने वाले मांग तथा आवधिक जमाओ के न्यूनतम प्रतिशत से है। नकद आरक्षित अनुपात में कमी, व्यवसायिक बैंकों के अतिरिक्त कोषों को बढ़ा देती है जो उन्हें ब्याज दरों में कमी के लिए प्रेरित करता है। यह सामान्य जनता को अधिक उधार लेने के लिए उत्साहित करता है। जो उनकी प्रयोज्य आय को बढ़ाता है। यह अर्थव्यवस्था मे समग्र मांग को को बढ़ावा देता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 4 |
| 14 | **प्रश्न:** दिए गए चित्र में, **"KT"** अंतराल क्या प्रदर्शित करता है **?** इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।<br>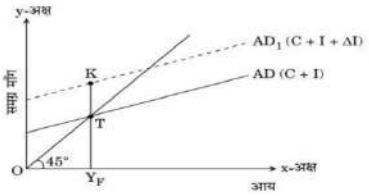<br><br>**उत्तर: "KT"** स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है।<br>स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है **-**<br>**i. करों में वृद्धि -** स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है।<br>**ii. सरकारी व्यय में कमी -** स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है।<br>**दृष्टि*बाधित छात्रों* के लिए:**<br>**प्रश्न** अवस्फीति अंतराल का क्या अर्थ है **?** अवस्फीति अंतराल की परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** अवस्फीतिक अंतराल उस अंतराल को दर्शाता है जिसमें पूर्ण रोजगार के स्तर पर समग्र मांग, समग्र पूर्ति से कम होती है ।ऐसी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अवश्य दो राजकोषीय उपाय निम्न है-<br>**(i) करों में कमी -** अवस्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करो में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में वृद्धि करता है जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग बढ़ती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर करने में सहायक है।<br>**(ii) सरकारी खर्च में वृद्धि -** अवस्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने खर्च में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में वृद्धि करता है जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग बढ़ती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर करने में सहायक है। | 1<br>1 ½<br>1 ½<br>1<br>1 ½<br>1 ½ |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

**15**

**प्रश्न**: निम्नलिखित आँकड़ों से बाज़ार कीमत पर सकल मूल्य वृद्धि **($GVA_{MP}$)** की गणना कीजिए :

| | विवरण | राशि **(₹** लाख में**)** |
|---|---|---|
| (i) | मूल्यह्रास | 20 |
| (ii) | घरेलू बिक्री | 200 |
| (iii) | स्टॉक में परिवर्तन | (-) 10 |
| (iv) | निर्यात | 10 |
| (v) | एकल उपयोग उत्पादक वस्तुएँ | 120 |
| (vi) | निवल अप्रत्यक्ष कर | 20 |

**उत्तर:** $GVA_{MP}$ = [(ii)+(iii)+(iv)]-(v) — 2

= [200+(-)10+10]-120 — 1

=200-120 — ½

= ₹80 लाख — ½

**अथवा**

**प्रश्न:** किसी वर्ष में एक अर्थव्यवस्था में मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद **(GNP)** का मूल्य **₹ 2,500** करोड़ था। उसी वर्ष के दौरान, देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद **(GNP)** का मूल्य किसी आधार वर्ष की कीमत पर **₹ 3,000** करोड़ था। प्रतिशत के रूप में वर्ष के सकल राष्ट्रीय उत्पाद **(GNP)** अवस्फीतिक के मूल्य की गणना कीजिए। क्या आधार वर्ष और उल्लिखित वर्ष के बीच कीमत स्तर में वृद्धि हुई है ?

**उत्तर:** दिया गया है - मौद्रिक **(GNP) = ₹ 2,500** करोड़ और वास्तविक **GNP = ₹3000** करोड़, — 2

**(GNP)** अवस्फीतिक $= \frac{\text{मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद}}{\text{वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद}} \times 100$ — ½

$= \frac{2500}{3000} \times 100$

$= 83.33\ \%$ — ½

नही, उल्लिखित वर्ष में आधार वर्ष की तुलना में कीमत स्तर में **16.67%** की कमी हुई है। — 1

**16**

**प्रश्न:** राष्ट्रीय आय के आकलन में आने वाली, दोहरी गणना की समस्या को परिभाषित कीजिए। दोहरी गणना की समस्या के निवारण के दो दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए।

**उत्तर:** वस्तुओं के मूल्य की एक से अधिक बार गणना के कारण राष्ट्रीय आय के आकलन में दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न होती है। यह अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के अधिमूल्यन से सम्बंधित है। — 2

दोहरी गणना की समस्या के निवारण के दो दृष्टिकोण निम्नलिखित हैं: — 2

**(i)** अंतिम उत्पाद विधि - इस विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय का आकलन करते समय केवल अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को शामिल करना चाहिए। — 2

**(ii)** मूल्य वृद्धि विधि - इस विधि के अनुसार प्रत्येक उत्पादक इकाई द्वारा की गई केवल मूल्य वृद्धि के योग को सम्मिलित करना चाहिए। इसका अर्थ है कि मध्यवर्ती उपभोग के मूल्य शामिल नही किया जाना चाहिए।

**अथवा**

**प्रश्न:** निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए :

**(a)** पूँजीगत वस्तुएँ **(b)** सकल घरेलू उत्पाद **(c)** प्रवाह चर **(d)** संपत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय — 1 ½

**उत्तर: (a)** पूँजीगत वस्तुएँ वे अंतिम वस्तुएं हैं जो दूसरी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पाद में सहयोग करती है। उदाहरण मशीनरी

**b)** सकल घरेलू उत्पाद, किसी देश की घरेलू सीमा के अंदर एक वर्ष की अवधि में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल बाजार मूल्य का योग है। — 1 ½

**c)** प्रवाह चर वह चर है जिन्हें समय की एक अवधि में मापा जाता है। उदाहरण राष्ट्रीय आय। — 1 ½



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | d) संपत्ति तथा उद्यमशीलता से आय वह आय हैं जो भौतिक / आर्थिक / बौद्धिक संपत्ति के स्वामित्व से उत्पन्न होती है तथा वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के योगदान में उद्यमी को पारितोषिक स्वरूप लाभ,रायल्टी, किराया, ब्याज आदि के रूप में प्राप्त होती है। | 1 ½ |
| 17 | प्रश्नः नीचे दिए गए आँकड़ों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :<br>(i) नियोजित निवेश = ₹ 200 करोड़<br>(ii) C = 50 + 0.8 Y<br>(a) आय के संतुलन स्तर पर निर्धारण कीजिए।<br>(b) आय के संतुलन स्तर पर बचत व उपभोग व्यय की गणना कीजिए।<br>उत्तरः (a) आय के संतुलन स्तर पर-<br>Y = C +I<br>C & I का मान रखने पर<br>Y = (50 + 0.8Y) +200<br>0.2Y=250<br>Y= ₹1250 करोड़<br>आय का संतुलन स्तर = ₹ 1250 crores<br><br>b) C = $\bar{C}$ + bY<br>= 50+ (0.8)(1250)<br>= 50 + 1000<br>= ₹1050 करोड़<br>S = Y-C<br>= 1250-1050<br>= ₹ 200 करोड़ | 1<br>1<br>½<br>½<br><br>½<br>½<br>½<br>½<br>½<br>½ |
| | **खण्ड ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास** | |
| 18 | प्रश्नः केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने _____श्रेणियों के बड़े तथा मध्यम उद्योगों की पहचान प्रदूषित करने वाले उद्योगों के रूप में की है। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) 15 (B) 17 (C) 19 (D)13<br>उत्तरः (B) 17 | **1** |
| 19 | प्रश्नः 'कम्यून' का अर्थ लिखिए।<br>उत्तरः चीन में महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति के अंतर्गत सामूहिक खेती की वह व्यवस्था जिसमें लोगो से संयुक्त रूप से खेती करवाई गई, कम्यून कहलाता है। | 1 |
| 20 | प्रश्नः स्वतंत्र भारत में पहला औद्योगिक नीति प्रस्ताव वर्ष ----------- में लागू किया गया था। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>A) 1948 (B) 1950 (C ) 1954 (D)1956<br>उत्तरः (A) 1948 | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 21 | **प्रश्न:** किसी व्यक्ति के लिए अधिकतम भूमि-धारण (अधिपत्य) की सीमा का निर्धारण_____कहलाता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** भूमि की अधिकतम सीमा निर्धारण। | 1 |
| 22 | **प्रश्न: 8** नवंबर, **2016** को पुरानी महात्मा गाँधी श्रेणी के _____और_____करेंसी नोटों को कानूनी रूप में अवैध घोषित कर दिया गया था। (सही विकल्प का चयन कीजिए)<br>(A) ₹ 50 और ₹ 100 (B) ₹ 500 और ₹ 1000 (C) ₹ 500 और ₹ 2000 (D) ₹ 500 और ₹ 200<br>**उत्तर:** (B) ₹ 500 and ₹ 1000 | 1 |
| 23 | **प्रश्न:** 'स्वयं-सहायता समूहों' का अर्थ लिखिए।<br>**उत्तर:** स्वयं सहायता समूह, ऐसा लघु साख कार्यक्रम है जिनकी स्थापना लघु बचतों को प्रोत्साहित करने के लिए की गई। जिसमे प्रत्येक समूह सदस्य अपनी बचतों से न्यूनतम योगदान देता है। यह साख जरूरतमंद सदस्यो को कम ब्याज दरों पर छोटी किस्तो में वापसी योग्य उधार के रूप में दी जाती है। | 1 |
| 24 | **प्रश्न:** वस्तु और सेवा कर **(GST)** के लागू होने के पश्चात् हटाए गए करों में से एक_____कर है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)<br>**उत्तर:** वैट (वैल्यू एडेड टैक्स ) **( कोई अन्य उचित उदाहरण)** | 1 |
| 25 | **प्रश्न:** 'मानव पूँजी निर्माण' को परिभाषित कीजिए।<br>मानव पूंजी निर्माण एक समय-अवधि में देश में कुशल और सक्षम लोगों को बढ़ाने की प्रक्रिया है। **(अन्य कोई उचित परिभाषा)**<br>**अथवा**<br>*कॉलम* **/** में दिए गए संबंधित वर्षों के साथ मिलान करके कॉलम **I** में दिए गए विकल्पों के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए: | 1 |

| *कॉलम* **/** | | कॉलम **II** | |
|---|---|---|---|
| a. | जन धन योजना | (i) | 2005 |
| b. | प्रभावी उपभोग माँग और न्यूनतम आवश्यकता अनुमानन कार्य बल | (ii) | 1962 |
| c. | महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम | (iii) | 1979 |
| d. | निर्धनता के लिए योजना आयोग द्वारा गठित अध्ययन दल | (iv) | 2014 |

निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

(A) a-(iv), b-(i), c-(ii), d-(iii) (B) a-(iv), b-(ii), c-(i), d-(iii)
(C) a-(iv), b-(iii), c-(i), d-(ii) (D) a-(iv), b-(ii), c-(iii), d-(i)

**उत्तर**: (C) a-(iv), b-(iii), c-(i),d-(ii) — 1

| | | |
|---|---|---|
| 26 | **प्रश्न:** "गूगल ने भारत में **4000** स्नातक विद्यार्थियों को नौकरी पर रखा है।"<br>दिया गया कथन औपचारिक क्षेत्रक/अनौपचारिक क्षेत्रक रोज़गार से संबंध रखता है। (सही प्रकार के रोज़गार का चयन कीजिए)<br>**उत्तर:** औपचारिक क्षेत्रक | 1 |
| 27 | **प्रश्न:** कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित घटनाओं को व्यवस्थित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए :<br>**(i)** चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना **(ii)** पाकिस्तान का निर्माण<br>**(iii)** भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना **(iv)** चीन की प्रथम पंचवर्षीय योजना<br>***विकल्प:*** (A) (i), (iv), (ii), (iii) (B) (iii), (ii), (i), (iv) (C) (ii), (i), (iii), (iv) (D) (iv), (iii), (ii), (i)<br>**उत्तर:** (C) (ii),(i),(iii),(iv) | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| **28** | **प्रश्न:** "अनौपचारिक क्षेत्र के बजाय औपचारिक क्षेत्र में रोज़गार का सृजन करना आवश्यक है।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का समर्थन या खंडन कीजिए।<br>**उत्तर:** दिया गया कथन सत्य है और निम्न तर्कों के आधार पर इसका समर्थन किया जाता है -<br>**(i)** रोजगार का औपचारिक क्षेत्र, अनौपचारिक क्षेत्र की तुलना में अधिक अच्छी कार्य सुरक्षा प्रदान करता हैं।<br>**(ii)** औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अंतर्गत लोग अधिक अच्छे सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त करने के अधिकारी होते हैं।<br>**(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारतीय विद्युत् क्षेत्रक की किन्हीं दो चुनौतियों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** भारतीय विद्युत क्षेत्रक में दो चुनोतियाँ हैं -<br>**(i)** भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता अपर्याप्त है और उसका भी पूर्ण उपयोग नही हो पाता। भारत में शक्ति सयंत्रों की कार्यात्मक क्षमता जिसे प्लांट लोड फैक्टर **(PLF)** के रूप में दर्शाया जाता है, बहुत कम है।<br>**(ii)** राज्य विद्युत बोर्ड संचरण और वितरण की हानि, बिजली की दोषपूर्ण कीमतें और अन्य अकुशलताओ से त्रस्त हैं।<br>**(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)** | 1 ½<br>1 ½<br>1 ½<br>1 ½ |
| **29** | **प्रश्न:** "आर्थिक संवृद्धि में तीव्र वृद्धि अवश्य ही पूर्णतः निर्धन वर्ग के व्यक्तियों तक धीरे-धीरे पहुँच जाती है।" दिए गए कथन का मान्य तर्कों सहित समर्थन अथवा खंडन कीजिए।<br>**उत्तर:** कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि -<br>**(i)** तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि बहुत कम हुई।<br>**(ii)** हरित क्रांति ने क्षेत्रीय विषमताओं को बढ़ाया और बड़े तथा छोटे किसानों के बीच खाई गहरी की।<br>**(iii)** आर्थिक सुधारों के लाभों को धनी वर्ग द्वारा हथिया लिया गया।<br>**(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)** | 1<br>1<br>1 |
| **30** | **प्रश्न:** "कृषि क्षेत्र आर्थिक सुधार प्रक्रिया से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है।" दिए गए कथन का वर्णन कीजिए।<br>**उत्तर:** कृषि क्षेत्रक आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया से बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि-<br>**(i)** आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के समय कृषि क्षेत्रक में विशेषकर सिचाई, शक्ति जैसी आधारभूत संरचना में सार्वजनिक निवेश में कमी आयी।<br>**(ii)** उर्वरकों की सब्सिडी कम करने के कारण उत्पाद की लागत बढ़ गई जिसके कारण छोटे और सीमांत किसानों पर बुरा प्रभाव पड़ा।<br>**(iii)** उदारीकरण और आयात शुल्कों में कमी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वृद्धि।<br>**(iv)** निर्यात केंद्रित नीति के कारण कृषि में खाद्य फसलो से नगद फसलो की ओर बदलाव हुआ जिसने खाद्य फसलो की कीमतों में वृद्धि की। **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारत को प्रायः विश्व का 'बाह्यप्रापण गंतव्य' कहा जाता है। भारत को दिए गए इस नाम के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** भारत को विश्व का "बाह्य प्रापण गंतव्य" कहने के मुख्य कारण हैं -<br>**(1)** कुशल मानव शक्ति की उपलब्धता - भारत में कुशल मानव शक्ति की बहुतायत है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों का विश्वास बढ़ाता है।<br>**(2)** अनुकूल सरकारी नीतियां - भारतीय सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विभिन्न प्रकार के लाभप्रद प्रस्ताव जैसे करो मे छूट, करो की निम्न दर आदि, देती है जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित होती है। **(या अन्य कोई उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)** | 1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>2+2 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 31 | **प्रश्न:** "भारत, चीन व पाकिस्तान ने विभिन्न परिणामों के साथ, सात दशकों से अधिक की विकास पथ की यात्रा की है।" मान्य तर्कों के साथ दिए गए कथन को समझाइए।<br>**उत्तर: (i)** 1970 के अंत तक तीनों देशों निम्न विकास के लगभग समान स्तर को बनाए हुए थे।<br>**(ii)** पिछले तीन दशकों में तीनों देशों ने विकास के विभिन्न स्तर प्राप्त किए हैं।<br>★ भारत ने इन वर्षों में सामान्य प्रदर्शन किया है। यहां अधिकांश लोग अभी भी कृषि पर निर्भर हैं। आधारभूत संरचना की कमी है और एक चौथाई से अधिक जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है।<br>★ पाकिस्तान ने राजनीतिक अस्थिरता, विप्रेषित धन और विदेशी सहायता पर अत्यधिक निर्भरता और कृषि में अस्थिर प्रदर्शन के कारण निम्न प्रदर्शन किया है।<br>★ चीन ने अर्थव्यवस्था के विकास की दर को बढ़ाने के साथ-साथ गरीबी के उन्मूलन पर दबाव बनाने के लिए बाजार व्यवस्था का प्रयोग किया। जिसमे वह काफी हद तक सफल रहा। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**<br>**(कोई अन्य उचित तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 1<br>1<br>1<br>1 |
| 32 | **प्रश्न:** स्वतंत्रता उपरांत काल में लागू किए गए भूमि सुधारों के औचित्य की संक्षेप में चर्चा कीजिए।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार ने भारतीय कृषि में सुधार के लिए विभिन्न संस्थागत/ भूमि सुधार किये जैसे -<br>**भूमि की अधिकतम सीमा -** इस सुधार कार्यक्रम ने कुछ हाथों में भूमि के स्वामित्व के केन्द्रीयकरण को कम करना सुनिश्चित किया।<br>**जमीदारी व्यवस्था का उन्मूलन -** यह किसानों के शोषण को खत्म करने और कृषि उपज के प्रोत्साहन पर केंद्रित था।इन सुधारो ने कृषि को एक आजीविका के रूप में स्थिरता प्रदान की और समानता का बढ़ावा दिया।<br>**(कोई अन्य उचित तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 2<br>2 |
| 33 | **प्रश्न:(a)** "ग्रामीण भारत के लिए उज्ज्वला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है।" ऐसे किन्हीं तीन पारंपरिक ईंधनों का उल्लेख कीजिए, जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में एल.पी.जी. सिलेंडर वितरण योजना (उज्ज्वला योजना) कार्य कर रही है।<br>**उत्तर: (a)** ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर ( स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है। तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्जवला योजना के कारण कम हुआ है:<br>**(i)** कृषि अवशेष और सूखा गोबर।<br>**(ii)** जलाने की लकड़ी।<br>**(iii)** कोयला। **(अन्य कोई उचित उदाहरण)**<br>**प्रश्न: (b)** "स्वयं को ठीक करने के लिए भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक की आवश्यकता है।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।<br>**उत्तर: (b)** इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से धीमी रही है। दूसरे कारणों के साथ साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रहा है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है।<br>**(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** **(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न: (a)** नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों में महिलाएँ कम क्यों हैं ? | 1<br>1<br>1<br>3 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **(b)** भारत में कार्यबल के क्षेत्रीय वितरण में हाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए :<br>**रोज़गार पद्धति की प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रक), 1993 - 2012 (प्रतिशत में)**<br>क्षेत्रक \| 1993-94 \| 1999-2000 \| 2011-2012<br>प्राथमिक \| 64 \| 60.4 \| 48.9<br>द्वितीयक \| 16 \| 15.8 \| 24.3<br>सेवा \| 20 \| 23.8 \| 26.8<br>**उत्तर: (a) (i)** नियमित वेतन भोगी कर्मचारियों में महिलाओं की संख्या कम होती है क्योंकि इस तरह के कार्य के लिए बौद्धिक कौशल तथा उच्च स्तर की शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता होती है<br>**(ii)** सामाजिक बंधनों के कारण महिलाओं में गतिशीलता की में कमी होती है।<br>**(b)** दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। **1993 - 94** से **2011 - 12** के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग **9%** तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग **7%** बढ़ी है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**<br>**(या अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या)** | 1 ½<br>1 ½<br>3 |
| **34** | **प्रश्न: (a)** 'अल्पकालिक निर्धन' का अर्थ लिखिए ।<br>**(b)** भारत में 'ग्रामीण बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।<br>**उत्तर: (a)** अल्पकालिक निर्धन वे लोग हैं जो निरंतर निर्धन और गैर-निर्धन वर्गो में शामिल होते रहते हैं। जैसे छोटे किसान,मौसमी मजदूर।<br>**(b)** बैंकिंग व्यवस्था के तेजी से विस्तार ने ग्रामीण कृषि तथा गैर कृषि उत्पादन, आय तथा रोजगार पर सकारात्मक प्रभाव डाला। इसके बावजूद ग्रामीण बैंकिंग निम्न समस्याओं का सामना कर रहा है।<br>★देश मे ग्रामीण साख की मात्रा अभी भी इसकी मांग की तुलना में अपर्याप्त है तथा साख के संस्थागत स्रोत्र देश के सभी ग्रामीण किसानों तक पहुँचने में असफल रहे हैं।<br>★ जरूरतमंदों ( छोटे और सीमांत किसान) की साख आवश्यकताओं पर कम ध्यान दिया गया है। कृषि साख में कर्ज न चुका पाने की समस्या लगातार बनी हुई है। **(कोई अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)** | 2<br>2<br>2 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

HMJ/1

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/4/1**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| प्रश्न | अपेक्षिक उत्तर<br>खण्ड –क समष्टि अर्थशास्त्र | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न** : मुद्रा पूर्ति के दो घटक _____तथा _____हैं। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर:** मुद्रा पूर्ति के दो घटक हैं- 1) जनता के पास करेंसी। 2) व्यवसायिक बैंकों के पास मांग जमाए।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** मौद्रिक नीति का मुख्य उद्देश्य----------है। (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता लाना। (ख) देश में रोजगार सृजन करना।<br>(ग) व्यापार अधिशेष में वृद्धि करना। (घ) अधिक कर राजस्व अर्जित करना।<br>**उत्तर** : (क) अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता लाना। | ½+ ½<br>1 |
| 2 | **प्रश्न** : उल्लेख करे कि, दिया गया कथन सत्य अथवा असत्य है : **'अप्रत्याशित अप्रचलन मूल्यह्रास का एक घटक है।'**<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 3 | **प्रश्न:** एक विद्यार्थी, रोहिणी के बटुए में रखा ₹2,000 का नोट _____ (स्टॉक/प्रवाह) चर का उदाहरण है।<br>**उत्तर:** स्टॉक | 1 |
| 4 | **प्रश्न:** मध्यवर्ती उपभोग को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** उत्पादन प्रक्रिया के दौरान उपभोग की गई वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य मध्यवर्ती उपभोग कहलाता है। | 1 |
| 5 | **प्रश्न:** वाणिज्य बैंकों द्वारा दिए गए ऋण, अर्थव्यवस्था में मुद्रा पूर्ति में _____ (वृद्धि/कमी) करते हैं।<br>**उत्तर:** वृद्धि | 1 |
| 6 | **प्रश्न:** साधन भुगतानों का योग ----------के बराबर होता है। (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) घरेलू आय (ख) राष्ट्रीय आय (ग) प्रति-व्यक्ति वास्तविक आय (घ) प्रति-व्यक्ति मौद्रिक आय<br>**उत्तर** : (क) घरेलू आय (ख) राष्ट्रीय आय (दोनों में से किसी भी विकल्प के लिए अंक दिए जायँ) | 1 |
| 7 | **प्रश्न:** उल्लेख करें कि, दिया गया कथन सत्य अथवा असत्य है :<br>**'सरकार द्वारा लागू की गई उज्ज्वला योजना पर किया गया व्यय, पूँजीगत व्यय का एक उदाहरण हैं।**<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 8 | **प्रश्न** : पूर्ण रोजगार को परिभाषित करें।<br>**उत्तर**: पूर्ण रोज़गार एक ऐसी स्थिति को दर्शाता है जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों, जो वर्तमान मजदूरी दरों पर काम करने के इच्छुक तथा योग्य हैं, को रोज़गार प्राप्त होता है। **(अन्य किसी प्रमाणिक परिभाषा के लिए भी अंक दिए जाए)** | 1 |
| 9 | **प्रश्न**: यदि, औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) का मूल्य 0.8 तथा राष्ट्रीय आय ₹ 4,000 करोड़ है, तो बचत का मूल्य ___होगा।<br>(क) ₹ 100 करोड़ (ख) ₹ 200 करोड़ (ग) ₹ 800 करोड़ (घ) ₹ 500 करोड़ (सही विकल्प का चयन करें।)<br>**उत्तर**: (ग) ₹800 करोड़ | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 10 | **प्रश्न:** सरकारी बजट में 'ऋण सृजित पूँजीगत प्राप्तियों' का कोई एक उदाहरण दें।<br>**उत्तर** :उधार | 1 |
| 11 | **प्रश्न** : "एक गृहिणी द्वारा दी गई घरेलू सेवाएँ आर्थिक क्रिया नहीं मानी जाती है ।"<br>दिए गए कथन का मान्य तर्क द्वारा समर्थन अथवा खंडन करें ।<br>**उत्तर:** दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। गृहिणी द्वारा दी गई घरेलू सेवाओं का मौद्रिक मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। अतः यह क्रियाएं आर्थिक क्रियाओं में सम्मिलित नहीं की जाती हैं। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | 3 |
| 12 | **प्रश्न** : निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा साधन लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि ($NVA_{FC}$)की गणना करें : | |

| **क्र.सं** | **विवरण** | **राशि (₹ करोड़ में)** |
|---|---|---|
| (i) | उत्पादन का मूल्य | 800 |
| (ii) | मध्यवर्ती उपभोग | 200 |
| (iii) | अप्रत्यक्ष कर | 30 |
| (iv) | मूल्यह्रास | 20 |
| (v) | उपदान | 50 |
| (vi) | मशीन का क्रय | 50 |

**उत्तर:** $NVA_{FC}$ = (i) – (ii) – (iv) – [(iii) – (v)] — 1 ½
= 800 – 200 – 20- [30 – 50] — 1
= ₹ 600 करोड़ — ½

**अथवा**

**प्रश्न** संपत्ति तथा उद्यम से अर्जित आय के तीन घटकों का उल्लेख करें ।

**उत्तर** संपत्ति तथा उद्यम से अर्जित आय के तीन घटक हैं:

i. किराया/ रायल्टी — 1
ii. ब्याज — 1
iii. लाभ — 1

| | | |
|---|---|---|
| 13 | **प्रश्न**: सरकारी बजट में **'संसाधनों के आवंटन'** के उद्देश्य की व्याख्या करें ।<br>**उत्तर: संसाधनों का आवंटन** - सरकार, समाज के सभी वर्गों में संतुलन स्थापित करने के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु संसाधनों का आवंटन करती है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन को कर नीति के द्वारा हतोत्साहित किया जाता है। इसी प्रकार समाज के लिए लाभदायक वस्तुओं के उत्पादन को आर्थिक सहायता द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। यदि निजी क्षेत्र इन विशेष क्रियाकलापों (सार्वजनिक वस्तुएं) में पहल नहीं करते हैं तो सरकार उन्हें सीधे नियंत्रित कर सकती है, जैसे जल-आपूर्ति तथा सफाई व्यवस्था आदि। **( एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | 4 |
| 14 | **प्रश्न:** प्रभावी माँग को परिभाषित करें । विवेचना करें, यदि प्रत्याशित समग्र माँग (AD), प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है, तो किस प्रकार प्रभावी माँग को बहाल किया जा सकता है। | |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **उत्तर:** प्रभावी मांग रोजगार के उस स्तर से संबंधित है जहां समग्र मांग( AD), समग्र पूर्ति (AS) के बराबर होती है।<br>यदि प्रत्याशित समग्र मांग (AD), प्रत्याशित समर्थ समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है तो, इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं।<br>अतः, उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप, उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), अप्रत्याशित समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए। | 1<br><br>3 |
| **15** | **प्रश्न:** केन्द्रीय बैंक के 'सरकार के बैंकर, ऐजेंट तथा सलाहकार' के कार्य की व्याख्या करें।<br>**उत्तर:** सरकार के बैंकर के रूप में, केंद्रीय बैंक सरकार की प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उसकी ओर भुगतान करता है। यह सरकार को विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक एजेंट तथा सलाहकार के रूप में सरकार के लिए सार्वजनिक ऋण का प्रबंध करता है तथा आर्थिक मामलों में सरकार को सलाह भी देता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** समझाएँ कि, केन्द्रीय बैंक किस प्रकार 'बैंक दर' द्वारा मुद्रा पूर्ति में स्थिरता लाता है ।<br>**उत्तर:** बैंक दर, ब्याज की वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक, व्यवसायिक बैंकों को उनकी दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देता है। बैंक दर में वृद्धि, व्यवसायिक बैंकों पर उनकी ब्याज दरों में वृद्धि के लिए दबाव बनाती है। यह सामान्य जनता के लिए ऋण/उधार को महंगा करता है। जो जनता को ऋण लेने के लिए हतोत्साहित करता है। जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति बाधित होती है अथवा विलोम सत्य। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | 4<br><br>4 |
| **16** | **प्रश्न:** उचित तर्क सहित बताएँ, कि निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सत्य अथवा असत्य है :<br>(i) एक अर्थव्यवस्था के लिए व्यापार घाटा सदैव बड़ी चिन्ता का विषय होता है।<br>(ii) मुद्रा के मूल्यह्रास तथा मुद्रा-अवमूल्यन का निर्यात पर एक समान प्रभाव पड़ता है।<br>(iii) '**भारतीयों द्वारा विदेशी सम्पत्तियों में निवेश**' भुगतान संतुलन के पूँजी खाते के नामे (डेबिट) पक्ष में लेखांकित किया जाता है।<br>**उत्तर**: (i) **असत्य**, व्यापार घाटा कम चिंताजनक होता है यदि यह ऐसे निवेश में वृद्धि दर्शाता है, जो की पूंजी के स्टॉक में वृद्धि करता है तथा जिससे भविष्य में उत्पादन की वृद्धि होती है।<br>(ii) **सत्य**, मूल्यह्रास तथा अवमूल्यन दोनों किसी अर्थव्यवस्था के निर्यात पर समान प्रभाव डालते हैं। यह दोनों शब्द यद्यपि पर्यायवाची हैं परंतु भिन्न संदर्भों में प्रयोग किए जाते हैं। अवमूल्यन को स्थिर विनिमय प्रणाली में प्रयोग किया जाता है, जबकि मूल्यह्रास को नम्य विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत प्रयोग किया जाता है।<br>(iii) **सत्य,** भारतीयों द्वारा विदेशी संपत्तियों में निवेश के कारण विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन होता है। अतः यह भुगतान संतुलन के पूंजी खाते के नामें (डेबिट) पक्ष में लेखांकित किया जाएगा।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न**: **(क)** समझाएँ कि, घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास का राष्ट्र में आयात पर क्या संभावित प्रभाव पड़ता है।<br>**उत्तर: (क)** घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास का अर्थ विदेशी मुद्रा ($) के संदर्भ में घरेलू मुद्रा (₹) के मूल्य में कमी से है। इसके परिणाम स्वरूप, विदेशी वस्तुएं घरेलू मुद्रा के संदर्भ में महंगी हो सकती हैं। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में आयात कम हो सकता है।<br>**प्रश्न**: **(ख)** चालू व्यापार घाटा (CAD) तथा चालू व्यापार अधिशेष (CAS) में अंतर स्पष्ट करें।<br>**उत्तर: (ख)** चालू व्यापार घाटा उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों (चालू हस्तांतरण सहित) से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियाँ, ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से कम होती हैं।<br>जबकि<br>चालू व्यापार अधिशेष उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों (चालू हस्तांतरण सहित) से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियां ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से अधिक होती हैं। | 2<br><br>2<br><br>2<br><br>3<br><br>1 ½<br><br>1 ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**17** **प्रश्न:** (क) निम्नलिखित आँकड़ों के आधार पर बताएं कि क्या अर्थव्यवस्था संतुलन में है या नहीं:

| क्र.सं | विवरण | राशि |
|---|---|---|
| (i) | स्वायत उपभोग तथा निवेश व्यय ($\bar{A}$) | ₹ 500 करोड़ |
| (ii) | सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) | 0.2 |
| (iii) | राष्ट्रीय आय | ₹ 4,000 करोड़ |

**उत्तर:** (क) अर्थव्यवस्था संतुलन में होती है जब AD = AS (Y)

AD = $\bar{A}$ + MPC (Y) 1

AD = 500 + 0.8 (4,000) ( दिया है Y = ₹4,000) ½

AD = 500 + 3200 =₹ 3,700करोड़ ½

AD (₹3,700) < AS(₹ 4,000), ½

अतः अर्थव्यवस्था संतुलन में नही है।

**प्रश्न** (ख): दिए गए चित्र के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

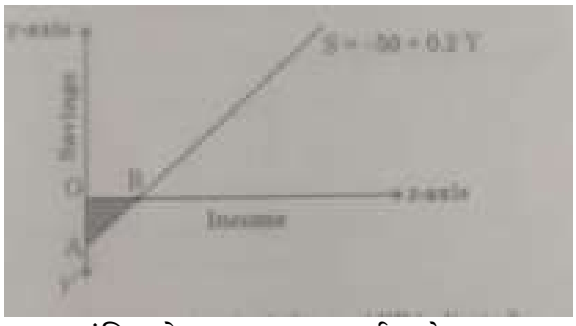

(i) छायांकित क्षेत्र AOB क्या दर्शाता है ?

(ii) बिंदु B का क्या महत्त्व है ?

**उत्तर:** (ख) (i) छायांकित क्षेत्र AOB एक अर्थव्यवस्था में उपभोग के रूप में उपयोग की गई कुल ऋणात्मक बचत या अब्बचत को दर्शाता है। 1

(ii) बिंदु B आय का समस्तर बिंदु है, जहां उपभोग(C), आय(Y) के बराबर होता है अथवा बचत शून्य होती हैं। 2

**केवल दृष्टिबाधित छात्रों के लिए**

**प्रश्न (ख)** (i) बचत फलन को परिभाषित करें।

(ii) अब्बचत का क्या महत्व होता है?

**उत्तर (ख)** (i) बचत फलन- बचत फलन, बचत (S) तथा आय (Y) के बीच फ़लनात्मक संबंध को दर्शाता है। 1

(ii) अब्बचत की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब अर्थव्यवस्था में उपभोग(C) आय(Y) से अधिक होता है। इसका महत्व यह है, कि इस स्थिति में जीवन के लिए आधारभूत आवश्यकताएं पूर्व बचतों और उधारियों को खर्च करके पूरी की जाती हैं। 2



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | खंड- ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास | |
|---|---|---|
| 18 | **प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में _____नीति का अनुगमन किया गया था. जिसका उद्देश्य आयात के बदले घरेलू उत्पादन द्वारा पूर्ति करना था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर:** आयात प्रतिस्थापन | 1 |
| 19 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से क्या जैविक कृषि का एक लाभ नहीं है ? (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) सस्ते आगत (ख) आकर्षक निवेश के प्रतिफल<br>(ग) आयात की अधिक संभावनाएँ (घ) उच्च पोषण मान<br>**उत्तर** : (ग) आयात की अधिक संभावनाएं | 1 |
| 20 | **प्रश्न:** मिश्रित अर्थव्यवस्था को परिभाषित करें।<br>**उत्तर**: मिश्रित अर्थव्यवस्था में बाजार व्यवस्था उन सभी वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करता है, जिन्हें वह अच्छे से उत्पादित कर सकता है। और सरकार उन अनिवार्य वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करती है जिन्हें प्रदान करने में बाजार असफल रहते हैं। **(अन्य कोई प्रमाणिक परिभाषा के लिए भी अंक दिए जाय)** | 1 |
| 21 | **प्रश्न:** _____के परवर्ती विश्व व्यापार संगठन (WTO) का गठन 1995 में किया गया था।<br>**उत्तर:** टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) | 1 |
| 22 | **प्रश्न:** भारत निम्नलिखित में से किस क्षेत्रीय/वैश्विक समूह का सदस्य नहीं है ? (सही विकल्प का चयन करें ।)<br>(क) सार्क (SAARC) (ख) BRICS (ब्रिक्स) (ग) G-7 (घ) G-20<br>**उत्तर:** (ग) G-7 | 1 |
| 23 | **प्रश्न:** विगत् कुछ दशकों में, भारत में _____ (प्राथमिक/द्वितीयक/तृतीयक) क्षेत्र ने रोज़गार के सर्वाधिक अवसर पैदा किए हैं। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर** : तृतीयक | 1 |
| 24 | **प्रश्न:** चीन में 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' (GLF) का मुख्य उद्देश्य----------में तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना था।<br>(क) कृषि (ख) उद्योगों (ग) सेवाओं (घ) आयात<br>**उत्तर:** (ख) उद्योगों | 1 |
| 25 | **प्रश्न:** प्रच्छन्न बेरोजगारी को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** प्रच्छन्न बेरोजगारी वह स्थिति है, जिसमें किसी कार्य में जितने व्यक्तियों की वास्तव में (इष्टम) आवश्यकता है, उससे अधिक व्यक्ति कार्यरत रहते हैं। | 1 |
| 26 | **प्रश्न:** उल्लेख करें कि, निम्नलिखित कथन सत्य अथवा असत्य है :<br>"विश्व बैंक को पंजीकरण तथा परिसीमन के अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD) के नाम से भी जाना जाता है।<br>**उत्तर** असत्य<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** विपणित अधिशेष को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** कृषि उत्पाद का वह अंश जो किसानों द्वारा बाजार में बेचा जाता है, विपणित अधिशेष कहलाता है। | 1<br><br>1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 27 | **प्रश्न:** चीन में आर्थिक सुधार वर्ष_____में लागू किए गए थे। (सही विकल्प का चयन करें ।)<br>(क) 1978 (ख) 1980 (ग) 1988 (घ) 1991<br>उत्तर: (क) 1978 | 1 |
| 28 | **प्रश्न:** "आर्थिक संवृद्धि में तीव्र वृद्धि अवश्य ही पूर्णतः निर्धन वर्ग के व्यक्तियों तक पहुँच जाती है ।" दिए गए कथन का तर्क सहित समर्थन अथवा खंडन करें।<br>**उत्तर**: दिए गए कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि -<br>(i) तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि बहुत कम हुई।<br>(ii) हरित क्रांति ने क्षेत्रीय विषमताओं को बढ़ाया और बड़े तथा छोटे किसानों के बीच खाई गहरी की थी।<br>(iii) आर्थिक सुधारों के लाभों को धनी वर्ग द्वारा हथिया लिया गया। **(किसी अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "मानव पूँजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।"<br>क्या आप दिए गए कथन से सहमत है ? अपने उत्तर का उचित तर्क सहित समर्थन करें ।<br>**उत्तर:** हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनो की उत्पादकता को ही नही बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता हैं। शिक्षा में निवेश नई तकनीक को अपनाने की योग्यता,वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यत: नई तकनीक तथा नवोत्थान को तेजी से सीखता तथा अपनाता है।<br>**(कोई अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)** **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 1<br>1<br>1<br>3 |
| 29 | **प्रश्न** : मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर**: (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि, चीन ने 1970 के दशक में 'एक शिशु नीति' जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.2% है, जो की चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत में यह अनुपात 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है, वहीं चीन में भी यह अनुपात 941 महिला प्रति 1000 पुरुष है। दोनों देश इस अनुपात के स्तर पर एक दुसरे से बहुत दूर नही है। | 2<br>1 |

| राष्ट्र | जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) | लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष) |
|---|---|---|
| भारत | 1.2% | 929 |
| चीन | 0.5% | 941 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| **30** | **प्रश्न** (क) भारत सरकार की AYUSH (आयुश) योजना के अंतर्गत आने वाली छ: भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के नाम का उल्लेख करें।<br>**उत्तर** (क) भारत सरकार की आयुष योजना के अंतर्गत निम्न चिकित्सा प्रणालियों को सम्मिलित किया जाता है-<br>1.आयुर्वेद 2.योग 3.यूनानी 4.सिद्ध 5.प्राकृतिक चिकित्सा और 6.होम्योपैथी<br>**प्रश्न** (ख) ऊर्जा के किन्हीं दो गैर-पारंपरिक स्रोतों के नाम लिखें।<br>**उत्तर** (ख) ऊर्जा के दो गैर पारंपरिक स्रोत है : सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा **(या अन्य कोई ऊर्जा का उपयुक्त स्रोत)** | ½ x 6 = 3<br><br>½ + ½ |
| **31** | **प्रश्न**: स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:<br>(i) **<u>कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व-</u>** कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था।<br>(ii) **<u>क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि-</u>** विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों (मद्रास,बम्बई और बंगाल आदि सूबों) में कृषि क्षेत्र पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई थी। **(या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में 'आत्मनिर्भरता' के चयन के औचित्य का संक्षेप में विवेचन करें।<br>**उत्तर:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में आत्मनिर्भरता के चयन के मुख्य औचित्य थे-<br>(i) **<u>विदेशो पर निर्भरता में कमी-</u>** योजना उद्देश्य में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण था। स्वतंत्रता के पश्चात पंचवर्षीय योजना के आरम्भिक वर्षो में विदेशो पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू संसाधनों के उपयोग पर बल दिया गया।<br>(ii) **<u>विदेशी हस्तक्षेप को रोकना-</u>** स्वतंत्रता के पश्चात यह डर था कि आयातित खाद्य सामग्री, विदेशी तकनीक और विदेशी पूंजी पर निर्भरता, हमारे देश की नीतियों में विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ा सकती है। | 2<br><br>2<br><br>2<br><br>2 |
| **32** | **प्रश्न:** भारत को प्रायः विश्व का 'बाह्य प्रापण गंतव्य' कहा जाता है । भारत को दिए गए इस नाम के मुख्य कारणो का वर्णन करें।<br>**उत्तर**: भारत को विश्व का 'बाह्य प्रापण गंतव्य' कहने के मुख्य कारण हैं -<br>(1) कुशल मानव शक्ति की उपलब्धता - भारत में कुशल मानव शक्ति की बहुतायत है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विश्वास को बढ़ाता है।<br>(2) अनुकूल सरकारी नीतियां - भारतीय सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विभिन्न प्रकार के लाभ प्रद प्रस्ताव जैसे करो मे छूट, करो की निम्न दर आदि, देती है जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित होती है। **(या अन्य कोई उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)** | 2<br><br>2 |
| **33** | **प्रश्न**: निम्नलिखित को परिभाषित करें :<br>(i) पर्यावरण की धारण क्षमता (ii) जैविक कंपोस्ट खाद<br>(iii) धारणीय विकास (iv) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता<br>**उत्तर:** (i) **पर्यावरण की धारण क्षमता** - इसका अर्थ है कि संसाधनों का निष्कर्षण, इनके पुनर्जनन की दर से अधिक नहीं है और उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की समावेशन क्षमता के भीतर हैं।<br>(ii) **जैविक कंपोस्ट खाद** - एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें विभिन्न प्रकार के जैव अपशिष्टों को मूल्यवान प्राकृतिक खाद में परिवर्तित किया जाता है।<br>(iii) **धारणीय विकास** - ऐसा विकास जो वर्तमान पीढी की आवश्यकताओं को भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति क्षमता से समझौता किए बिना, पूरा करें ।<br>(iv) **पर्यावरण की अवशोषण क्षमता** - **पर्यावरण की अवशोषण क्षमता** से तात्पर्य पर्यावरणीय क्षति पहुँचाये बिना, पर्यावरण की अपक्षय को सोखने की योग्यता से है। **(या अन्य कोई उचित परिभाषा)** | 1 ½<br><br>1 ½<br><br>1 ½<br><br>1 ½ |
| **34** | **प्रश्न** : (क) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात को परिभाषित करें । इसका क्या महत्त्व है ?<br>**उत्तर:** (क) <u>श्रमिक-जनसंख्या अनुपात</u>: श्रमिक-जनसंख्या अनुपात, कुल श्रमिको का कुल जनसंख्या से अनुपात दर्शाता है। इसे सामान्यतः प्रतिशत में प्रदर्शित किया जाता है। इसे सभी श्रमिकों की संख्या को देश की कुल जनसंख्या से भाग कर उसे 100 से गुणा कर प्राप्त किया जा सकता है।<br>यह अनुपात, जनसंख्या के उस भाग को दर्शाता है जो देश में सक्रिय रूप से वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में योगदान करता है। | 2 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**प्रश्न: (ख)** दिए गए आंकड़ों के आधार पर भारत में श्रम बल के क्षेत्रकवार वितरण की प्रवृत्तियों का विश्लेषण करें। 1

**रोजगार प्रारूप में प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रकवार) 1972-2012 (% में)**

| क्षेत्रक | 1972-73 | 1983 | 1993-94 | 1999-2000 | 2011-2012 |
|---|---|---|---|---|---|
| प्राथमिक | 74.3 | 68.6 | 64 | 60.4 | 48.9 |
| द्वितीयक | 10.9 | 11.5 | 16 | 15.8 | 24.3 |
| सेवाएँ | 14.8 | 16.9 | 20 | 23.8 | 26.8 |
| कुल | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 |

**उत्तर** (ख) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में श्रमबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (या अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या)** 3

**अथवा**

**प्रश्न** (क): "प्रधानमंत्रीजी ने ग्रामीण क्षेत्र की आय में वृद्धि के लिए गैर-कृषि क्रियाकलापों को बढ़ावा देने का आग्रह किया है।" किस प्रकार गैर-कृषि क्रियाकलाप ग्रामीण क्षेत्र में लोगों की आय में वृद्धि कर सकते हैं ?

**उत्तर**(क) गैर कृषि क्रियाकलाप धारणीय आजीविका के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करते हैं। यह क्रियाकलाप उत्पादन तथा बाजार कीमतों में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करके आय के स्तर में वृद्धि करते हैं। भारत में कृषि एक मौसमी व्यवसाय है। गैर मौसम में रोज़गार की तलाश और किसानों की आय को स्थिर रखना कठिन हो जाता है। इसमें भी गैर कृषि क्रियाकलाप सहायक होते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री जी ने ग्रामीण भारत के किसानों के हित मे उचित आग्रह किया है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** 3

**प्रश्न** (ख) "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है।" दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन उचित तर्क सहित करें।

**उत्तर** (ख) इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से कम रही है। दूसरे कारणों के साथ साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रह है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए) (आंकड़े केवल उत्तर के समर्थन के लिए दिए गए हैं।** आंकडें **नही देने पर अंक न काटे जाएं)** 3



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

HMJ/1

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/4/2**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| प्रश्न | अपेक्षिक उत्तर<br><br>खण्ड -क (समष्टि अर्थशास्त्र) | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न** : उल्लेख करे कि, दिया गया कथन सत्य अथवा असत्य है : **'अप्रत्याशित अप्रचलन मूल्यह्रास का एक घटक है।'**<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 2 | **प्रश्न** : मुद्रा पूर्ति के दो घटक _____तथा _____हैं। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर:** मुद्रा पूर्ति के दो घटक हैं- 1) जनता के पास करेंसी। 2) व्यवसायिक बैंकों के पास मांग जमाए।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** मौद्रिक नीति का मुख्य उद्देश्य----------है। (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता लाना। (ख) देश में रोजगार सृजन करना।<br>(ग) व्यापार अधिशेष में वृद्धि करना। (घ) अधिक कर राजस्व अर्जित करना।<br>**उत्तर** : (क) अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता लाना। | ½+ ½<br><br>1 |
| 3 | प्रश्न: यदि आय में₹ 50,000 से₹ 60,000 की वृद्धि के फलस्वरूप उपभोग में ₹ 40,000 से ₹ 48,000 की वृद्धि होती है। इस स्थिति में, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) का मूल्य क्या होगा ? (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) 0.80 (ख) 0.20 (ग) 0.10 (घ) 0.90<br>उत्तर (क) 0.80 | 1 |
| 4 | **प्रश्न:** वाणिज्य बैंकों द्वारा दिए गए ऋण, अर्थव्यवस्था में मुद्रा पूर्ति में _____ (वृद्धि/कमी) करते हैं।<br>**उत्तर:** वृद्धि | 1 |
| 5 | **प्रश्न:** एक विद्यार्थी, रोहिणी के बटुए में रखा ₹2,000 का नोट _____ (स्टॉक/प्रवाह) चर का उदाहरण है।<br>**उत्तर:** स्टॉक | 1 |
| 6 | **प्रश्न:** उल्लेख करें कि, दिया गया कथन सत्य अथवा असत्य है :<br>**'सरकार द्वारा लागू की गई उज्ज्वला योजना पर किया गया व्यय, पूँजीगत व्यय का एक उदाहरण हैं।**<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 7 | **प्रश्न:** साधन भुगतानों का योग ----------के बराबर होता है। (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) घरेलू आय (ख) राष्ट्रीय आय (ग) प्रति-व्यक्ति वास्तविक आय (घ) प्रति-व्यक्ति मौद्रिक आय<br>**उत्तर** : (क) घरेलू आय (ख) राष्ट्रीय आय **(दोनों में से किसी भी विकल्प के लिए अंक दिए जायँ )** | 1 |
| 8 | **प्रश्न:** माल-सूची (स्टॉक) को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** माल-सूची - अबिक्रीत वस्तुएं, बिना प्रयोग हुआ कच्चा माल, या अर्धनिर्मित वस्तुएं जिन्हें कोई फर्म एक वर्ष से अगले वर्ष तक रखती है, माल सूची कहलाती हैं। | 1 |
| 9 | **प्रश्न:** सरकारी बजट में 'ऋण सृजित पूँजीगत प्राप्तियों' का कोई एक उदाहरण दें।<br>**उत्तर** :उधार | 1 |
| 10 | **प्रश्न:** मध्यवर्ती उपभोग को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** उत्पादन प्रक्रिया के दौरान उपभोग की गई वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य मध्यवर्ती उपभोग कहलाता है। | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 11 | **प्रश्न:** "पानी को प्रदूषित करने वाली एक तेल रिफाइनरी के प्रबंधन का कहना है कि, यह (रिफाइनरी) सकल घरेलू उत्पाद में योगदान से कल्याण सुनिश्चित करती है।" प्रबंधन के तर्क का कारण सहित समर्थन अथवा खंडन करें। GDP के अर्थव्यवस्था के कल्याण सूचक के संदर्भ में, प्रबंधन के तर्क का समर्थन अथवा खंडन करे।<br><br>**उत्तर:** नही दिया गया कथन सत्य नही है। तेल रिफाइनरी सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देने के साथ साथ, आस-पास के जल स्रोतों को प्रदूषित कर सकती है। रिफाइनरी को, जल-जीवन तथा लोगों को हानि पहुचाने जैसे अहितकारी प्रभाव के लिए दण्डित भी नही किया जा रहा है। इस प्रकार ऐसी नकारात्मक बाह्यताओ के कारण सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के द्वारा अर्थव्यवस्था का कल्याण सुनिश्चित नही है। **( एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 3 |
| 12 | **प्रश्न** : निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा साधन लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि ($NVA_{FC}$)की गणना करें :<br><br>**क्र.सं** \| **विवरण** \| **राशि (₹ करोड़ में)**<br>(i) \| उत्पादन का मूल्य \| 800<br>(ii) \| मध्यवर्ती उपभोग \| 200<br>(iii) \| अप्रत्यक्ष कर \| 30<br>(iv) \| मूल्यह्रास \| 20<br>(v) \| उपदान \| 50<br>(vi) \| मशीन का क्रय \| 50<br><br>**उत्तर:** $NVA_{FC}$ = (i) – (ii) – (iv) – [(iii) – (v)]<br>= 800 – 200 – 20- [30 – 50]<br>= ₹ 600 करोड़<br><br>**अथवा**<br><br>**प्रश्न:** संपत्ति तथा उद्यम से अर्जित आय के तीन घटकों का उल्लेख करें।<br>**उत्तर** संपत्ति तथा उद्यम से अर्जित आय के तीन घटक हैं:<br>i. किराया/ रायल्टी<br>ii. ब्याज<br>iii. लाभ | 1 ½<br>1<br>½<br><br>1 x 3 = 3 |
| 13 | **प्रश्न:** केन्द्रीय बैंक के 'सरकार के बैंकर, ऐजेंट तथा सलाहकार' के कार्य की व्याख्या करें।<br>**उत्तर:** सरकार के बैंकर के रूप में, केंद्रीय बैंक सरकार की प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उसकी ओर भुगतान करता है। यह सरकार को विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक एजेंट तथा सलाहकार के रूप में सरकार के लिए सार्वजनिक ऋण का प्रबंध करता है तथा आर्थिक मामलों में सरकार को सलाह भी देता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br><br>**अथवा**<br><br>**प्रश्न:** समझाएँ कि, केन्द्रीय बैंक किस प्रकार 'बैंक दर' द्वारा मुद्रा पूर्ति में स्थिरता लाता है।<br>**उत्तर:** बैंक दर, ब्याज की वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक, व्यवसायिक बैंकों को उनकी दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देता है। बैंक दर में वृद्धि, व्यवसायिक बैंकों पर उनकी ब्याज दरों में वृद्धि के लिए दबाव बनाती है। यह सामान्य जनता के लिए ऋण/उधार को महंगा करता है। जो जनता को ऋण लेने के लिए हतोत्साहित करता है। जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति | 4 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | बाधित होती है अथवा विलोम सत्य। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | 4 |
| **14** | **प्रश्न:** प्रभावी माँग को परिभाषित करें । विवेचना करें, यदि प्रत्याशित समग्र माँग (AD), प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है, तो किस प्रकार प्रभावी माँग को बहाल किया जा सकता है।<br>**उत्तर:** प्रभावी मांग रोजगार के उस स्तर से संबंधित है जहां समग्र मांग( AD), समग्र पूर्ति (AS) के बराबर होती है।<br>यदि प्रत्याशित समग्र मांग (AD), प्रत्याशित समर्थ समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है तो, इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं।<br>अतः, उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप, उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), अप्रत्याशित समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए। | 1<br><br>3 |
| **15** | **प्रश्न**: सरकारी बजट में '**संसाधनों के आवंटन**' के उद्देश्य की व्याख्या करें ।<br>**उत्तर: संसाधनों का आवंटन** - सरकार, समाज के सभी वर्गों में संतुलन स्थापित करने के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु संसाधनों का आवंटन करती है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन को कर नीति के द्वारा हतोत्साहित किया जाता है। इसी प्रकार समाज के लिए लाभदायक वस्तुओं के उत्पादन को आर्थिक सहायता द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। यदि निजी क्षेत्र इन विशेष क्रियाकलापों (सार्वजनिक वस्तुएं) में पहल नहीं करते हैं तो सरकार उन्हें सीधे नियंत्रित कर सकती है, जैसे जल-आपूर्ति तथा सफाई व्यवस्था आदि। **( एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | 4 |
| **16** | **प्रश्न:** उचित तर्क सहित बताएँ, कि निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सत्य अथवा असत्य है :<br>(i) एक अर्थव्यवस्था के लिए व्यापार घाटा सदैव बड़ी चिन्ता का विषय होता है।<br>(ii) मुद्रा के मूल्यह्रास तथा मुद्रा-अवमूल्यन का निर्यात पर एक समान प्रभाव पड़ता है।<br>(iii) '**भारतीयों द्वारा विदेशी सम्पत्तियों में निवेश**' भुगतान संतुलन के पूँजी खाते के नामे (डेबिट) पक्ष में लेखांकित किया जाता है।<br>**उत्तर**: (i) **असत्य**, व्यापार घाटा कम चिंताजनक होता है यदि यह ऐसे निवेश में वृद्धि दर्शाता है, जो की पूंजी के स्टॉक में वृद्धि करता है तथा जिससे भविष्य में उत्पादन की वृद्धि होती है।<br>(ii) **सत्य**, मूल्यह्रास तथा अवमूल्यन दोनों किसी अर्थव्यवस्था के निर्यात पर समान प्रभाव डालते हैं। यह दोनों शब्द यद्यपि पर्यायवाची हैं परंतु भिन्न संदर्भों में प्रयोग किए जाते हैं। अवमूल्यन को स्थिर विनिमय प्रणाली में प्रयोग किया जाता है, जबकि मूल्यह्रास को नम्य विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत प्रयोग किया जाता है।<br>(iii) **सत्य,** भारतीयों द्वारा विदेशी संपत्तियों में निवेश के कारण विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन होता है। अतः यह भुगतान संतुलन के पूंजी खाते के नामें (डेबिट) पक्ष में लेखांकित किया जाएगा।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न**: (**क**) समझाएँ कि, घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास का राष्ट्र में आयात पर क्या संभावित प्रभाव पड़ता है।<br>**उत्तर: (क)** घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास का अर्थ विदेशी मुद्रा ($) के संदर्भ में घरेलू मुद्रा (₹) के मूल्य में कमी से है। इसके परिणाम स्वरूप, विदेशी वस्तुएं घरेलू मुद्रा के संदर्भ में महंगी हो सकती हैं। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में आयात कम हो सकता है।<br>**प्रश्न**: (**ख**) चालू व्यापार घाटा (CAD) तथा चालू व्यापार अधिशेष (CAS) में अंतर स्पष्ट करें।<br>**उत्तर: (ख)** चालू व्यापार घाटा उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों (चालू हस्तांतरण सहित) से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियाँ, ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से कम होती हैं।<br>जबकि<br>चालू व्यापार अधिशेष उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों (चालू हस्तांतरण सहित) से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियां ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से अधिक होती हैं। | 2<br><br>2<br><br>2<br><br>3<br><br>1 ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | | 1 ½ |
| 17 | **प्रश्न:** (क) निम्नलिखित आँकड़ों के आधार पर बताएं कि क्या अर्थव्यवस्था संतुलन में हैं या नहीं :<br>क्र.सं. \| विवरण \| राशि<br>(i) \| स्वायत्त उपभोग तथा निवेश व्यय ( $\bar{A}$ ) \| ₹ 200 करोड़<br>(ii) \| सीमात उपभोग प्रवृत्ति (MPC) \| 0.70<br>(iii) \| राष्ट्रीय आय \| ₹ 1,000 करोड़<br>**उत्तर:**<br>AD = $\bar{A}$ + MPC (Y)<br>= 200 + 0.7 (1000)<br>= 200+ 700 = ₹ 900 करोड़<br>AD < AS,<br>अतः अर्थव्यवस्था संतुलन में नही है।<br>**प्रश्न** (ख) दिए गए चित्र के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:<br>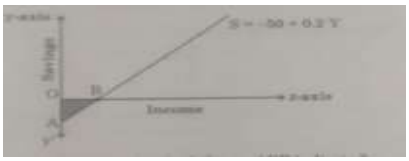<br>(i) आय के किस स्तर पर औसत उपभोग प्रवृत्ति, इकाई के बराबर होगी और क्यों ?<br>(ii) बिन्दु B के ऊपर बचत वक्र का क्या महत्त्व है ?<br>**उत्तर:** (ख) (i) बिंदु B (समस्तर बिंदु) पर। यहां उपभोग(C), राष्ट्रीय आय(Y) के बराबर है इसलिये APC = 1<br>(ii) बिंदु B के ऊपर बचत वक्र दर्शाता है कि यहां उपभोग, आय से कम है। जैसे जैसे आय बढ़ती है तो अर्थव्यवस्था अपनी अतिरिक्त आय का उपयोग अपनी बचत तथा उपभोग दोनो को बढ़ाने में करती है।<br>**केवल दृष्टिबाधित छात्रों के लिए :**<br>**प्रश्न:** (ख) (i) स्वायत्त उपभोग को परिभाषित करें।<br>(ii) अव्बचत का क्या महत्त्व है ?<br>**उत्तर:** (i) शून्य आय के स्तर पर किया गया कुल उपभोग स्वायत्त उपभोग कहलाता है।<br>(ii) अव्बचत तब होती है जब अर्थव्यवस्था में उपभोग(C), आय(Y) से अधिक होता है। इसका महत्व यह है कि इस स्थिति में जीवन के लिए आवश्यक आधारभूत आवश्यकताएं (उपभोग) पूर्व बचतों और उधारियों को खर्च करके पूरी की जा रही हैं। | 1<br>½<br>½<br>½<br>½<br>1 ½<br>1 ½<br>1<br>2 |
| | **खण्ड - ख (भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास)** | |
| 18 | **प्रश्न**: निम्नलिखित में से किस देश ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए 'एक संतान नीति' अपनाई थी ? (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) भारत (ख) चीन (ग) पाकिस्तान (घ) रूस<br>**उत्तर:** (ख) चीन | 1 |
| 19 | **प्रश्न:** _____के परवर्ती विश्व व्यापार संगठन (WTO) का गठन 1995 में किया गया था।<br>**उत्तर:** टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 20 | **प्रश्न:** मिश्रित अर्थव्यवस्था को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** मिश्रित अर्थव्यवस्था में बाजार व्यवस्था उन सभी वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करता है, जिन्हें वह अच्छे से उत्पादित कर सकता है। और सरकार उन अनिवार्य वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करती है जिन्हें प्रदान करने में बाजार असफल रहते हैं।<br>**(अन्य कोई प्रमाणिक परिभाषा के लिए भी अंक दिए जाय)** | 1 |
| 21 | **प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में _____नीति का अनुगमन किया गया था. जिसका उद्देश्य आयात के बदले घरेलू उत्पादन द्वारा पूर्ति करना था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर:** आयात प्रतिस्थापन | 1 |
| 22 | **प्रश्न:** विगत् कुछ दशकों में, भारत में _____ (प्राथमिक/द्वितीयक/तृतीयक) क्षेत्र ने रोज़गार के सर्वाधिक अवसर पैदा किए हैं।<br>(सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर** : तृतीयक | 1 |
| 23 | **प्रश्न:** चीन में 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' (GLF) का मुख्य उद्देश्य----------में तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना था।<br>(क) कृषि (ख) उद्योगों (ग) सेवाओं (घ) आयात<br>**उत्तर:** (ख) उद्योगों | 1 |
| 24 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से क्या जैविक कृषि का एक लाभ नहीं है ? (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) सस्ते आगत (ख) आकर्षक निवेश के प्रतिफल (ग) आयात की अधिक संभावनाएँ (घ) उच्च पोषण मान<br>**उत्तर** : (ग) आयात की अधिक संभावनाएं | 1 |
| 25 | **प्रश्न:** प्रच्छन्न बेरोजगारी को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** प्रच्छन्न बेरोजगारी वह स्थिति है, जिसमें किसी कार्य में जितने व्यक्तियों की वास्तव में (इष्टम) आवश्यकता है, उससे अधिक व्यक्ति कार्यरत रहते हैं। | 1 |
| 26 | **प्रश्न:** चीन में आर्थिक सुधार वर्ष_____में लागू किए गए थे। (सही विकल्प का चयन करें ।)<br>(क) 1978 (ख) 1980 (ग) 1988 (घ) 1991<br>उत्तर: (क) 1978 | 1 |
| 27 | **प्रश्न:** उल्लेख करें कि, निम्नलिखित कथन सत्य अथवा असत्य है :<br>"विश्व बैंक को पंजीकरण तथा परिसीमन के अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD) के नाम से भी जाना जाता है।<br>**उत्तर** असत्य<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** विपणित अधिशेष को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** कृषि उत्पाद का वह अंश जो किसानों द्वारा बाजार में बेचा जाता है, विपणित अधिशेष कहलाता है। | 1<br><br>1 |
| 28 | **प्रश्न** : मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :<br>राष्ट्र \| जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) \| लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)<br>भारत \| 1.2% \| 929<br>चीन \| 0.5% \| 941<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर:** (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि, चीन ने 1970 के दशक में 'एक शिशु नीति' जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.2% है, जो की चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा | 2<br><br>1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत में यह अनुपात 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है, वहीं चीन में भी यह अनुपात 941 महिला प्रति 1000 पुरुष है। दोनों देश इस अनुपात के स्तर पर एक दुसरे से बहुत दूर नही है। | |
| **29** | **प्रश्न:** "आर्थिक संवृद्धि में तीव्र वृद्धि अवश्य ही पूर्णतः निर्धन वर्ग के व्यक्तियों तक पहुँच जाती है।" दिए गए कथन का तर्क सहित समर्थन अथवा खंडन करें।<br>**उत्तर**: दिए गए कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि -<br>(i) तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि बहुत कम हुई।<br>(ii) हरित क्रांति ने क्षेत्रीय विषमताओं को बढ़ाया और बड़े तथा छोटे किसानों के बीच खाई गहरी की थी।<br>(iii) आर्थिक सुधारों के लाभों को धनी वर्ग द्वारा हथिया लिया गया। **(किसी अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "मानव पूँजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।"<br>क्या आप दिए गए कथन से सहमत है ? अपने उत्तर का उचित तर्क सहित समर्थन करें।<br>**उत्तर:** हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनो की उत्पादकता को ही नही बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता हैं। शिक्षा में निवेश नई तकनीक को अपनाने की योग्यता,वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यत: नई तकनीक तथा नवोत्थान को तेजी से सीखता तथा अपनाता है।<br>**(कोई अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)** **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 1<br>1<br>1<br>3 |
| **30** | **प्रश्न** 30. विभेद करें: (i) प्रशुल्क और अप्रशुल्क अवरोधक (ii) द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय व्यापार<br>**उत्तर** (i) वह अवरोध जो वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर इसलिए लगाया जाता है, ताकि उन्हें अपेक्षाकृत महंगा बनाया जा सके प्रशुल्क अवरोध कहलाता है। यह घरेलू उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से बचाने के लिए लगाया जाता है। उदाहरण आयात शुल्क।<br>**जबकि,**<br>अप्रशुल्क अवरोध वह अवरोध हैं जो वस्तुओं और सेवाओं के आयात तथा निर्यात की मात्रा पर लगाया जाता है उदाहरण कोटा और लाइसेंस ।<br>(ii) दो देशों के बीच होने वाले व्यापार को द्विपक्षीय व्यापार कहलाता है।<br>**जबकि,**<br>दो से अधिक देशो के बीच होने वाले व्यापार को बहुपक्षीय व्यापार कहलाता है। | 1<br>1<br>1<br>1 |
| **31** | **प्रश्न** (क) भारत सरकार की AYUSH (आयुश) योजना के अंतर्गत आने वाली छ: भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के नाम का उल्लेख करें।<br>**उत्तर** (क) भारत सरकार की आयुष योजना के अंतर्गत निम्न चिकित्सा प्रणालियों को सम्मिलित किया जाता है-<br>1.आयुर्वेद 2.योग 3.यूनानी 4.सिद्ध 5.प्राकृतिक चिकित्सा और 6.होम्योपैथी<br>**प्रश्न** (ख) ऊर्जा के किन्हीं दो गैर-पारंपरिक स्रोतों के नाम लिखें।<br>**उत्तर** (ख) ऊर्जा के दो गैर पारंपरिक स्रोत है : सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा **(या अन्य कोई ऊर्जा का उपयुक्त स्रोत)** | ½ x 6 = 3<br>½ + ½ |
| **32** | **प्रश्न**: स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:<br>(i) **<u>कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व-</u>** कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था।<br>(ii) **<u>क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि-</u>** विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों (मद्रास,बम्बई और बंगाल आदि सूबों) में कृषि क्षेत्र | 2 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई थी। **(या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता)** 2

**अथवा**

**प्रश्न:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में 'आत्मनिर्भरता' के चयन के औचित्य का संक्षेप में विवेचन करें।

**उत्तर:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में आत्मनिर्भरता के चयन के मुख्य औचित्य थे-

(i) **विदेशो पर निर्भरता में कमी-** योजना उद्देश्य में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण था। स्वतंत्रता के पश्चात पंचवर्षीय योजना के आरम्भिक वर्षो में विदेशो पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू संसाधनों के उपयोग पर बल दिया गया। 2

(ii) **विदेशी हस्तक्षेप को रोकना-** स्वतंत्रता के पश्चात यह डर था कि आयातित खाद्य सामग्री, विदेशी तकनीक और विदेशी पूंजी पर निर्भरता, हमारे देश की नीतियों में विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ा सकती है। 2

**33** **प्रश्न** : (क) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात को परिभाषित करें । इसका क्या महत्त्व है ?

**उत्तर:** (क) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात: श्रमिक-जनसंख्या अनुपात, कुल श्रमिको का कुल जनसंख्या से अनुपात दर्शाता है। इसे सामान्यतः प्रतिशत में प्रदर्शित किया जाता है। इसे सभी श्रमिकों की संख्या को देश की कुल जनसंख्या से भाग कर उसे 100 से गुणा कर प्राप्त किया जा सकता है। 2

यह अनुपात, जनसंख्या के उस भाग को दर्शाता है जो देश में सक्रिय रूप से वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में योगदान करता है। 1

**प्रश्न: (ख)** दिए गए आंकड़ों के आधार पर भारत में श्रम बल के क्षेत्रकवार वितरण की प्रवृत्तियों का विश्लेषण करें।

**रोजगार प्रारूप में प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रकवार) 1972-2012 (% में)**

| क्षेत्रक | 1972-73 | 1983 | 1993-94 | 1999-2000 | 2011-2012 |
|---|---|---|---|---|---|
| प्राथमिक | 74.3 | 68.6 | 64 | 60.4 | 48.9 |
| द्वितीयक | 10.9 | 11.5 | 16 | 15.8 | 24.3 |
| सेवाएँ | 14.8 | 16.9 | 20 | 23.8 | 26.8 |
| कुल | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 |

**उत्तर** (ख) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में श्रमबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **(या अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या)** 3

**अथवा**

**प्रश्न** (क): "प्रधानमंत्रीजी ने ग्रामीण क्षेत्र की आय में वृद्धि के लिए गैर-कृषि क्रियाकलापों को बढ़ावा देने का आग्रह किया है।" किस प्रकार गैर-कृषि क्रियाकलाप ग्रामीण क्षेत्र में लोगों की आय में वृद्धि कर सकते हैं ?

**उत्तर**(क) गैर कृषि क्रियाकलाप धारणीय आजीविका के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करते हैं। यह क्रियाकलाप उत्पादन तथा बाजार कीमतों में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करके आय के स्तर में वृद्धि करते हैं। भारत में कृषि एक मौसमी व्यवसाय है। गैर मौसम में रोज़गार की तलाश और किसानों की आय को स्थिर रखना कठिन हो जाता है। इसमें भी गैर कृषि क्रियाकलाप सहायक होते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री जी ने ग्रामीण भारत के किसानों के हित मे उचित आग्रह किया है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**

**प्रश्न** (ख) "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है।" दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन उचित तर्क सहित करें।

**उत्तर** (ख) इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से कम रही है। दूसरे कारणों के साथ साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रह है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** 3

**(आंकड़े केवल उत्तर के समर्थन के लिए दिए गए हैं,** आंकडें **नही देने पर अंक न काटे जाएं)** 3



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 34 | **प्रश्न: (क)** वर्तमान समय में भारत के समक्ष प्रस्तुत कोई दो पर्यावरण चिंताओं का उल्लेख तथा वर्णन करें।<br>**उत्तर:** भारत के समक्ष दो पर्यावरण चिंताएं हैं:<br>**वायु प्रदूषण-** भारत के शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण व्यापक रूप से फैला हुआ है जिसमें वाहन और उद्योगों का प्रमुख योगदान है। वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं और पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है।<br>**वैश्विक उष्णता-** पृथ्वी और समुंद्र के वातावरण के औसत तापमान में वृद्धि को वैश्विक उष्णता कहते हैं। यह ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि के कारण हैं।<br>**(अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या सहित बिंदु)**<br>**प्रश्न: (ख)** ग्रामीण विकास में साख के महत्त्व पर चर्चा करें।<br>**उत्तर: (ख)** ग्रामीण अर्थव्यवस्था की समृद्धि, समय-समय पर कृषि और गैर कृषि कार्यों में उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए मुख्य रूप से पूंजी के प्रयोग पर निर्भर करती है। खेतों में बीजारोपण से फसल पकने के बाद आमदनी होने तक की अवधि बहुत लंबी होती है। इसी कारण किसानों को विभिन्न स्रोतों (औपचारिक एवं अनौपचारिक) से अपनी आवश्यकताओं जैसे बीज, उर्वरक आदि तथा पारिवारिक निर्वाह खर्च जैसे शादी, धार्मिक अनुष्ठान आदि के लिए कर्ज लेना पड़ता है।<br>**( पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 1 ½<br>1 ½<br>3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

HMJ/1

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/4/3**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| प्रश्न | अपेक्षिक उत्तर<br>खण्ड –क समष्टि अर्थशास्त्र | अंक |
|---|---|---|
| 1 | प्रश्न: औसत बचत प्रवृत्ति (APS) का मूल्य 0.2 तथा राष्ट्रीय आय ₹ 4,000करोड़ हो, तो उपभोग _____होगा।<br>(सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) ₹ 4,000 करोड़ (ख) ₹ 3,200 करोड़ (ग) ₹ 3,800 करोड़ (घ) ₹ 2,600 करोड़<br>उत्तर: (ख) ₹ 3,200 करोड़ | 1 |
| 2 | **प्रश्न:** वाणिज्य बैंकों द्वारा दिए गए ऋण, अर्थव्यवस्था में मुद्रा पूर्ति में _____ (वृद्धि/कमी) करते हैं।<br>**उत्तर:** वृद्धि | 1 |
| 3 | **प्रश्न:** उल्लेख करे कि, दिया गया कथन सत्य अथवा असत्य है : **'अप्रत्याशित अप्रचलन मूल्यह्रास का एक घटक है।'**<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 4 | **प्रश्न** : मुद्रा पूर्ति के दो घटक _____तथा _____हैं। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर:** मुद्रा पूर्ति के दो घटक हैं- 1) जनता के पास करेंसी। 2) व्यवसायिक बैंकों के पास मांग जमाए।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** मौद्रिक नीति का मुख्य उद्देश्य----------है। (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता लाना। (ख) देश में रोजगार सृजन करना।<br>(ग) व्यापार अधिशेष में वृद्धि करना। (घ) अधिक कर राजस्व अर्जित करना।<br>**उत्तर** : (क) अर्थव्यवस्था में कीमत स्थिरता लाना। | ½+ ½<br>1 |
| 5 | **प्रश्न:** साधन भुगतानों का योग ----------के बराबर होता है। (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) घरेलू आय (ख) राष्ट्रीय आय (ग) प्रति-व्यक्ति वास्तविक आय (घ) प्रति-व्यक्ति मौद्रिक आय<br>**उत्तर:** (क) घरेलू आय (ख) राष्ट्रीय आय **(दोनों में से किसी भी विकल्प के लिए अंक दिए जायँ )** | 1 |
| 6 | **प्रश्न:** एक विद्यार्थी, रोहिणी के बटुए में रखा ₹2,000 का नोट _____ (स्टॉक/प्रवाह) चर का उदाहरण है।<br>**उत्तर:** स्टॉक | 1 |
| 7 | **प्रश्न:** उल्लेख करें कि, दिया गया कथन सत्य अथवा असत्य है :<br>**'सरकार द्वारा लागू की गई उज्ज्वला योजना पर किया गया व्यय, पूँजीगत व्यय का एक उदाहरण हैं।**<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 8 | **प्रश्न:** मध्यवर्ती उपभोग को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** उत्पादन प्रक्रिया के दौरान उपभोग की गई वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य मध्यवर्ती उपभोग कहलाता है। | 1 |
| 9 | **प्रश्न:** सरकारी बजट में 'ऋण सृजित पूँजीगत प्राप्तियों' का कोई एक उदाहरण दें।<br>**उत्तर:** उधार | 1 |
| 10 | **प्रश्न:** अनियोजित माल-सूची (स्टॉक) को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** अपेक्षा से कम बिक्री होने के कारण स्टॉक में अप्रत्याशित परिवर्तन, अनियोजित माल सूची कहलाता हैं। | 1 |
| 11 | **प्रश्न** : निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा साधन लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि ($NVA_{FC}$)की गणना करें : | |

| क्र.सं | विवरण | राशि (₹ करोड़ में) |
|---|---|---|
| (i) | उत्पादन का मूल्य | 800 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ii) | मध्यवर्ती उपभोग | 200 | |
| (iii) | अप्रत्यक्ष कर | 30 | |
| (iv) | मूल्यह्रास | 20 | |
| (v) | उपदान | 50 | |
| (vi) | मशीन का क्रय | 50 | |

**उत्तर:** $NVA_{FC}$ = (i) – (ii) – (iv) – [(iii) – (v)] 1 ½
= 800 – 200 – 20- [30 – 50] 1
= ₹ 600 करोड़ ½

**अथवा**

**प्रश्न:** संपत्ति तथा उद्यम से अर्जित आय के तीन घटकों का उल्लेख करें ।

**उत्तर** संपत्ति तथा उद्यम से अर्जित आय के तीन घटक हैं:

i. किराया/ रायल्टी 1
ii. ब्याज 1
iii. लाभ 1

**12** **प्रश्न:** "पानी को प्रदूषित करने वाली एक तेल रिफाइनरी के प्रबंधन का कहना है कि, यह (रिफाइनरी) सकल घरेलू उत्पाद में योगदान से कल्याण सुनिश्चित करती है ।" प्रबंधन के तर्क का कारण सहित समर्थन अथवा खंडन करें। GDP के अर्थव्यवस्था के कल्याण सूचक के संदर्भ में, प्रबंधन के तर्क का समर्थन अथवा खंडन करे। 3

**उत्तर:** नही दिया गया कथन सत्य नही है। तेल रिफाइनरी सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देने के साथ साथ, आस-पास के जल स्रोतों को प्रदूषित कर सकती है। रिफाइनरी को, जल-जीवन तथा लोगों को हानि पहुचाने जैसे अहितकारी प्रभाव के लिए दण्डित भी नही किया जा रहा है। इस प्रकार ऐसी नकारात्मक बाह्यताओ के कारण सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के द्वारा अर्थव्यवस्था का कल्याण सुनिश्चित नही है। **( एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**

**13** **प्रश्न:** प्रभावी माँग को परिभाषित करें । विवेचना करें, यदि प्रत्याशित बचत प्रत्याशित निवेश से कम हो तो, किस प्रकार प्रभावी माँग को बहाल किया जा सकता है ।

**उत्तर**: प्रभावी मांग रोजगार के उस स्तर से संबंधित है, जहां समग्र मांग( AD) समग्र पूर्ति (AS) के बराबर होती है। 1

यदि प्रत्याशित बचत (S), प्रत्याशित निवेश (I) से कम होती है तो इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, उपभोक्ता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक समग्र पूर्ति (AS), समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए। 3
**(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**

**14** **प्रश्न**: सरकारी बजट में '**संसाधनों के आवंटन**' के उद्देश्य की व्याख्या करें ।

**उत्तर: संसाधनों का आवंटन** - सरकार, समाज के सभी वर्गों में संतुलन स्थापित करने के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु संसाधनों का आवंटन करती है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन को कर नीति के द्वारा हतोत्साहित किया जाता है। इसी प्रकार समाज के लिए लाभदायक वस्तुओं के उत्पादन को आर्थिक सहायता द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। यदि निजी क्षेत्र इन विशेष क्रियाकलापों (सार्वजनिक वस्तुएं) में पहल नहीं करते हैं तो सरकार उन्हें सीधे नियंत्रित कर सकती है, जैसे जल-आपूर्ति तथा सफाई व्यवस्था आदि। 4
**( एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**

**15** **प्रश्न:** केन्द्रीय बैंक के 'सरकार के बैंकर, ऐजेंट तथा सलाहकार' के कार्य की व्याख्या करें।

**उत्तर:** सरकार के बैंकर के रूप में, केंद्रीय बैंक सरकार की प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उसकी ओर भुगतान करता है। यह सरकार



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | को विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक एजेंट तथा सलाहकार के रूप में सरकार के लिए सार्वजनिक ऋण का प्रबंध करता है तथा आर्थिक मामलों में सरकार को सलाह भी देता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** समझाएँ कि, केन्द्रीय बैंक किस प्रकार 'बैंक दर' द्वारा मुद्रा पूर्ति में स्थिरता लाता है।<br>**उत्तर:** बैंक दर, ब्याज की वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक, व्यवसायिक बैंकों को उनकी दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देता है। बैंक दर में वृद्धि, व्यवसायिक बैंकों पर उनकी ब्याज दरों में वृद्धि के लिए दबाव बनाती है। यह सामान्य जनता के लिए ऋण/उधार को महंगा करता है। जो जनता को ऋण लेने के लिए हतोत्साहित करता है। जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति बाधित होती है अथवा विलोम सत्य। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | 4<br><br>4 |
| **16** | **प्रश्न:** (क) निम्नलिखित आँकड़ों के आधार पर बताएं कि क्या अर्थव्यवस्था संतुलन में है या नहीं: | |

| क्र.सं | विवरण | राशि |
|---|---|---|
| (i) | स्वायत उपभोग तथा निवेश व्यय ($\bar{A}$) | ₹ 700 करोड़ |
| (ii) | सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) | 0.8 |
| (iii) | राष्ट्रीय आय | ₹ 4,000 करोड़ |

**उत्तर:**

(क) अर्थव्यवस्था संतुलन में होती है जब AD = AS (Y)

AD = $\bar{A}$ + MPC Y — 1

= 700 + 0.8 (4,000) — ½

= 700 + 3200 — ½

= ₹ 3900 करोड़ — ½

AD < AS,

अतः अर्थव्यवस्था संतुलन में नही है। — ½

**प्रश्न:** (ख) दिए गए चित्र के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :

(i) आय के किस स्तर पर औसत बचत प्रवृत्ति (APS) शून्य के बराबर होगी व क्यों ?

(ii) "OA' का उपभोग फलन के संदर्भ में क्या महत्त्व है ?

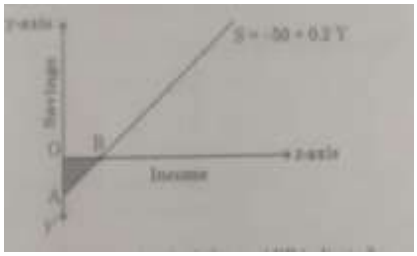

**उत्तर:** (ख) (i) बिंदु B पर, क्योकि यहां उपभोग (C), आय (Y) के बराबर है। इसलिए बचत (S) = 0, — 1 ½

$APS = \frac{total\ savings}{total\ income} = \frac{0}{Y} = 0$

(ii) OA स्वायत्त उपभोग/ अव्बचत को दर्शाता है।अर्थात उपभोग (C ) ,आय (Y) से अधिक है। — 1 ½

**केवल दृष्टिबाधित छात्रों के लिए** :

**प्रश्न:** (ख)(i) उपभोग फलन को परिभाषित करें।

(ii) अव्बचत का महत्त्व समझाएँ।

**उत्तर:** (i) समग्र मांग तथा उपभोग के बीच फ़लनात्मक संबंध को उपभोग फलन कहते हैं। — 1

(ii) अव्बचत तब होती है जब अर्थव्यवस्था में उपभोग(C), आय(Y) से अधिक होता है। इसका महत्व यह है कि इस स्थिति में जीवन के लिए आवश्यक आधारभूत आवश्यकताएं (उपभोग) बचतों और उधारियों को खर्च करके पूरी की जा रही हैं। — 2



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 17 | **प्रश्न:** उचित तर्क सहित बताएँ, कि निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सत्य अथवा असत्य है :<br>(i) एक अर्थव्यवस्था के लिए व्यापार घाटा सदैव बड़ी चिन्ता का विषय होता है।<br>(ii) मुद्रा के मूल्यह्रास तथा मुद्रा-अवमूल्यन का निर्यात पर एक समान प्रभाव पड़ता है।<br>(iii) '**भारतीयों द्वारा विदेशी सम्पत्तियों में निवेश**' भुगतान संतुलन के पूँजी खाते के नामे (डेबिट) पक्ष में लेखांकित किया जाता है।<br><br>**उत्तर**: (i) **असत्य**, व्यापार घाटा कम चिंताजनक होता है यदि यह ऐसे निवेश में वृद्धि दर्शाता है, जो की पूंजी के स्टॉक में वृद्धि करता है तथा जिससे भविष्य में उत्पादन की वृद्धि होती है।<br>(ii) **सत्य**, मूल्यह्रास तथा अवमूल्यन दोनों किसी अर्थव्यवस्था के निर्यात पर समान प्रभाव डालते हैं। यह दोनों शब्द यद्यपि पर्यायवाची हैं परंतु भिन्न संदर्भों में प्रयोग किए जाते हैं। अवमूल्यन को स्थिर विनिमय प्रणाली में प्रयोग किया जाता है, जबकि मूल्यह्रास को नम्य विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत प्रयोग किया जाता है।<br>(iii) **सत्य,** भारतीयों द्वारा विदेशी संपत्तियों में निवेश के कारण विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन होता है। अतः यह भुगतान संतुलन के पूंजी खाते के नामें (डेबिट) पक्ष में लेखांकित किया जाएगा।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न**: **(क)** समझाएँ कि, घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास का राष्ट्र में आयात पर क्या संभावित प्रभाव पड़ता है।<br>**उत्तर: (क)** घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास का अर्थ विदेशी मुद्रा ($) के संदर्भ में घरेलू मुद्रा (₹) के मूल्य में कमी से है। इसके परिणाम स्वरूप, विदेशी वस्तुएं घरेलू मुद्रा के संदर्भ में महंगी हो सकती हैं। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में आयात कम हो सकता है।<br>**प्रश्न**: **(ख)** चालू व्यापार घाटा (CAD) तथा चालू व्यापार अधिशेष (CAS) में अंतर स्पष्ट करें।<br>**उत्तर: (ख)** चालू व्यापार घाटा उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों (चालू हस्तांतरण सहित) से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियाँ, ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से कम होती हैं।<br>जबकि<br>चालू व्यापार अधिशेष उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों (चालू हस्तांतरण सहित) से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियां ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से अधिक होती हैं। | 2<br>2<br>2<br>3<br>1 ½<br>1 ½ |
| | **खंड- ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास** | |
| 18 | **प्रश्न:** मिश्रित अर्थव्यवस्था को परिभाषित करें।<br>**उत्तर**: मिश्रित अर्थव्यवस्था में बाजार व्यवस्था उन सभी वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करता है, जिन्हें वह अच्छे से उत्पादित कर सकता है। और सरकार उन अनिवार्य वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करती है जिन्हें प्रदान करने में बाजार असफल रहते हैं।<br>**(अन्य कोई प्रमाणिक परिभाषा के लिए भी अंक दिए जाय)** | 1 |
| 19 | **प्रश्न:** _____के परवर्ती विश्व व्यापार संगठन (WTO) का गठन 1995 में किया गया था।<br>**उत्तर:** टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) | 1 |
| 20 | **प्रश्न:** महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति ----------के नेतृत्व में लागू की गई था। (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) माओ ज़िडोंग (ख) ज.ला. नेहरू (ग) मो.क. गांधी (घ) मु.अ. जिन्ना<br>**उत्तर:** (क) माओ ज़िडोंग | 1 |
| 21 | **प्रश्न:** प्रच्छन्न बेरोजगारी को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** प्रच्छन्न बेरोजगारी वह स्थिति है, जिसमें किसी कार्य में जितने व्यक्तियों की वास्तव में (इष्टम) आवश्यकता है, उससे अधिक व्यक्ति कार्यरत रहते हैं। | 1 |
| 22 | **प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में _____नीति का अनुगमन किया गया था. जिसका उद्देश्य आयात के बदले घरेलू उत्पादन द्वारा पूर्ति करना था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर:** आयात प्रतिस्थापन | 1 |
| 23 | **प्रश्न:** विगत् कुछ दशकों में, भारत में _____ (प्राथमिक/द्वितीयक/तृतीयक) क्षेत्र ने रोज़गार के सर्वाधिक अवसर पैदा किए हैं। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर:** तृतीयक | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 24 | **प्रश्न:** चीन में 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' (GLF) का मुख्य उद्देश्य----------में तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना था।<br>(क) कृषि (ख) उद्योगों (ग) सेवाओं (घ) आयात<br>**उत्तर:** (ख) उद्योगों | 1 |
| 25 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से क्या जैविक कृषि का एक लाभ नहीं है ? (सही विकल्प का चयन करें।)<br>(क) सस्ते आगत (ख) आकर्षक निवेश के प्रतिफल<br>(ग) आयात की अधिक संभावनाएँ (घ) उच्च पोषण मान<br>**उत्तर:** (ग) आयात की अधिक संभावनाएं | 1 |
| 26 | **प्रश्न:** उल्लेख करें कि, निम्नलिखित कथन सत्य अथवा असत्य है :<br>"विश्व बैंक को पंजीकरण तथा परिसीमन के अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD) के नाम से भी जाना जाता है।<br>**उत्तर:** असत्य **अथवा**<br>**प्रश्न:** विपणित अधिशेष को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** कृषि उत्पाद का वह अंश जो किसानों द्वारा बाजार में बेचा जाता है, विपणित अधिशेष कहलाता है। | 1<br>1 |
| 27 | **प्रश्न:** चीन में आर्थिक सुधार वर्ष_____में लागू किए गए थे। (सही विकल्प का चयन करें ।)<br>(क) 1978 (ख) 1980 (ग) 1988 (घ) 1991<br>उत्तर: (क) 1978 | 1 |
| 28 | **प्रश्न:** "आर्थिक संवृद्धि में तीव्र वृद्धि अवश्य ही पूर्णतः निर्धन वर्ग के व्यक्तियों तक पहुँच जाती है ।" दिए गए कथन का तर्क सहित समर्थन अथवा खंडन करें।<br>**उत्तर**: दिए गए कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि -<br>(i) तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि बहुत कम हुई।<br>(ii) हरित क्रांति ने क्षेत्रीय विषमताओं को बढ़ाया और बड़े तथा छोटे किसानों के बीच खाई गहरी की थी।<br>(iii) आर्थिक सुधारों के लाभों को धनी वर्ग द्वारा हथिया लिया गया। **(किसी अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "मानव पूँजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।"<br>क्या आप दिए गए कथन से सहमत है ? अपने उत्तर का उचित तर्क सहित समर्थन करें ।<br>**उत्तर:** हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनो की उत्पादकता को ही नही बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता हैं। शिक्षा में निवेश नई तकनीक को अपनाने की योग्यता,वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यत: नई तकनीक तथा नवोत्थान को तेजी से सीखता तथा अपनाता है। **(कोई अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)** **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 1<br>1<br>1<br>3 |
| 29 | **प्रश्न** : मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :<br>राष्ट्र \| जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) \| लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)<br>भारत \| 1.2% \| 929<br>चीन \| 0.5% \| 941<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर**: (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि, चीन ने 1970 के दशक में 'एक शिशु नीति' जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.2% है, जो की चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत में यह अनुपात 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है, वहीं चीन में भी यह अनुपात 941 महिला प्रति | 2<br>1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | 1000 पुरुष है। दोनों देश इस अनुपात के स्तर पर एक दुसरे से बहुत दूर नही है। | |
| 30 | **प्रश्न**: स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:<br>(i) **कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व-** कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था।<br>(ii) **क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि-** विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों (मद्रास,बम्बई और बंगाल आदि सूबों) में कृषि क्षेत्र पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई थी। **(या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में 'आत्मनिर्भरता' के चयन के औचित्य का संक्षेप में विवेचन करें।<br>**उत्तर:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में आत्मनिर्भरता के चयन के मुख्य औचित्य थे-<br>(i) **विदेशो पर निर्भरता में कमी-** योजना उद्देश्य में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण था। स्वतंत्रता के पश्चात पंचवर्षीय योजना के आरम्भिक वर्षो में विदेशो पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू संसाधनों के उपयोग पर बल दिया गया।<br>(ii) **विदेशी हस्तक्षेप को रोकना-** स्वतंत्रता के पश्चात यह डर था कि आयातित खाद्य सामग्री, विदेशी तकनीक और विदेशी पूंजी पर निर्भरता, हमारे देश की नीतियों में विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ा सकती है। | 2<br>2<br>2<br>2 |
| 31 | **प्रश्न:** "कुछ अर्थशास्त्रियों का यह मानना है कि आर्थिक सुधारों से भारत में कृषि क्षेत्रक पर दुष्प्रभाव पड़ा है।"<br>क्या आप दिए गए कथन से सहमत है ? उचित तर्क द्वारा अपने उत्तर का समर्थन करें ।<br>**उत्तर**: यह सही है कि कृषि क्षेत्रक आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया में बुरी तरह प्रभावित हुआ है:<br>**(क.) कृषि क्षेत्रक में सार्वजनिक व्यय में कमी---** आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के समय कृषि क्षेत्रक में विशेषकर सिचाई, शक्ति जैसी आधारभूत संरचना में सार्वजनिक निवेश में कमी आयी।<br>**(ख) उर्वरकों की सब्सिडी कम** करने के कारण उत्पाद की लागत बढ़ गई जिसके कारण छोटे और सीमांत किसानों पर बुरा प्रभाव पड़ा।<br>**( कोई अन्य उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)** | 2<br>2<br>2 |
| 32 | **प्रश्न:** (क) भारत सरकार की AYUSH (आयुश) योजना के अंतर्गत आने वाली छ: भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के नाम का उल्लेख करें।<br>**उत्तर**: (क) भारत सरकार की आयुष योजना के अंतर्गत निम्न चिकित्सा प्रणालियों को सम्मिलित किया जाता है-<br>1.आयुर्वेद 2.योग 3.यूनानी 4.सिद्ध 5.प्राकृतिक चिकित्सा और 6.होम्योपैथी<br>**प्रश्न:** (ख) ऊर्जा के किन्हीं दो गैर-पारंपरिक स्रोतों के नाम लिखें।<br>**उत्तर:** (ख) ऊर्जा के दो गैर पारंपरिक स्रोत है : सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा **(या अन्य कोई ऊर्जा का उपयुक्त स्रोत)** | ½ x 6 = 3<br>½ + ½ |
| 33 | **प्रश्न:** धारणीय विकास से क्या तात्पर्य है ? धारणीय विकास की किन्हीं दो रणनीतियों की व्याख्या करें<br>**उत्तर:** धारणीय विकास वह विकास है जो वर्तमान पीढी की आवश्यकताओं को भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति क्षमता से समझौता किए बिना, पूरा करें । धारणीय विकास की दो रणनीतियां:<br>i. **शहरी क्षेत्रों में सीएनजी का प्रयोग**- सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में ईंधन के रूप में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (CNG) के प्रयोग ने भारत के कुछ शहरों में वायु प्रदूषण में सार्थक रूप से कमी की है। जिससे विगत कुछ वर्षों में हवा साफ हुई है।<br>ii. **पवन ऊर्जा**- ऐसे क्षेत्रों में जहां हवा सामान्यतया तेज गति से चलती है वहां पवन चक्कियां पर्यावरण पर कोई भी नकारात्मक प्रभाव डाले बिना विद्युत प्रदान कर रही हैं। हालांकि इसकी प्रारंभिक लागत अधिक है फिर भी इससे होने वाले लाभ इसकी कीमत की पूर्ति कर देते हैं। **( अन्य कोई उपयुक्त बिंदु व्याख्या सहित)** | 2<br>2<br>2 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**34** **प्रश्न** : (क) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात को परिभाषित करें। इसका क्या महत्त्व है ?

**उत्तर:** (क) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात: श्रमिक-जनसंख्या अनुपात, कुल श्रमिको का कुल जनसंख्या से अनुपात दर्शाता है। इसे सामान्यतः प्रतिशत में प्रदर्शित किया जाता है। इसे सभी श्रमिकों की संख्या को देश की कुल जनसंख्या से भाग कर उसे 100 से गुणा कर प्राप्त किया जा सकता है। 2

यह अनुपात, जनसंख्या के उस भाग को दर्शाता है जो देश में सक्रिय रूप से वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में योगदान करता है।

**प्रश्न: (ख)** दिए गए आंकड़ों के आधार पर भारत में श्रम बल के क्षेत्रकवार वितरण की प्रवृत्तियों का विश्लेषण करें। 1

**रोजगार प्रारूप में प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रकवार) 1972-2012 (% में)**

| क्षेत्रक | 1972-73 | 1983 | 1993-94 | 1999-2000 | 2011-2012 |
|---|---|---|---|---|---|
| प्राथमिक | 74.3 | 68.6 | 64 | 60.4 | 48.9 |
| द्वितीयक | 10.9 | 11.5 | 16 | 15.8 | 24.3 |
| सेवाएँ | 14.8 | 16.9 | 20 | 23.8 | 26.8 |
| कुल | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 |

**उत्तर:** (ख) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में श्रमबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** 3

**(या अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या)**

**अथवा**

**प्रश्न:** (क): "प्रधानमंत्रीजी ने ग्रामीण क्षेत्र की आय में वृद्धि के लिए गैर-कृषि क्रियाकलापों को बढ़ावा देने का आग्रह किया है।" किस प्रकार गैर-कृषि क्रियाकलाप ग्रामीण क्षेत्र में लोगों की आय में वृद्धि कर सकते हैं ?

**उत्तर:** (क) गैर कृषि क्रियाकलाप धारणीय आजीविका के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करते हैं। यह क्रियाकलाप उत्पादन तथा बाजार कीमतों में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करके आय के स्तर में वृद्धि करते हैं। भारत में कृषि एक मौसमी व्यवसाय है। गैर मौसम में रोज़गार की तलाश और किसानों की आय को स्थिर रखना कठिन हो जाता है। इसमें भी गैर कृषि क्रियाकलाप सहायक होते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री जी ने ग्रामीण भारत के किसानों के हित मे उचित आग्रह किया है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** 3

**प्रश्न:** (ख) "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है।" दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन उचित तर्क सहित करें।

**उत्तर:** (ख) इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से कम रही है। दूसरे कारणों के साथ साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रह है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** 3

**(आंकड़े केवल उत्तर के समर्थन के लिए दिए गए हैं।** आंकडें **नही देने पर अंक न काटे जाएं)**



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

HMJ/1

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/5/1**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| प्रश्न. | अपेक्षित उत्तर<br>खण्ड-क समष्टि अर्थशास्त्र | अंक |
|---|---|---|
| 1 | **प्रश्न:** एक अर्थव्यवस्था में साख उपलब्धता को कम करने के लिए, केन्द्रीय बैंक ---------- । (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ क्रय कर सकता है। (ख) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ विक्रय कर सकता है।<br>(ग) आरक्षित अनुपात में कमी कर सकता है । (घ) रेपो रेट में कमी कर सकता है।<br>**उत्तर:** (ख) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ विक्रय कर सकता है। | 1 |
| 2 | **प्रश्न:** सरकार द्वारा विगत् वर्षों के ऋण पर ब्याज भुगतान ---------- घाटे में सम्मिलित होता है। **(रिक्त स्थान की पूर्ति सही उत्तर द्वारा करें)**<br>**उत्तर:** राजकोषीय/राजस्व (दोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिये जायें) | 1 |
| 3 | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: "माल-सूची **(inventory)** एक स्टॉक चर है।"<br>**उत्तर:** सत्य | 1 |
| 4 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से क्या एक 'साधन भुगतान नहीं हैं ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) रक्षा कर्मियों को मुफ्त वर्दी (ख) संसद सदस्यों का वेतन<br>(ग) इमारत के मालिक को दिया गया किराया (घ) विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति<br>**उत्तर:** (घ) विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति | 1 |
| 5 | **प्रश्न :** अल्परोज़गार की परिस्थिति में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही नहीं है ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) समग्र माँग और समग्र पूर्ति बराबर होते हैं। (ख) अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता मौजूद होती है ।<br>(ग) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग नहीं होता है। (घ) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग होता है।<br>**उत्तर:** (घ) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग होता है। | 1 |
| 6 | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: 'सभी वित्तीय संस्थाएँ बैंकिंग संस्थाएँ होती हैं ।'<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 7 | **प्रश्न:** संयुक्त कारक आय, जिसे कारक आय के विभिन्न घटकों में पृथक नहीं किया जा सकता ---------- कहलाती है।<br>(रिक्त स्थान की पूर्ति सही उत्तर द्वारा करें)<br>**उत्तर:** स्वनियोजितो की मिश्रित आय | 1 |
| 8 | **प्रश्न:** यदि सीमांत बचत प्रवृत्ति **(MPS) 0.25** तथा निवेश में प्रारंभिक परिवर्तन ₹ **250** करोड़ है, तो आय में अंतिम परिवर्तन _____ होगा। (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) ₹ **1,000** करोड़ (ख) ₹ **1,200** करोड़ (ग) ₹ **500** करोड़ (घ) ₹**3,500** करोड़<br>**उत्तर:** (क) ₹ **1,000** करोड़ | 1 |
| 9 | **प्रश्न:** 'सार्वजनिक वस्तुओं' को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** सार्वजनिक वस्तुएं वे वस्तुएं होतीं हैं, जो सामूहिक रूप से उपभोग की जाती है। इन वस्तुओं के एक व्यक्ति द्वारा उपभोग करने से दूसरों के लिए उपलब्ध पूर्ति में कमी नहीं आती और लोगों को उनके उपभोग से रोका नहीं जा सकता है। | 1 |
| 10 | **प्रश्न:**निवल घरेलू स्थायी पूँजी निर्माण + स्टॉक में परिवर्तन = _____। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>**उत्तर:** निवल घरेलू पूंजी निर्माण<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** जब मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद **(GDP)** ₹ **840** करोड़ है तथा कीमत सूचकांक **120** हो, तो वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद **(GDP)** ---------- होगा। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)<br>(क) ₹**700** करोड़ (ख) ₹**900** करोड़ (ग) ₹**800** करोड़ (घ) ₹**500** करोड़<br>**उत्तर:** (क) ₹**700** करोड़ | 1<br>1 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

**11**

**प्रश्न:** 'उत्पादको को दिया गया उपदान, हस्तांतरण भुगतान की तरह माना जाना चाहिए।' दिए गए कथन का उचित कारण सहित समर्थन अथवा खंडन करें।

**उत्तर:** दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि, उपदान एक हस्तांतरण भुगतान है। उपदान सरकार द्वारा उत्पादकों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता है, जो कि सरकार के समाज कल्याण के उदेश्यों को पूरा करती है। उपदान से वस्तुओं व सेवाओं के प्रवाह में कोई वृद्धि नहीं होती ना ही यह मूल्यवृद्धि में कोई योगदान होता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** 3

**(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें**)**

**अथवा**

**प्रश्न:** एक द्वि-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में आय के चक्रीय प्रवाह की व्याख्या करें ।

**उत्तर:** द्वि-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में उत्पादक **(फर्म)** तथा गृहस्थ- क्षेत्र को शामिल किया जाता है। कारक सेवाओं के स्वामी के रूप में गृहस्थ क्षेत्र, फर्म को कारक सेवाएं प्रदान करते हैं। जिनकी सहायता से फर्म वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करती हैं तथा भुगतान के रूप में गृहस्थ क्षेत्र को कारक भुगतान **(**किराया, मजदूरी, ब्याज तथा लाभ**)** करता है। गृहस्थ क्षेत्र इस प्राप्त आय को फर्म द्वारा उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के उपभोग पर व्यय करता है। जिससे उपभोग व्यय के रूप में आय गृहस्थ क्षेत्र से फर्म की ओर प्रवाहित होती है और आय का चक्रीय प्रवाह पूरा करती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं हैं)** 3

**12**

**प्रश्न:** बाज़ार कीमत पर सकल मूल्य वृद्धि की गणना करें :

| **क्र. सं.** | **विवरण** | **राशि (₹ लाख में)** |
|---|---|---|
| (i) | मूल्यह्रास | 20 |
| (ii) | घरेलू बिक्री | 200 |
| (iii) | स्टॉक में परिवर्तन | (–)10 |
| (iv) | निर्यात | 10 |
| (v) | एकल प्रयोग निर्माता वस्तुएँ | 120 |

**उत्तर:** बाजार कीमत पर सकल मूल्य वृद्धि = **(ii) + (iii)+(iv) – (v)** 1 ½

= 200+ (-)10 + 10 – 120 1

= ₹ 80 लाख ½

**13**

**प्रश्न:** "आय की असमानता को कम करने में कराधान एक प्रभावशाली उपकरण है।" दिए गए कथन का उचित कारणों द्वारा औचित्य सिद्ध करें ।

**उत्तर:** यह कथन उचित है, कि आय की असमानता को कम करने में कराधान एक प्रभावशाली उपकरण है। सरकार अधिक आय अर्जित करने वाले व्यक्तियों पर ऊंची दर से कर **(**प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर**)** लगाकर उनकी प्रयोज्य आय कम कर सकती है। सरकार करों से प्राप्त राजस्व को निर्धन व्यक्तियों की प्रयोज्य आय बढ़ाने हेतु उनके द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं व सेवाओं की **(**निशुल्क तथा उपदान प्राप्त कीमतों पर**)** आपूर्ति कर सकती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें**)** 4

**14**

**प्रश्न:** दिए गए चित्र में, **"KT"** अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए ।

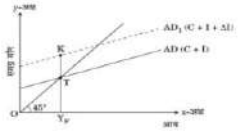

**उत्तर "KT"** स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है। 1

स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -

**i.** करों **में वृद्धि -** स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। 1 ½

**ii. सरकारी व्यय में कमी -** स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। 1 ½



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **दृष्टि*बाधित छात्रों* के लिए:**<br>**प्रश्न:** अपस्फीतिक अंतराल से क्या तात्पर्य है ? अपस्फीतिक अंतराल की स्थिति को ठीक करने के किन्हीं दो मौद्रिक उपयों को दर्शाइए ।<br>**उत्तर:** अपस्फीतिक अंतराल ऐसी स्थिति है जिसमें समग्र मांग पूर्ण रोजगार संतुलन पर आवश्यक समग्र पूर्ति से कम होती है<br>अपस्फीतिक अंतराल को नियंत्रित करने के दो मौद्रिक उपाय निम्न है।<br>**(i)** रेपो दर में कमी<br>**(ii)** खुले बाजार में प्रतिभूतियों का क्रय **(कोई अन्य मान्य उपाय – उचित व्याख्या सहित)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** समझाइए कि, अधिमांग को नियंत्रित करने में 'रिवर्स रेपो रेट' किस प्रकार सहायता करता है ?<br>**उत्तर:** रिवर्स रेपो दर ब्याज की वह दर है, जिस पर व्यवसायिक बैंक अल्पकाल के लिए अपने अतिरिक्त कोषों को केंद्रीय बैंक के पास जमा करता है। अधिमांग की स्थिति के समाधान हेतु केंद्रीय बैंक रिवर्स रेपो दर में वृद्धि करता है, जिससे व्यवसायिक बैंक अपने कोषों को केंद्रीय बैंक में जमा कराने हेतु प्रोत्साहित होता है। परिणामत: व्यवसायिक बैंक की साख निर्माण हेतु कोष उपलब्धता घट जाती है। अत: उपभोग व्यय तथा निवेश व्यय घटता है जिससे समग्र मांग में कमी होती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **(अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 1<br>1 ½<br>1 ½<br>4 |
| **15** | **प्रश्न:** केन्द्रीय बैंक के "सरकार के बैंक, सलाहकार तथा एजेंट" कार्य की व्याख्या करें ।<br>**उत्तर:** सरकार के बैंकर के रूप में, केंद्रीय बैंक सरकार की प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उसे भुगतान करता है। बैंकर के रूप में, केंद्रीय बैंक सरकार को विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण भी प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक एजेंट तथा सलाहकार के रूप में सरकार के लिए सार्वजनिक ऋण का प्रबंध करता है और आर्थिक मामलों में सरकार को अवश्यकता अनुसार सलाह भी देता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** | 4 |
| **16** | **प्रश्न: (क)** 'घरेलू वस्तुओं और सेवाओं की माँग' तथा 'वस्तुओं और सेवाओं की घरेलू माँग' की अवधारणाओं में विभेद करें।<br>**उत्तर: (क)** घरेलू वस्तुओं और सेवाओं की मांग से अभिप्राय वस्तुओं तथा सेवाओं की घरेलू मांग तथा विदेशों द्वारा की गई है मांग के योग से है, जबकि;<br>वस्तुओं और सेवाओं की घरेलू मांग से अभिप्राय घरेलू स्तर पर घरेलू वस्तुओं व सेवाओं के साथ विदेशी वस्तुओं व सेवाओं की मांग के जोड़ से है।<br>**प्रश्न: (ख)** 'चालू खाते के घाटे' तथा 'चालू खाते के अतिरेक' में अंतर स्पष्ट करें।<br>**उत्तर: (ख)** चालू खाता घाटा उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा चालू हस्तांतरण से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियाँ, ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से कम होती हैं, जबकि;<br>चालू खाता अतिरेक उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा चालू हस्तांतरण से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियां ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से अधिक होती हैं। | 1 ½<br>1 ½<br>1 ½<br>1 ½ |
| **17** | **प्रश्न:** दिए गए आँकड़ों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें :<br>**(i)** नियोजित निवेश = **₹ 100** करोड़ (ii) C = 50 + 0.50Y<br>**(क)** आय के संतुलन स्तर की गणना करें।<br>**(ख)** आय के संतुलन स्तर पर बचत के मूल्य की गणना करें ।<br>**(ग)** निवेश गुणक के मूल्य की गणना करें।<br>**उत्तर: (क)** आय का संतुलन स्तर - AD = Y = C+I<br>इसलिए, **Y = (50 + 0.5Y) + 100**<br>Y – 0.5 Y = 150<br>Y = 150/0.5 = ₹ 300 करोड़.<br>अत: आय के संतुलन स्तर = **₹ 300** करोड़.<br>**(ख)** आय के संतुलन स्तर पर बचत: S= (-) c + (1-b)Y<br>S = (-)50 +( 0.5)(300)<br>S = ₹100 करोड़ **(अन्य कोई मान्य विधि को भी अंकित किया जाय)** | ½<br>½<br>½<br>½<br>1<br>½<br>½ |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | (ग) निवेश गुणक (K) $= \frac{1}{1-MPC}$<br>$K = \frac{1}{1-0.5}$<br>$K = 2$<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** निम्न परिस्थितियों में समायोजन तंत्र की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए :<br>(क) यदि समग्र आपूर्ति की तुलना में समग्र माँग अधिक हो।<br>**उत्तर: (क)** यदि प्रत्याशित समग्र मांग **(AD),** प्रत्याशित समर्थ समग्र पूर्ति **(AS)** से अधिक है तो इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप, उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति **(AS),** अप्रत्याशित समग्र मांग **(AD)** के बराबर ना हो जाए।<br>**(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>(ख) यदि प्रत्याशित बचत **(Ex-Ante Savings)** की तुलना में प्रत्याशित निवेश **(Ex-Ante Investment)** कम हो।<br>**(ख)** प्रत्याशित निवेश यदि प्रत्याशित बचत से कम हो तो इसका अर्थ है, कि उत्पादक जितना उत्पादन करने की योजना बना रहें हैं, उपभोक्ता उससे कम वस्तुएं खरीदने की योजना बना रहें हैं। जिससे अप्रत्याशित अनबिके माल का स्टॉक उत्पादकों के पास उपलब्ध होगा। अतः उत्पादक भविष्य में उत्पादन व रोजगार में कमी करेंगे और यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित निवेश व प्रत्याशित बचत बराबर ना हो जाए। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | 1<br>½<br>½<br><br><br><br><br><br>3<br><br><br><br>3 |
| | **खंड- ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास** | |
| **18** | **प्रश्न:** 'आयात प्रतिस्थापन' की नीति का लक्ष्य --------- उद्योगों को संरक्षण देना था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>**उत्तर:** घरेलू | **1** |
| **19** | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से क्या धारणीय विकास की एक रणनीति के तौर पर प्रयोग नहीं की जाती है ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) गोबर गैस का प्रयोग (ख) सौर ऊर्जा का प्रयोग (ग) तापीय ऊर्जा का प्रयोग (घ) जलीय ऊर्जा का प्रयोग<br>**उत्तर:** (ग) तापीय ऊर्जा का प्रयोग | **1** |
| **20** | **प्रश्न:** मातृ मृत्यु दर -------- (चीन/पाकिस्तान) में अधिक है। (सही विकल्प से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर:** पाकिस्तान | **1** |
| **21** | **प्रश्न:** 'विपणित अधिशेष' का अर्थ लिखें।<br>**उत्तर:** विपणित अधिशेष कुल कृषि उत्पाद का वह भाग है जो किसी कृषक द्वारा अपनी उपभोग आवश्यकताओ के पूर्ण हो जाने के पश्चात बाजार में बेचा जाता है।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** 'सहायिकी' का अर्थ लिखें।<br>**उत्तर:** सहायिकी/उपदान सरकार द्वारा प्रदान किया गया ऐसा मौद्रिक फायदा है जो उत्पादको तथा उपभोक्ताओं को बाजार कीमत से कम कीमत पर बेचने तथा खरीदने के योग्य बनाती है। | 1<br><br><br><br>**1** |
| **22** | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: **"2018** की मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत **180**वीं पायदान पर था।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| **23** | **प्रश्न:** यदि एक निर्माण स्थल के प्रबंधक ने दो मजदूरों को दैनिक मजदूरी आधार पर काम दिया है तो, इस प्रकार की स्थिति को------<br>(औपचारिक/अनौपचारिक) क्षेत्रक के अंतर्गत सम्मिलित किया जाएगा। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>**उत्तर:** अनौपचारिक | 1 |
| **24** | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से किस राष्ट्र ने सन् **1991** में आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया का आरंभ किया था ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) पाकिस्तान (ख) भारत (ग) रूस (घ) चीन<br>**उत्तर:** (ख) भारत | 1 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 25 | **प्रश्न:** _____ (शहरी/ग्रामीण) क्षेत्र में भारतीय श्रम बल के घटक के रूप में महिला श्रमिकों का अनुपात अधिक पाया जाता है।<br>**उत्तर:** ग्रामीण | 1 |
| 26 | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य।<br>"GATT की स्थापना सन् 1923 में 48 सदस्य राष्ट्रों के साथ हुई थी।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 27 | **प्रश्न:** चीनी गणराज्य के संदर्भ में 'GLF" का अर्थ ---------- है। (सही विकल्प का चयन करें)<br>**(क) Giant Leap Forward (ख) Great Lead Forum (ग) Great Leap Forward (घ) Giant Lead Forum**<br>**उत्तर: (ग) Great Leap Forward** | 1 |
| 28 | **प्रश्न:** भारत में 'श्रमशक्ति के अनौपचारीकरण' की संकल्पना को संक्षेप में समझाएँ।<br>**उत्तर:** हाल के वर्षों में भारत, श्रम शक्ति के औपचारिक क्षेत्र से अनौपचारिक क्षेत्र में बढ़ने की प्रवृत्ति का साक्षी रहा है। वह प्रक्रिया जिसमें कुल श्रमबल में अनौपचारिक श्रमिकों का अनुपात बढ़ता है, श्रम शक्ति का अनौपचारिककरण कहलाता है। सरकार ने अनौपचारिक क्षेत्र के आधुनिकीकरण का सूत्रपात किया है और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को भी सामाजिक सुरक्षा देने की पहल की है।<br>**(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारत में ग्रामीण विकास के समक्ष प्रस्तुत किन्हीं तीन चुनौतियों का उल्लेख करें।<br>**उत्तर: भारत** में ग्रामीण विकास के तीन चुनौतियां निम्न है<br>**(i)** मानव संसाधनों का विकास<br>**(ii)**आधारिक संरचना का विकास<br>**(iii)** निर्धनता निवारण के उपाय **(किसी अन्य मान्य बिंदु को भी अंकित किया जाय)** | 3<br><br>1<br>1<br>1 |
| 29 | **प्रश्न** : मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :<br>राष्ट्र \| जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) \| लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)<br>भारत \| 1.2% \| 929<br>चीन \| 0.5% \| 941<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर**: **(i)** दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि, चीन ने 1970 के दशक में 'एक शिशु नीति' जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.2% है, जो की चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% से लगभग दुगनी है।<br>**(ii)** दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत में यह अनुपात 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है, वहीं चीन में भी यह अनुपात 941 महिला प्रति 1000 पुरुष है। दोनों देश इस अनुपात के स्तर पर एक दुसरे से बहुत दूर नही है। | 2<br><br>1 |
| 30 | **प्रश्न: 1991** के आर्थिक सुधारों के अंतर्गत "वित्तीय क्षेत्रक" में भारत सरकार द्वारा लिए गए किन्हीं दो प्रमुख का उल्लेख करें।<br>**उत्तर:** आर्थिक सुधारों के अंतर्गत "वित्तीय क्षेत्रक" में भारत सरकार द्वारा लिए गए दो प्रमुख कदम निम्न है-<br>(क) **<u>भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका में परिवर्तन-</u>** सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को इस क्षेत्र के नियंत्रक की भूमिका की बजाएं उसे वित्तीय क्षेत्र के एक सहायक की भूमिका तक सीमित कर दिया गया है। इसका अर्थ है, कि वित्तीय क्षेत्रक अधिक स्वायत्त (रिजर्व बैंक से सलाह लिए बिना ही कई मामलों में अपने निर्णय लेने में स्वतंत्रता) हो जाएगा।<br>(ख) **<u>निजी बैंकों का उदय-</u>** भारत सरकार की सुधार नीतियों ने वित्तीय क्षेत्रक में भारतीय और विदेशी निजी बैंकों को भी पर्दापण का अवसर दिया है। **(अन्य संबंधित उचित बिंदु पर भी अंक दिए जाएं)** | 2<br><br>2 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 31 | **प्रश्न:** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:<br>i. **<u>कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व-</u>** कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था।<br>ii. **<u>क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि-</u>** विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों **(**मद्रास,बम्बई और बंगाल आदि सूबों**)** में कृषि क्षेत्र पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई थी। **(या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के तौर पर 'समानता के साथ संवृद्धि के चयन के औचित्य का संक्षेप में वर्णन करें।<br>**उत्तर: <u>समानता के साथ</u>** संवृद्धि **-** संवृद्धि का अर्थ है, देश में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि जबकि समानता का अर्थ है आय व धन की असमानता में कमी है। किसी देश में उच्च संवृद्धि दर के बावजूद अधिकांश लोग गरीब हो सकते हैं। अतः यह सुनिश्चित करना आवश्यक है, कि आर्थिक संवृद्धि के लाभ देश के निर्धन लोग को भी सुलभ हो। भारत जैसे देश में समानता के साथ संवृद्धि अत्यंत आवश्यक है। **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)** **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 2<br>2<br>4 |
| 32 | **प्रश्न:** भारत में विद्युत क्षेत्र के समक्ष आने वाली किन्हीं दो समस्याओं पर चर्चा करें।<br>**उत्तर:** भारतीय विद्युत क्षेत्रक में दो चुनोतियाँ हैं **-**<br>i. भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता अपर्याप्त है और उसका भी पूर्ण उपयोग नही हो पाता। भारत में शक्ति सयंत्रों की कार्यात्मक क्षमता जिसे प्लांट लोड फैक्टर **(PLF)** के रूप में दर्शाया जाता है, बहुत कम है।<br>ii. राज्य विद्युत बोर्ड संचरण और वितरण की हानि, बिजली की दोषपूर्ण कीमतें और अन्य अकुशलताओ से त्रस्त हैं।<br>**(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)** | 2<br>2 |
| 33 | **प्रश्न: (**क**)** स्पष्ट करें कि 'मानव पूंजी में निवेश' किस प्रकार एक अर्थव्यवस्था की संवृद्धि में सहयोग देता है।<br>**उत्तर: (क)**मानव पूंजी में निवेश अर्थव्यवस्था की सवृद्धि में निम्न सहयोग देता है-<br>**(i)** सामान्यतः शिक्षित, प्रशिक्षित तथा स्वस्थ श्रमबल की उत्पादकता तुलनात्मक रूप से अशिक्षित,अप्रशिक्षित व अस्वस्थ श्रमबल से अधिक होती है जिससे अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है।<br>**(ii)** मानव पूंजी में निवेश अर्थव्यवस्था में नवीन अविष्कारों नवचारों तथा तकनीकी सुधारों को प्रोत्साहित करता है जिससे देश की उत्पादन क्षमता व कुल उत्पादन वृद्धि होती है। **( या अन्य कोई दो मान्य बिंदु)**<br>**प्रश्न: (**ख**)** 'कृषि विपणन' के अर्थ का उल्लेख करें।<br>**(ख)** कृषि विपणन- कृषि विपणन एक प्रक्रिया है जिसमें उत्पादित कृषि पदार्थों का संग्रह, भंडारण, प्रसंस्करण, परिवहन, बैंकिंग,वर्गीकरण और वितरण किया जाता है। | 2<br>2<br>2 |
| 34 | **प्रश्न:** भारतीय स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के परिणामों की समीक्षा करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं-<br>**1.**परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना।<br>**2.**भूमि और अन्य परी संपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए।<br>**3.** इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे।<br>**4.** निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण। **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**<br>**अथवा** | 6 |



Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **प्रश्न: (क)** 'ग्रामीण भारत के लिए उज्जवला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है ।' ऐसे किन्हीं तीन गैर-पारम्परिक ईंधनों का उल्लेख करें जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में उज्जवला योजना कार्य कर रही है।<br>**उत्तर: (क)** ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर **(** स्वच्छ ईंधन**)** वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है।<br>तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्जवला योजना के कारण कम हुआ है-<br>**(i)** कृषि अवशेष और सूखा गोबर।<br>**(ii)** जलाने की लकड़ी।<br>**(iii)** कोयला। **(अन्य कोई उचित उदाहरण)**<br>**प्रश्न: (ख)** "अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इच्छित परिणामों को प्राप्त करने के लिए भारत को शिक्षा पर कम से कम **GDP** का **6%** व्यय करना चाहिए।" दिए गए कथन का औचित्य मान्य कारणों द्वारा सिद्ध करें।<br>**उत्तर: (ख)** दिया गया कथन उचित है ऐसा **1964-65** के शिक्षा आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया है।वर्तमान परिदृश्य में सरकार अपने व्यय का केवल **4%** भाग ही शिक्षा पर व्यय कर रही है। शिक्षा पर व्यय मानव पूंजी निर्माण का एक महत्वपूर्ण भाग है। यदि सरकार अपने कुल व्यय का **6%** शिक्षा पर व्यय करें तो इससे शिक्षित व कुशल श्रमबल की उपलब्धता में वृद्धि होगी जिससे उत्पादन तथा आर्थिक समृद्धि बढ़ जाएगी। **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय) (पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**<br>**(आंकड़े केवल उत्तर के समर्थन के लिए दिए गए हैं।** आंकडें **नही देने पर अंक न काटे जाएं)** | 1<br>1<br>1<br>3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

HMJ/1

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/5/2**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| प्र.सं. | अपेक्षित उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| | **खण्ड-क समष्टि अर्थशास्त्र** | |
| 1 | **प्रश्न:** सरकार द्वारा विगत् वर्षों के ऋण पर ब्याज भुगतान_____ घाटे में सम्मिलित होता है। **(रिक्त स्थान की पूर्ति सही उत्तर द्वारा करें)**<br>**उत्तर:** राजकोषीय/राजस्व (दोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिये जायें) | **1** |
| 2 | **प्रश्न:** एक अर्थव्यवस्था में साख उपलब्धता को कम करने के लिए, केन्द्रीय बैंक _____। (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ क्रय कर सकता है। (ख) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ विक्रय कर सकता है।<br>(ग) आरक्षित अनुपात में कमी कर सकता है। (घ) रेपो रेट में कमी कर सकता है।<br>**उत्तर:** (ख) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ विक्रय कर सकता है। | **1** |
| 3 | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य।<br>"एक उत्पादक द्वारा क्रय की गई मशीनरी एक मध्यवर्ती वस्तु होती है।'<br>**उत्तर:** असत्य | **1** |
| 4 | **प्रश्न :** अल्परोज़गार की परिस्थिति में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही नहीं है ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) समग्र माँग और समग्र पूर्ति बराबर होते हैं। (ख) अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता मौजूद होती है<br>(ग) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग नहीं होता है। (घ) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग होता है।<br>**उत्तर:** (घ) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग होता है। | 1 |
| 5 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से क्या एक 'साधन भुगतान नहीं हैं ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) रक्षा कर्मियों को मुफ्त वर्दी (ख) संसद सदस्यों का वेतन<br>(ग) इमारत के मालिक को दिया गया किराया (घ) विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति<br>**उत्तर:** (घ) विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति | **1** |
| 6 | **प्रश्न:** संयुक्त कारक आय, जिसे कारक आय के विभिन्न घटकों में पृथक नहीं किया जा सकता _____ कहलाती है।<br>**उत्तर:** स्वनियोजितो की मिश्रित आय | 1 |
| 7 | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य। "सभी वित्तीय संस्थाएँ बैंकिंग संस्थाएँ होती हैं।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 8 | **प्रश्न:** निवल घरेलू स्थायी पूँजी निर्माण + स्टॉक में परिवर्तन = _____ (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>**उत्तर:** निवल घरेलू पूंजी निर्माण।<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** जब मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) ₹ 840 करोड़ है तथा कीमत सूचकांक 120 हो, तो वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) _____ होगा। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)<br>(क) ₹700 करोड़ (ख) ₹900 करोड़ (ग) ₹ 800 करोड़ (घ) ₹ 500 करोड़<br>**उत्तर:** (क) ₹700 करोड़ | 1<br>1 |
| 9 | **प्रश्न:** यदि सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) 0.25 तथा निवेश में प्रारंभिक परिवर्तन ₹ 250 करोड़ है, तो आय में अंतिम परिवर्तन _____ होगा। (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) ₹ 1,000 करोड़ (ख) ₹ 1,200 करोड़ (ग) ₹ 500 करोड़ (घ) ₹3,500 करोड़<br>**उत्तर:** (क) ₹ 1,000 करोड़ | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**10**

**प्रश्न:** निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?

(क) बाज़ार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) = साधन लागत पर GDP जमा शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

(ख) बाज़ार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) = साधन लागत पर NNP

(ग) बाज़ार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) = बाज़ार कीमत पर GDP जमा विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय

(घ) साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) = राष्ट्रीय आय

**उत्तर:** (ख) बाज़ार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) = साधन लागत पर NNP — **1**

**अथवा**

**प्रश्न:** यदि एक अर्थव्यवस्था में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) ₹ 520 करोड़ तथा मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद(GDP) ₹ 650 करोड़ है, तो कीमत सूचकांक की गणना करें। — **1**

**उत्तर:** ₹125 करोड़

**11**

**प्रश्न:** 'उत्पादको को दिया गया उपदान, हस्तांतरण भुगतान की तरह माना जाना चाहिए।' दिए गए कथन का उचित कारण सहित समर्थन अथवा खंडन करें।

**उत्तर:** दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि, उपदान एक हस्तांतरण भुगतान है। उपदान सरकार द्वारा उत्पादकों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता है, जो कि सरकार के समाज कल्याण के उदेश्यों को पूरा करती है। उपदान से वस्तुओं व सेवाओं के प्रवाह में कोई वृद्धि नहीं होती ना ही यह मूल्यवृद्धि में कोई योगदान होता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** — **3**

**(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना किये जायें**)**

**अथवा**

**प्रश्न:** एक द्वि-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में आय के चक्रीय प्रवाह की व्याख्या करें।

**उत्तर:** द्वि-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में उत्पादक (फर्म) तथा गृहस्थ- क्षेत्र को शामिल किया जाता है। कारक सेवाओं के स्वामी के रूप में गृहस्थ क्षेत्र, फर्म को कारक सेवाएं प्रदान करते हैं। जिनकी सहायता से फर्म वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करती हैं तथा भुगतान के रूप में गृहस्थ क्षेत्र को कारक भुगतान (किराया, मजदूरी, ब्याज तथा लाभ) करता है। गृहस्थ क्षेत्र इस प्राप्त आय को फर्म द्वारा उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के उपभोग पर व्यय करता है। जिससे उपभोग व्यय के रूप में आय गृहस्थ क्षेत्र से फर्म की ओर प्रवाहित होती है और आय का चक्रीय प्रवाह पूरा करती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं हैं)** — **3**

**12**

**प्रश्न:** निम्नलिखित आँकड़ों से, शुद्ध मूल्य वृद्धि की गणना करें :

| **क्र.सं.** | **विवरण** | **(₹ लाख में)** |
|---|---|---|
| (i) | टिकाऊ उत्पादक वस्तुएँ (10 वर्ष जीवन काल की) | 10 |
| (ii) | एकल उपयोग उत्पादक वस्तुएँ | 5 |
| (iii) | बिक्री | 20 |
| (iv) | अनबिका माल (स्टॉक) | 2 |
| (v) | वस्तु व सेवा कर (GST) | 1 |

**उत्तर:** शुद्ध मूल्य वृद्धि = (iii)+(iv)+(ii)-(V)- मूल्य ह्रास — 1 ½

=20+2-5-1-1 — ½

= ₹ 15 लाख — ½

मूल्यह्रास $= \frac{\text{संपत्ति की लागत}}{\text{संपत्ति की अनुमानित आयु}} = \frac{10\text{लाख}}{10\text{ वर्ष}}$ = ₹1 लाख प्रति वर्ष — ½

**13**

**प्रश्न:** दिए गए चित्र में, "KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | 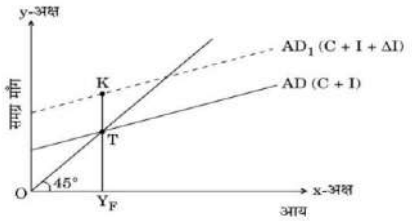<br>**उत्तर** "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है।<br>स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -<br>**i.** करों **में वृद्धि** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है।<br>**ii. सरकारी व्यय में कमी** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है।<br>**दृष्टि*बाधित छात्रों* के लिए:**<br>**प्रश्न:** अपस्फीतिक अंतराल से क्या तात्पर्य है ? अपस्फीतिक अंतराल की स्थिति को ठीक करने के किन्हीं दो मौद्रिक उपयों को दर्शाइए ।<br>**उत्तर:** अपस्फीतिक अंतराल ऐसी स्थिति है जिसमें समग्र मांग पूर्ण रोजगार संतुलन पर आवश्यक समग्र पूर्ति से कम होती है<br>अपस्फीतिक अंतराल को नियंत्रित करने के दो मौद्रिक उपाय निम्न है।<br>(i) रेपो दर में कमी<br>(ii) खुले बाजार में प्रतिभूतियों का क्रय (कोई अन्य मान्य उपाय – उचित व्याख्या सहित)<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** समझाइए कि, अधिमांग को नियंत्रित करने में 'रिवर्स रेपो रेट' किस प्रकार सहायता करता है ?<br>**उत्तर:** रिवर्स रेपो दर ब्याज की वह दर है, जिस पर व्यवसायिक बैंक अल्पकाल के लिए अपने अतिरिक्त कोषों को केंद्रीय बैंक के पास जमा करता है। अधिमांग की स्थिति के समाधान हेतु केंद्रीय बैंक रिवर्स रेपो दर में वृद्धि करता है, जिससे व्यवसायिक बैंक अपने कोषों को केंद्रीय बैंक में जमा कराने हेतु प्रोत्साहित होता है। परिणामत: व्यवसायिक बैंक की साख निर्माण हेतु कोष उपलब्धता घट जाती है। अतः उपभोग व्यय तथा निवेश व्यय घटता है जिससे समग्र मांग में कमी होती है।<br>**(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 1<br>1 ½<br>1 ½<br>1<br>1 ½<br>1 ½<br>4 |
| **14** | **प्रश्न:** "आय की असमानता को कम करने में कराधान एक प्रभावशाली उपकरण है।" दिए गए कथन का उचित कारणों द्वारा औचित्य सिद्ध करें ।<br>**उत्तर:** यह कथन उचित है, कि आय की असमानता को कम करने में कराधान एक प्रभावशाली उपकरण है। सरकार अधिक आय अर्जित करने वाले व्यक्तियों पर ऊंची दर से कर (प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर) लगाकर उनकी प्रयोज्य आय कम कर सकती है। सरकार करों से प्राप्त राजस्व को निर्धन व्यक्तियों की प्रयोज्य आय बढ़ाने हेतु उनके द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं व सेवाओं की (निशुल्क तथा उपदान प्राप्त कीमतों पर) आपूर्ति कर सकती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें**)** | 4 |
| **15** | **प्रश्न 15..** केन्द्रीय बैंक के "नोट जारीकर्ता बैंक" कार्य का वर्णन करें।<br>**उत्तर** केंद्रीय बैंक को देश में नोट जारी करने का एकमात्र अधिकार होता है। केंद्रीय बैंक करेंसी जारी करने पर अपना एकाधिकार बनाए रखता है ताकि करेंसी में एकरूपता बनी रहे तथा जनता का मौद्रिक प्रणाली में विश्वास बना रहे। नोट जारी करके केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण बनाए रखता है **( एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**<br>**(अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 4 |
| **16** | **प्रश्न:** दिए गए आँकड़ों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें : (i) नियोजित निवेश = ₹ 100 करोड़<br>(ii) C = 50 + 0.50Y | |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | (क) आय के संतुलन स्तर की गणना करें। (ख) आय के संतुलन स्तर पर बचत के मूल्य की गणना करें।<br>(ग) निवेश गुणक के मूल्य की गणना करें।<br>**उत्तर: (क)** आय का संतुलन स्तर - AD = Y = C+I<br>इसलिए, Y = (50 + 0.5Y) + 100<br>Y – 0.5 Y = 150<br>Y = 150/0.5 = ₹ 300 करोड़.<br>अतः आय के संतुलन स्तर = ₹ 300 करोड़.<br>**(ख)** आय के संतुलन स्तर पर बचत<br>S= (-) c + (1-b)Y<br>S = (-)50 +( 0.5)(300)<br>S = ₹100 करोड़ **(अन्य कोई मान्य विधि को भी अंकित किया जाय)**<br>(ग) निवेश गुणक (K) = $\frac{1}{1-MPC}$<br>K = $\frac{1}{1-0.5}$<br>K = 2<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** निम्न परिस्थितियों में समायोजन तंत्र की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए :<br>(क) यदि समग्र आपूर्ति की तुलना में समग्र माँग अधिक हो।<br>**उत्तर: (क)** यदि प्रत्याशित समग्र मांग (AD), प्रत्याशित समर्थ समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है तो इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप, उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), अप्रत्याशित समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए।**(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>(ख) यदि प्रत्याशित बचत (Ex-Ante Savings) की तुलना में प्रत्याशित निवेश (Ex-Ante Investment) कम हो।<br>**(ख)** प्रत्याशित निवेश यदि प्रत्याशित बचत से कम हो तो इसका अर्थ है, कि उत्पादक जितना उत्पादन करने की योजना बना रहें हैं, उपभोक्ता उससे कम वस्तुएं खरीदने की योजना बना रहें हैं। जिससे अप्रत्याशित अनबिके माल का स्टॉक उत्पादकों के पास उपलब्ध होगा। अतः उत्पादक भविष्य में उत्पादन व रोजगार में कमी करेंगे और यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित निवेश व प्रत्याशित बचत बराबर ना हो जाए। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | ½<br>½<br>½<br>½<br>1<br>½<br>½<br>1<br>½<br>½<br>3<br>3 |
| **17** | **प्रश्न:** (क) 'हाल ही में भारतीय रुपये (₹) काफी अधिक मूल्यह्रास हुआ है। इस कारण भारतीय आयातक संकट में है।' दिए गए कथन का उचित कारण सहित समर्थन अथवा खंडन करें।<br>**उत्तर: (क)** यह कथन सही है कि हाल ही में भारतीय रुपए का काफी अधिक मूल्यह्रास हुआ है इस कारण भारतीय आयातक संकट में है। भारतीय रुपए के मूल्यह्रास का अर्थ है कि विदेशी मुद्रा की तुलना में घरेलू मुद्रा के मूल्य में कमी। जिससे विदेशी मुद्रा से होने वाले आयात महंगे हो जाएंगे। अब आयातको को आयातो के लिए अधिक भुगतान करना होगा जिससे आयात कम हो जायेगें।<br>**प्रश्न:** (ख) 'व्यापार घाटा' तथा 'चालू खाते में घाटे' में विभेद करें।<br>**उत्तर: (ख)** व्यापार घाटा ऐसी स्थिति है जिसमें दृश्य मदों (वस्तुओं) के निर्यात से होने वाली प्राप्तियाँ ऐसी मदों के आयात के लिए किए गए भुगतान से कम होती है, **जबकि**<br>चालू खाते में घाटा इस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य तथा अदृश्य मदों (एकपक्षीय हस्तांतरणों सहित) से होने वाली विदेशी विनियम प्राप्तियाँ ऐसी ही मदो के लिए किए गए विदेशी विनियम में भुगतान से कम होती है। | 3<br>1 ½<br>1 ½ |
| | **खण्ड-ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास** | |
| **18** | **प्रश्न:** 'कोटा' (Quota) को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** कोटा ऐसा प्रतिबन्ध है, जिसे वस्तुओं के आयात तथा निर्यात की अधिकतम मात्रा निश्चित करने के लिए लगाया जाता है। | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 19 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से किस राष्ट्र ने सन् 1991 में आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया का आरंभ किया था ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) पाकिस्तान (ख) भारत (ग) रूस (घ) चीन<br>**उत्तर:** (ख) भारत | 1 |
| 20 | **प्रश्न:** _____ (शहरी/ग्रामीण) क्षेत्र में भारतीय श्रम बल के घटक के रूप में महिला श्रमिकों का अनुपात अधिक पाया जाता है।<br>**उत्तर:** ग्रामीण | 1 |
| 21 | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: "GATT की स्थापना सन् 1923 में 48 सदस्य राष्ट्रों के साथ हुई थी।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 22 | **प्रश्न:** चीनी गणराज्य के संदर्भ में 'GLF" का अर्थ _____ है। (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) Giant Leap Forward (ख) Great Lead Forum (ग) Great Leap Forward (घ) Giant Lead Forum<br>**उत्तर:** (ग) Great Leap Forward | 1 |
| 23 | **प्रश्न:** 'आयात प्रतिस्थापन' की नीति का लक्ष्य __उद्योगों को संरक्षण देना था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>**उत्तर:** घरेलू | **1** |
| 24 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से क्या धारणीय विकास की एक रणनीति के तौर पर प्रयोग नहीं की जाती है ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) गोबर गैस का प्रयोग (ख) सौर ऊर्जा का प्रयोग (ग) तापीय ऊर्जा का प्रयोग (घ) जलीय ऊर्जा का प्रयोग<br>**उत्तर:** (ग) तापीय ऊर्जा का प्रयोग | **1** |
| 25 | **प्रश्न:** मातृ मृत्यु दर -------- (चीन/पाकिस्तान) में अधिक है। (सही विकल्प से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>**उत्तर:** पाकिस्तान | **1** |
| 26 | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य:"2018 की मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत 180वीं पायदान पर था।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 27 | **प्रश्न:** यदि एक निर्माण स्थल के प्रबंधक ने दो मजदूरों को दैनिक मजदूरी आधार पर काम दिया है तो, इस प्रकार की स्थिति को_____ (औपचारिक/अनौपचारिक) क्षेत्रक के अंतर्गत सम्मिलित किया जाएगा। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>**उत्तर:** अनौपचारिक | 1 |
| 28 | **प्रश्न:** भारत में 'श्रमशक्ति के अनौपचारीकरण' की संकल्पना को संक्षेप में समझाएँ।<br>**उत्तर:** हाल के वर्षों में भारत, श्रम शक्ति के औपचारिक क्षेत्र से अनौपचारिक क्षेत्र में बढ़ने की प्रवृत्ति का साक्षी रहा है। वह प्रक्रिया जिसमें कुल श्रमबल में अनौपचारिक श्रमिकों का अनुपात बढ़ता है, श्रम शक्ति का अनौपचारिककरण कहलाता है। सरकार ने अनौपचारिक क्षेत्र के आधुनिकीकरण का सूत्रपात किया है और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को भी सामाजिक सुरक्षा देने की पहल की है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारत में ग्रामीण विकास के समक्ष प्रस्तुत किन्हीं तीन चुनौतियों का उल्लेख करें ।<br>**उत्तर: भारत** में ग्रामीण विकास के तीन चुनौतियां निम्न है<br>(i) मानव संसाधनों का विकास<br>(ii)आधारिक संरचना का विकास<br>(iii) निर्धनता निवारण के उपाय **(किसी अन्य मान्य बिंदु को भी अंकित किया जाय)** | 3<br><br><br><br><br><br>1<br>1<br>1 |
| 29 | **प्रश्न** : मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :<br>राष्ट्र \| जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) \| लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)<br>भारत \| 1.2% \| 929<br>चीन \| 0.5% \| 941<br>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.<br>**उत्तर**: (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि, चीन ने 1970 के दशक में 'एक शिशु नीति' जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.2% है, जो की चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत में यह अनुपात 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है, वहीं चीन में भी यह अनुपात 941 महिला प्रति 1000 पुरुष है। दोनों देश इस अनुपात के स्तर पर एक दुसरे से बहुत दूर नही है। | 2<br><br>1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 30 | **प्रश्न**: स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:<br>i. **<u>कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व-</u>** कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था।<br>ii. **<u>क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि-</u>** विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों (मद्रास,बम्बई और बंगाल आदि सूबों) में कृषि क्षेत्र पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई थी। **(या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के तौर पर 'समानता के साथ संवृद्धि के चयन के औचित्य का संक्षेप में वर्णन करें।<br>**उत्तर: <u>समानता के साथ</u>** संवृद्धि - संवृद्धि का अर्थ है, देश में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि जबकि समानता<br>का अर्थ है आय व धन की असमानता में कमी है। किसी देश में उच्च संवृद्धि दर के बावजूद अधिकांश लोग गरीब हो सकते हैं। अतः यह सुनिश्चित करना आवश्यक है, कि आर्थिक संवृद्धि के लाभ देश के निर्धन लोग को भी सुलभ हो। भारत जैसे देश में समानता के साथ संवृद्धि अत्यंत आवश्यक है।**(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)** **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 2<br>2<br>4 |
| 31 | **प्रश्न:** "नियोजन के उद्देश्य के तौर पर आधुनिकीकरण तथा रोजगार सृजन में विरोधाभास लक्षित होता है।" कथन का औचित्य सिद्ध करें।<br>**उत्तर:** दिया गया कथन सत्य है, आधुनिकीकरण नवीन तकनीक (प्रौद्योगिकी) के प्रयोग को बढ़ावा देता है। तकनीक के प्रयोग से उत्पादन में वृद्धि होती है जिससे कम लागत पर अधिक उत्पादन होता है। परंतु आधुनिककरण बेरोजगारी को बढ़ावा देता है, क्योंकि आधुनिक तकनीक के प्रयोग से प्रति उत्पादन इकाई के लिए कम श्रमिकों की आवश्यकता होती है।<br>**(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **(अन्य कोई मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "ब्रिटिश काल के दौरान भारतीय स्वदेशी उद्योगों में व्यवस्थित अस्थिरता के दोहरे उद्देश्यों का उल्लेख करें।<br>**उत्तर:** ब्रिटिश काल के दौरान भारतीय स्वदेशी उद्योगो में व्यवस्थित और स्थिरता के दोहरे उद्देश्य निम्न है:<br>i. ब्रिटेन में विकसित हो रहे आधुनिक उद्योगो के लिए भारत से कम कीमतों पर कच्चा माल प्राप्त करना।<br>ii. भारतीय बाजारों में ब्रिटिश उद्योगों द्वारा उत्पादित माल ऊंची कीमतों पर बेचना। | 4<br>2<br>2 |
| 32 | **प्रश्न:** भारत में विद्युत क्षेत्र के समक्ष आने वाली किन्हीं दो समस्याओं पर चर्चा करें ।<br>**उत्तर**: भारतीय विद्युत क्षेत्रक में दो चुनोतियाँ हैं -<br>i. भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता अपर्याप्त है और उसका भी पूर्ण उपयोग नही हो पाता। भारत में शक्ति सयंत्रों की कार्यात्मक क्षमता जिसे प्लांट लोड फैक्टर (PLF) के रूप में दर्शाया जाता है, बहुत कम है।<br>ii. राज्य विद्युत बोर्ड संचरण और वितरण की हानि, बिजली की दोषपूर्ण कीमतें और अन्य अकुशलताओ से त्रस्त हैं।<br>**(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)** | 2<br>2 |
| 33 | **प्रश्न:** भारतीय स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के परिणामों की समीक्षा करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं-<br>1.परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना।<br>2.भूमि और अन्य परी संपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए।<br>3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे।<br>4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण। **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न: (क)** 'ग्रामीण भारत के लिए उज्जवला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है ।' ऐसे किन्हीं तीन गैर-पारम्परिक ईंधनों का उल्लेख करें जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में उज्जवला योजना कार्य कर रही है।<br>**उत्तर: (क)** ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर ( स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है।<br>तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्जवला योजना के कारण कम हुआ है- | 6 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | (i) कृषि अवशेष और सूखा गोबर।<br>(ii) जलाने की लकड़ी।<br>(iii) कोयला। **(अन्य कोई उचित उदाहरण)**<br>**प्रश्न: (ख)** "अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इच्छित परिणामों को प्राप्त करने के लिए भारत को शिक्षा पर कम से कम GDP का 6% व्यय करना चाहिए।" दिए गए कथन का औचित्य मान्य कारणों द्वारा सिद्ध करें।<br>**उत्तर: (ख)** दिया गया कथन उचित है ऐसा 1964-65 के शिक्षा आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया है।वर्तमान परिदृश्य में सरकार अपने व्यय का केवल 4% भाग ही शिक्षा पर व्यय कर रही है। शिक्षा पर व्यय मानव पूंजी निर्माण का एक महत्वपूर्ण भाग है। यदि सरकार अपने कुल व्यय का 6% शिक्षा पर व्यय करें तो इससे शिक्षित व कुशल श्रमबल की उपलब्धता में वृद्धि होगी जिससे उत्पादन तथा आर्थिक समृद्धि बढ़ जाएगी। **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**<br>**(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** **(आंकड़े केवल उत्तर के समर्थन के लिए दिए गए हैं।** आंकडें **नही देने पर अंक न काटे जाएं)** | 1<br>1<br>1<br><br><br><br><br>3 |
| 34 | **प्रश्न: (क)** एक कर्मचारी के लिए नौकरी पर प्रशिक्षण की आवश्यकता की विवेचना करें।<br>**उत्तर: (क)** नियोक्ता नौकरी पर प्रशिक्षण का प्रयोग, अपने कर्मचारियों के कोशल तथा क्षमता में वृद्धि करने के लिए करते हैं। नौकरी पर प्रशिक्षण से श्रमिकों की उत्पादकता तथा वस्तुओं व सेवाओं के कुल उत्पादन का उनका योगदान बढ़ जाता है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कर्मचरियों को कार्यशेत्र में होने वाले नवीनतम परिवर्तनों से भी अवगत कराते हैं।<br>**(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)** **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)**<br>**प्रश्न: (ख)** भारत में ग्रामीण विकास की दिशा में बागवानी के योगदान की विवेचना करें।<br>**उत्तर: (ख)**भारत में ग्रामीण विकास में बागवानी ने भोजन और पोषण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। बागवानी से बेरोजगारी की समस्या कम हुई है साथ ही ग्रामीण स्तर पर किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ है। भारत में बागवानी उत्पादन अनेक वंचित वर्ग के लोगों की आजीविका के स्रोत बने हुए हैं। बागवानी उत्पादन ने ग्रामीण स्तर पर महिलाओं के लिए अधिक आय वाले रोजगार के अवसर बना दिए। | 3<br><br><br><br><br>3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

**Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)**
**Senior School Certificate Examination - 2020**

HMJ/1

**Marking Scheme – ECONOMICS**
**SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/5/3**

**General Instructions: -**

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark( √ ) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| प्र.सं. | अपेक्षित उत्तर | अंक |
|---|---|---|
| | **खण्ड-क समष्टि अर्थशास्त्र** | |
| 1 | **प्रश्न:** सरकार द्वारा विगत् वर्षों के ऋण पर ब्याज भुगतान ---------- घाटे में सम्मिलित होता है। **(रिक्त स्थान की पूर्ति सही उत्तर द्वारा करें)**<br>**उत्तर:** राजकोषीय/राजस्व (दोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिये जायें) | 1 |
| 2 | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: "माल-सूची (inventory) एक स्टॉक चर है।"<br>**उत्तर:** सत्य | 1 |
| 3 | **प्रश्न:** एक अर्थव्यवस्था में साख उपलब्धता को कम करने के लिए, केन्द्रीय बैंक ---------- । (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ क्रय कर सकता है। (ख) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ विक्रय कर सकता है।<br>(ग) आरक्षित अनुपात में कमी कर सकता है। (घ) रेपो रेट में कमी कर सकता है।<br>**उत्तर:** (ख) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ विक्रय कर सकता है। | 1 |
| 4 | **प्रश्न :** अल्परोज़गार की परिस्थिति में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही नहीं है ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) समग्र माँग और समग्र पूर्ति बराबर होते हैं। (ख) अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता मौजूद होती है।<br>(ग) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग नहीं होता है। (घ) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग होता है।<br>**उत्तर:** (घ) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग होता है। | 1 |
| 5 | **प्रश्न:** निम्नलिखित में से क्या एक 'साधन भुगतान नहीं हैं ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) रक्षा कर्मियों को मुफ्त वर्दी (ख) संसद सदस्यों का वेतन<br>(ग) इमारत के मालिक को दिया गया किराया (घ) विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति<br>**उत्तर:** (घ) विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति | 1 |
| 6 | **प्रश्न:** उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य।<br>"केन्द्रीय बैंक द्वारा मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के लिए मार्जिन आवश्यकताओं में वृद्धि की जाती है।"<br>**उत्तर:** असत्य | 1 |
| 7 | **प्रश्न:** यदि सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) 0.25 तथा निवेश में प्रारंभिक परिवर्तन ₹ 250 करोड़ है, तो आय में अंतिम परिवर्तन _____ होगा। (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) ₹ 1,000 करोड़ (ख) ₹ 1,200 करोड़ (ग) ₹ 500 करोड़ (घ) ₹3,500 करोड़<br>**उत्तर:** (क) ₹ 1,000 करोड़ | 1 |
| 8 | **प्रश्न:** संयुक्त कारक आय, जिसे कारक आय के विभिन्न घटकों में पृथक नहीं किया जा सकता ---------- कहलाती है।<br>(रिक्त स्थान की पूर्ति सही उत्तर द्वारा करें)<br>**उत्तर:** स्वनियोजितो की मिश्रित आय | 1 |
| 9 | **प्रश्न:** 'सार्वजनिक वस्तुओं' को परिभाषित करें।<br>**उत्तर:** सार्वजनिक वस्तुएं वे वस्तुएं होतीं हैं, जो सामूहिक रूप से उपभोग की जाती है। इन वस्तुओं के एक व्यक्ति द्वारा उपभोग करने से दूसरों के लिए उपलब्ध पूर्ति में कमी नहीं आती और लोगों को उनके उपभोग से रोका नहीं जा सकता है। | 1 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| 10 | **प्रश्न:** किराया + ब्याज + लाभ = _____। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>**उत्तर:** प्रचालन अधिशेष<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** जब मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) ₹ 850 करोड़ है तथा कीमत सूचकांक 170 हो, तो वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) _____ होगा। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>**उत्तर:** ₹500 करोड़ | 1<br><br>1 |
| 11 | **प्रश्न:** 'उत्पादको को दिया गया उपदान, हस्तांतरण भुगतान की तरह माना जाना चाहिए।' दिए गए कथन का उचित कारण सहित समर्थन अथवा खंडन करें।<br>**उत्तर:** दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि, उपदान एक हस्तांतरण भुगतान है। उपदान सरकार द्वारा उत्पादकों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता है, जो कि सरकार के समाज कल्याण के उदेश्यों को पूरा करती है। उपदान से वस्तुओं व सेवाओं के प्रवाह में कोई वृद्धि नहीं होती ना ही यह मूल्यवृद्धि में कोई योगदान होता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें)<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** एक द्वि-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में आय के चक्रीय प्रवाह की व्याख्या करें ।<br>**उत्तर:** द्वि-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में उत्पादक (फर्म) तथा गृहस्थ- क्षेत्र को शामिल किया जाता है। कारक सेवाओं के स्वामी के रूप में गृहस्थ क्षेत्र, फर्म को कारक सेवाएं प्रदान करते हैं। जिनकी सहायता से फर्म वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करती हैं तथा भुगतान के रूप में गृहस्थ क्षेत्र को कारक भुगतान (किराया, मजदूरी, ब्याज तथा लाभ) करता है। गृहस्थ क्षेत्र इस प्राप्त आय को फर्म द्वारा उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के उपभोग पर व्यय करता है। जिससे उपभोग व्यय के रूप में आय गृहस्थ क्षेत्र से फर्म की ओर प्रवाहित होती है और आय का चक्रीय प्रवाह पूरा करती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं है)** | 3<br><br>3 |
| 12 | **प्रश्न:** साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद की गणना करें:<br>**उत्तर:** साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद = i + ii + iv<br>= 700+3,000+700<br>=₹ 4400 करोड़ | <br><br>1½<br>1<br>½ |
| 13 | **प्रश्न:** दिए गए चित्र में, "KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए । | |

| क्र. सं. | विवरण | (₹ करोड़ में) |
|---|---|---|
| (i) | ब्याज | 700 |
| (ii) | कर्मचारियों का पारिश्रमिक | 3,000 |
| (iii) | शुद्ध अप्रत्यक्ष कर | 500 |
| (iv) | किराया तथा लाभ | 700 |
| (v) | सरकार द्वारा हस्तांतरण भुगतान | 10 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | 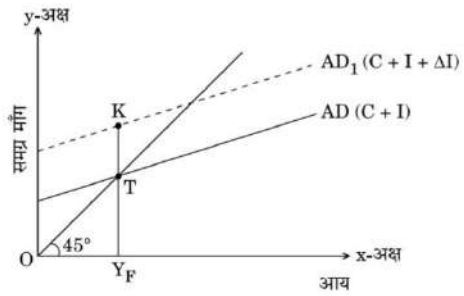 | 1 |
| | **उत्तर** "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है।<br>स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -<br>**i. करों में वृद्धि** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है।<br>**ii. सरकारी व्यय में कमी** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। | 1½<br>1½ |
| | ***दृष्टिबाधित छात्रों*के लिए:**<br>**प्रश्न:** अपस्फीतिक अंतराल से क्या तात्पर्य है ? अपस्फीतिक अंतराल की स्थिति को ठीक करने के किन्हीं दो मौद्रिक उपयों को दर्शाइए ।<br>**उत्तर:** अपस्फीतिक अंतराल ऐसी स्थिति है जिसमें समग्र मांग पूर्ण रोजगार संतुलन पर आवश्यक समग्र पूर्ति से कम होती है<br>अपस्फीतिक अंतराल को नियंत्रित करने के दो मौद्रिक उपाय निम्न है।<br>(i) रेपो दर में कमी<br>(ii) खुले बाजार में प्रतिभूतियों का क्रय (कोई अन्य मान्य उपाय – उचित व्याख्या सहित) | 1<br>1½<br>1½ |
| | **अथवा**<br>**प्रश्न:** समझाइए कि, अधिमांग को नियंत्रित करने में 'रिवर्स रेपो रेट' किस प्रकार सहायता करता है ?<br>**उत्तर:** रिवर्स रेपो दर ब्याज की वह दर है, जिस पर व्यवसायिक बैंक अल्पकाल के लिए अपने अतिरिक्त कोषों को केंद्रीय बैंक के पास जमा करता है। अधिमांग की स्थिति के समाधान हेतु केंद्रीय बैंक रिवर्स रेपो दर में वृद्धि करता है, जिससे व्यवसायिक बैंक अपने कोषों को केंद्रीय बैंक में जमा कराने हेतु प्रोत्साहित होता है। परिणामत: व्यवसायिक बैंक की साख निर्माण हेतु कोष उपलब्धता घट जाती है। अतः उपभोग व्यय तथा निवेश व्यय घटता है जिससे समग्र मांग में कमी होती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **(अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 4 |
| **14** | **प्रश्न:** "आय की असमानता को कम करने में कराधान एक प्रभावशाली उपकरण है।" दिए गए कथन का उचित कारणों द्वारा औचित्य सिद्ध करें ।<br>**उत्तर:** यह कथन उचित है, कि आय की असमानता को कम करने में कराधान एक प्रभावशाली उपकरण है। सरकार अधिक आय अर्जित करने वाले व्यक्तियों पर ऊंची दर से कर (प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर) लगाकर उनकी प्रयोज्य आय कम कर सकती है। सरकार करों से प्राप्त राजस्व को निर्धन व्यक्तियों की प्रयोज्य आय बढ़ाने हेतु उनके द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं व सेवाओं की (निशुल्क तथा उपदान प्राप्त कीमतों पर) आपूर्ति कर सकती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना किये जायें) | 4 |
| **15** | **प्रश्न:** बैंक के बैंक और पर्यवेक्षक' के रूप में केन्द्रीय बैंक के कार्यों को समझाइए ।<br>**उत्तर:** केंद्रीय बैंक बैंकों के बैंकर के रूप में कार्य करता है केंद्रीय बैंक नगद कोष का संरक्षक होता है क्योंकि केंद्रीय बैंक के पास प्रत्येक व्यापारिक बैंक की अपनी जमा एक निश्चित भाग रखना पड़ता है अंतिम ऋणदाता के रूप में केंद्रीय बैंक उस स्थिति में व्यवसायिक बैंकों के प्रतिभूतियों के आधार पर ही देते हैं जब वे अन्य स्रोतों से अपनी वित्तीय आवश्यकता पूर्ण करने में असमर्थ होते हैं समाशोधन के रूप में केंद्रीय बैंक व्यापारिक बैंकों के आपसी दावों की यह निपटारा करता है केंद्रीय बैंक व्यापारिक बैंकों का नियन्त्रण करके पर्यवेक्षक के रूप में भी कार्य करता है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** **(अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 4 |
| **16** | **प्रश्न:** दिए गए आँकड़ों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें :<br>(i) नियोजित निवेश = ₹ 100 करोड़ (ii) C = 50 + 0.50Y | |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | (क) आय के संतुलन स्तर की गणना करें।<br>(ख) आय के संतुलन स्तर पर बचत के मूल्य की गणना करें ।<br>(ग) निवेश गुणक के मूल्य की गणना करें।<br>**उत्तर: (क)** आय का संतुलन स्तर -<br>AD = Y = C+I<br>इसलिए, Y = (50 + 0.5Y) + 100<br>Y – 0.5 Y = 150<br>Y = 150/0.5 = ₹ 300 करोड़.<br>अतः आय के संतुलन स्तर = ₹ 300 करोड़.<br>**(ख)** आय के संतुलन स्तर पर बचत<br>S= (-) c + (1-b)Y<br>S = (-)50 +( 0.5)(300)<br>S = ₹100 करोड़ **(अन्य कोई मान्य विधि को भी अंकित किया जाय)**<br>(ग) निवेश गुणक (K) $= \frac{1}{1-MPC}$<br>$K = \frac{1}{1-0.5}$<br>$K = 2$<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** निम्न परिस्थितियों में समायोजन तंत्र की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए :<br>(क) यदि समग्र आपूर्ति की तुलना में समग्र माँग अधिक हो ।<br>**उत्तर: (क)** यदि प्रत्याशित समग्र मांग (AD), प्रत्याशित समर्थ समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है तो इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप, उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), अप्रत्याशित समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>(ख) यदि प्रत्याशित बचत (Ex-Ante Savings) की तुलना में प्रत्याशित निवेश (Ex-Ante Investment) कम हो।<br>**(ख)** प्रत्याशित निवेश यदि प्रत्याशित बचत से कम हो तो इसका अर्थ है, कि उत्पादक जितना उत्पादन करने की योजना बना रहें हैं, उपभोक्ता उससे कम वस्तुएं खरीदने की योजना बना रहें हैं। जिससे अप्रत्याशित अनबिके माल का स्टॉक उत्पादकों के पास उपलब्ध होगा। अतः उत्पादक भविष्य में उत्पादन व रोजगार में कमी करेंगे और यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित निवेश व प्रत्याशित बचत बराबर ना हो जाए। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)** | ½<br>½<br>½<br>½<br>1<br>½<br>½<br>1<br>½<br>½<br>3<br>3 |
| **17** | **प्रश्न: (क)** 'अमेरिकी डॉलर ($) की कीमत में कमी तथा उसकी माँग के बीच संबंध का वर्णन करें ।<br>**उत्तर: (क)** अमेरिकी डॉलर ($) की कीमत में कमी ऐसी स्थिति है जिससे अमेरिकी डॉलर ($) की एक इकाई खरीदने के लिए भारतीय रुपये (₹) की कम इकाइयों की आवश्यकता होगी।इस स्थिति को भारतीय रुपये (₹) का अधिमूल्यन तथा अमेरिकी डॉलर ($) का मूल्य ह्रास भी कहा जा सकता है। इस स्थिति में विदेशी वस्तुओं व सेवाओं की कीमतों में कमी के कारण मांग में वृद्धि हो सकती है, जिससे अमेरिकी डॉलर ($) की मांग बढ़ सकती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**प्रश्न: (ख)** स्वायत्त मदों तथा समंजन मदों में अंतर स्पष्ट करें।<br>**उत्तर: (ख)**स्वायत्त मदें भुगतान संतुलन खाते के वो लेनदेन हैं जो लाभ कमाने के उद्देश्य से की जाती है। स्वायत्त मदे भुगतान संतुलन खाते में असंतुलन (घाटे तथा अधिशेष) का कारण होती है। स्वायत्त मदो को भुगतान संतुलन खाते को रेखा से ऊपर की मदों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है; जबकि,<br>समंजन मदों भुगतान संतुलन खाते के वे लेन देन हैं जो लाभ कमाने के उद्देश्य से नहीं किये जाते। समंजन मदें, भुगतान संतुलन खाते को संतुलित करती है। समंजन मदों को भुगतान संतुलन खाते की रेखा के नीचे की मदों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। | 3<br>1 ½<br>1 ½ |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

<table>
<tr><td></td><td>खण्ड - ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास</td><td></td></tr>
<tr><td>18</td><td>प्रश्न: चीनी गणराज्य के संदर्भ में 'GLF" का अर्थ ---------- है। (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) Giant Leap Forward (ख) Great Lead Forum (ग) Great Leap Forward (घ) Giant Lead Forum<br>उत्तर: (ग) Great Leap Forward</td><td>1</td></tr>
<tr><td>19</td><td>प्रश्न: उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य ।<br>“GATT की स्थापना सन् 1923 में 48 सदस्य राष्ट्रों के साथ हुई थी।"<br>उत्तर: असत्य</td><td>1</td></tr>
<tr><td>20</td><td>प्रश्न: निम्नलिखित में से किस राष्ट्र ने सन् 1991 में आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया का आरंभ किया था ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) पाकिस्तान (ख) भारत (ग) रूस (घ) चीन<br>उत्तर: (ख) भारत</td><td>1</td></tr>
<tr><td>21</td><td>प्रश्न: 'आयात प्रतिस्थापन' की नीति का लक्ष्य --------- उद्योगों को संरक्षण देना था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>उत्तर: घरेलू</td><td>1</td></tr>
<tr><td>22</td><td>प्रश्न: निम्नलिखित में से क्या धारणीय विकास की एक रणनीति के तौर पर प्रयोग नहीं की जाती है ? (सही विकल्प का चयन करें)<br>(क) गोबर गैस का प्रयोग (ख) सौर ऊर्जा का प्रयोग (ग) तापीय ऊर्जा का प्रयोग (घ) जलीय ऊर्जा का प्रयोग<br>उत्तर: (ग) तापीय ऊर्जा का प्रयोग</td><td>1</td></tr>
<tr><td>23</td><td>प्रश्न: मातृ मृत्यु दर -------- (चीन/पाकिस्तान) में अधिक है। (सही विकल्प से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>उत्तर: पाकिस्तान</td><td>1</td></tr>
<tr><td>24</td><td>प्रश्न: अंग्रेजों द्वारा भारत में किए गए सकारात्मक योगदानों में से --------- एक है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)<br>उत्तर: रेलवे (अन्य कोई संबंधित उत्तर)</td><td>1</td></tr>
<tr><td>25</td><td>प्रश्न: उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य ।<br>“2018 की मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत 180वीं पायदान पर था।"<br>उत्तर: असत्य</td><td>1</td></tr>
<tr><td>26</td><td>प्रश्न: यदि एक निर्माण स्थल के प्रबंधक ने दो मजदूरों को दैनिक मजदूरी आधार पर काम दिया है तो, इस प्रकार की स्थिति को_____ (औपचारिक/अनौपचारिक) क्षेत्रक के अंतर्गत सम्मिलित किया जाएगा। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)<br>उत्तर: अनौपचारिक</td><td>1</td></tr>
<tr><td>27</td><td>प्रश्न: _____ (शहरी/ग्रामीण) क्षेत्र में भारतीय श्रम बल के घटक के रूप में महिला श्रमिकों का अनुपात अधिक पाया जाता है।<br>उत्तर: ग्रामीण</td><td>1</td></tr>
<tr><td>28</td><td>प्रश्न : मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :
<table>
<tr><td>राष्ट्र</td><td>जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015)</td><td>लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)</td></tr>
<tr><td>भारत</td><td>1.2%</td><td>929</td></tr>
<tr><td>चीन</td><td>0.5%</td><td>941</td></tr>
</table>
स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.</td><td></td></tr>
</table>



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **उत्तर**: (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि, चीन ने 1970 के दशक में 'एक शिशु नीति' जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.2% है, जो की चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% से लगभग दुगनी है।<br>(ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत में यह अनुपात 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है, वहीं चीन में भी यह अनुपात 941 महिला प्रति 1000 पुरुष है। दोनों देश इस अनुपात के स्तर पर एक दुसरे से बहुत दूर नही है। | 2<br><br>1 |
| **29** | **प्रश्न:** भारत में 'श्रमशक्ति के अनौपचारीकरण' की संकल्पना को संक्षेप में समझाएँ।<br>**उत्तर:** हाल के वर्षों में भारत, श्रम शक्ति के औपचारिक क्षेत्र से अनौपचारिक क्षेत्र में बढ़ने की प्रवृत्ति का साक्षी रहा है। वह प्रक्रिया जिसमें कुल श्रमबल में अनौपचारिक श्रमिकों का अनुपात बढ़ता है, श्रम शक्ति का अनौपचारिककरण कहलाता है। सरकार ने अनौपचारिक क्षेत्र के आधुनिकीकरण का सूत्रपात किया है और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को भी सामाजिक सुरक्षा देने की पहल की है।<br>**(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** भारत में ग्रामीण विकास के समक्ष प्रस्तुत किन्हीं तीन चुनौतियों का उल्लेख करें।<br>**उत्तर: भारत** में ग्रामीण विकास के तीन चुनौतियां निम्न है<br>(i) मानव संसाधनों का विकास<br>(ii)आधारिक संरचना का विकास<br>(iii) निर्धनता निवारण के उपाय **(किसी अन्य मान्य बिंदु को भी अंकित किया जाय)** | 3<br><br>1<br>1<br>1 |
| **30** | **प्रश्न:** "नियोजन के उद्देश्य के तौर पर आधुनिकीकरण तथा रोजगार सृजन में विरोधाभास लक्षित होता है।" कथन का औचित्य सिद्ध करें।<br>**उत्तर:** दिया गया कथन सत्य है, आधुनिकीकरण नवीन तकनीक (प्रौद्योगिकी) के प्रयोग को बढ़ावा देता है। तकनीक के प्रयोग से उत्पादन में वृद्धि होती है जिससे कम लागत पर अधिक उत्पादन होता है। परंतु आधुनिककरण बेरोजगारी को बढ़ावा देता है, क्योंकि आधुनिक तकनीक के प्रयोग से प्रति उत्पादन इकाई के लिए कम श्रमिकों की आवश्यकता होती है। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**<br>**(अन्य कोई मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न:** "ब्रिटिश काल के दौरान भारतीय स्वदेशी उद्योगों में व्यवस्थित अस्थिरता के दोहरे उद्देश्यों का उल्लेख करें।<br>**उत्तर:** ब्रिटिश काल के दौरान भारतीय स्वदेशी उद्योगो में व्यवस्थित और स्थिरता के दोहरे उद्देश्य निम्न है:<br>i. ब्रिटेन में विकसित हो रहे आधुनिक उद्योगो के लिए भारत से कम कीमतों पर कच्चा माल प्राप्त करना।<br>ii. भारतीय बाजारों में ब्रिटिश उद्योगों द्वारा उत्पादित माल ऊंची कीमतों पर बेचना। | 4<br><br>2<br>2 |
| **31** | **प्रश्न:** भारत में विद्युत क्षेत्र के समक्ष आने वाली किन्हीं दो समस्याओं पर चर्चा करें।<br><br>**उत्तर**: भारतीय विद्युत क्षेत्रक में दो चुनोतियाँ हैं -<br>i. भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता अपर्याप्त है और उसका भी पूर्ण उपयोग नही हो पाता। भारत में शक्ति सयंत्रों की कार्यात्मक क्षमता जिसे प्लांट लोड फैक्टर (PLF) के रूप में दर्शाया जाता है, बहुत कम है।<br>ii. राज्य विद्युत बोर्ड संचरण और वितरण की हानि, बिजली की दोषपूर्ण कीमतें और अन्य अकुशलताओ से त्रस्त हैं।<br>**(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)** | <br><br>2<br><br>2 |
| **32** | **प्रश्न**: स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:<br>i. **<u>कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व-</u>** कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था।<br>ii. **<u>क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि-</u>** विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों (मद्रास,बम्बई और बंगाल आदि सूबों) में कृषि क्षेत्र पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई थी। **(या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता)**<br>**अथवा** | <br><br>2<br><br>2 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

| | | |
|---|---|---|
| | **प्रश्न:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के तौर पर 'समानता के साथ संवृद्धि के चयन के औचित्य का संक्षेप में वर्णन करें।<br>**उत्तर:** **समानता के साथ** संवृद्धि - संवृद्धि का अर्थ है, देश में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि जबकि समानता<br>का अर्थ है आय व धन की असमानता में कमी है। किसी देश में उच्च संवृद्धि दर के बावजूद अधिकांश लोग गरीब हो सकते हैं। अतः यह सुनिश्चित करना आवश्यक है, कि आर्थिक संवृद्धि के लाभ देश के निर्धन लोग को भी सुलभ हो। भारत जैसे देश में समानता के साथ संवृद्धि अत्यंत आवश्यक है। **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)** **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 4 |
| **33** | **प्रश्न:** (क) 'हरित क्रांति' तथा 'स्वर्णिम क्रांति' में अंतर स्पष्ट करें।<br>उत्तर: **(क)**हरित क्रांति से अभिप्राय खाद्यान्नों उत्पादन में होने वाली अप्रत्याशित वृद्धि से है जबकि<br>1991 से 2003 के बीच बागवानी के विभिन्न उत्पादों के क्षेत्र में भारत एक अग्रणी देश है बनकर उभरा जिसे स्वर्णिम क्रांति के नाम से भी जाना जाता है<br>**प्रश्न:** (ख) किस प्रकार भारत में महिलाओं का स्वास्थ्य गहरी चिंता का विषय बन गया है ? समझाएँ।<br>**उत्तर: (ख)** भारत की कुल जनसंख्या का लगभग आधा भाग महिलाओं का है लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जैसे लिंगानुपात में कमी, कन्या भूण हत्या। 15 से 49 वर्ष की आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं से 50% से अधिक रक्तभाव व रक्तक्षीणता से ग्रसित हैं जो कि उच्च मातृमुत्यु का एक प्रमुख कारण है।<br>**(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)** **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** | 1<br>1<br>4 |
| **34** | **प्रश्न:** भारतीय स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के परिणामों की समीक्षा करें।<br>**उत्तर:** स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं-<br>1.परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना।<br>2.भूमि और अन्य परी संपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए।<br>3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे।<br>4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण। **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**<br>**अथवा**<br>**प्रश्न: (क)** 'ग्रामीण भारत के लिए उज्जवला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है ।' ऐसे किन्हीं तीन गैर-पारम्परिक ईंधनों का उल्लेख करें जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में उज्जवला योजना कार्य कर रही है।<br>**उत्तर: (क)** ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर ( स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है। तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्जवला योजना के कारण कम हुआ है-<br>(i) कृषि अवशेष और सूखा गोबर।<br>(ii) जलाने की लकड़ी।<br>(iii) कोयला। **(अन्य कोई उचित उदाहरण)**<br>**प्रश्न: (ख)** "अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इच्छित परिणामों को प्राप्त करने के लिए भारत को शिक्षा पर कम से कम GDP का 6% व्यय करना चाहिए।" दिए गए कथन का औचित्य मान्य कारणों द्वारा सिद्ध करें।<br>**उत्तर: (ख)** दिया गया कथन उचित है ऐसा 1964-65 के शिक्षा आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया है।वर्तमान परिदृश्य में सरकार अपने व्यय का केवल 4% भाग ही शिक्षा पर व्यय कर रही है। शिक्षा पर व्यय मानव पूंजी निर्माण का एक महत्वपूर्ण भाग है। यदि सरकार अपने कुल व्यय का 6% शिक्षा पर व्यय करें तो इससे शिक्षित व कुशल श्रमबल की उपलब्धता में वृद्धि होगी जिससे उत्पादन तथा आर्थिक समृद्धि बढ़ जाएगी। **(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)** **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**<br>**(आंकड़े केवल उत्तर के समर्थन के लिए दिए गए हैं।** आंकडें **नही देने पर अंक न काटे जाएं)** | 6<br>1<br>1<br>1<br>3 |



Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE